▶▶ वर्ष 72 ▶▶ अंक 184 ▶▶ पृष्ठ 12
रीवा, गुरुवार 03 अप्रैल, 2025
▶▶ चैत्र शुक्ल पक्ष 06, विक्रम संवत् 2082
▶▶ नगर ▶▶ मूल्य 5 रुपए

दैनिक जागरण

विश्व का सर्वाधिक पढ़ा जाने वाला अखबार
www.dainikjagranmpcg.com

राजनीतिक तंत्र इसलिए विजयी होता है, क्योंकि यह एक संगठित अल्पसंख्यक (सत्ता) होता है, जो विभाजित बहुसंख्यक (जनता) के खिलाफ कार्य करता है।
– विल इयूरांट

ऑफ बीट

अब हवा से बनेंगे ईंट और टाइल्स

नई दिल्ली, जेएनएन। अमेरिकी वैज्ञानिकों ने हवा से कार्बन डाइऑक्साइड सोखकर ईंट और टाइल्स बनाने की नई तकनीक विकसित की है। इससे तैयार ईंटों पर आग का असर तुरंत नहीं होता, बल्कि यह हल्की मात्रा में कार्बन डाइऑक्साइड छोड़ती हैं, जिससे आग बुझाने में मदद मिलती है। एनपीजे एडवांस मैन्युफैक्चरिंग जर्नल में प्रकाशित अध्ययन के मुताबिक, इस तकनीक से 3डी प्रिंटेड ढांचों को एक खास कोटिंग देकर कैल्शियम और कार्बन डाइऑक्साइड के घोल में डुबोने पर एक ठोस और टिकाऊ ईंट व टाइल्स जैसी सामग्री तैयार हो जाती है। ईंट और टाइल कारगर साबित हुईं, तो इस क्षेत्र में बड़े पैमाने पर निवेश होगा और रोजगार बढ़ेगा। यह तकनीक बढ़ते पर्यावरण प्रदूषण, धरती के बढ़ते तापमान, ग्लोबल वार्मिंग, जलवायु परिवर्तन जैसी विकट समस्याओं के लिए भी कारगर हो सकती है।

संक्षिप्त खबरें

आज से ट्रंप ने लागू किया नया टैरिफ

वॉशिंगटन, जेएनएन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बुधवार देर रात अमेरिका की ओर से पारस्परिक टैरिफ को लागू कर दिया है। इसमें ट्रंप ने अपने मित्र देशों को भी नहीं छोड़ा है। ट्रंप ने आटो सेक्टर पर 25 प्रतिशत टैरिफ लगाया है। घोषणा करने से पहले ट्रंप ने कहा कि आज अमेरिका का मुक्ति दिवस है। अन्य देशों ने अमेरिकी आयात पर जो टैरिफ लगाए हैं, उसकी तुलना में हम जो घोषणा कर रहे हैं, वह अपेक्षाकृत कम है। उन्होंने कहा, हम अमेरिका को महान बनाएंगे। इस नए टैरिफ के बाद दुनियाभर के बाजारों में हलचल देखी जा रही है। भारत में भी सुबह बाजार के गोता लगाने की आशंका की जा रही है।

लोन नहीं मिलने पर बैंक से लूटा 17 किलो सोना

बेंगलुरु, जेएनएन। कर्नाटक के दावणगेरे में एक शख्स ने लोन नहीं मिलने पर बैंक से 17 किलो सोना लूट लिया। पुलिस ने बताया- चोरी का आरोपी विजय कुमार आर्थिक तंगी से जूझ रहा है। उसने अगस्त 2023 में एसबीआई में 15 लाख रुपए के लोन के लिए अप्लाई किया था, एप्लिकेशन रिजेक्ट हो गया। इससे नाराज होकर उसने बैंक से 13 करोड़ रुपए का सोना लूटा। आरोपी को स्पैनिश क्राइम ड्रामा सीरीज मनी हाइस्ट से चोरी का आइडिया आया। बैंक लूटने में उसने भाई अजय कुमार, बहनोई परम आनंद और तीन अन्य साथी अभिषेक, चंदरु और मंजूनाथ ने भी मदद की।

आईपीएल में आज

कोलकाता बनाम हैदराबाद
समय : शाम 7.30 बजे से
प्रसारणः स्टार स्पोर्ट्स और जियो हॉटस्टार पर
परिणामः गुजरात ने बेंगलुरु को 8 विकेट से हराया।

वक्फ संशोधन विधेयकः लोकसभा में बिल पास, आज राज्यसभा में पेश किया जाएगा विधेयक

वक्फ पर सरकार की नजर

केंद्र सरकार ने बुधवार को वक्फ संशोधन बिल लोकसभा में पेश किया। 12 घंटे की मैराथन बहस, आरोप-प्रत्यारोप और बिल के विभिन्न पहलुओं के विश्लेषण के बाद देर रात 11.45 बजे से रात 1.45 बजे तक संशोधनों पर वोटिंग होती रही। इसके बाद बिल पर वोटिंग हुई, जिसमें पक्ष में 288 और विपक्ष में 232 सांसदों ने वोट किया। आखिरकार रात 2.05 बजे बिल लोकसभा से पास हुआ।

97.27 लाख के करीब याचिकाएं आईं देशभर से | **284** डेलिगेशन ने रखी कमेटी के सामने अपनी बात | **8.27** लाख वक्फ प्रॉपर्टी हैं इस वक्त देश में | **1954** में बना था पहली बार वक्फ एक्ट | **3** लाख एकड़ बढ़ी 2013 से 2025 तक वक्फ की जमीन

नई दिल्ली, जेएनएन। बुधवार सुबह प्रश्नकाल के बाद लोकसभा में अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री किरेन रिजिजू ने वक्फ संशोधन विधेयक लोकसभा में पेश किया। देरा रात को यह बिल पास हो गया। बिल के पास होने के बाद वक्फ संपत्तियों पर सरकार की सीधी नजर रहेगी। यह विधेयक गुरुवार को राज्यसभा में पटल पर रखा जाएगा। राज्यसभा से पारित होने के बाद इसे राष्ट्रपति के पास हस्ताक्षर के लिए भेजा जाएगा। राष्ट्रपति के हस्ताक्षर के बाद यह कानून बन जाएगा।

बिल पर सरकार का पक्ष रखते हुए गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि नए बिल से आदिवासियों, पुरातत्व की निजी संपत्ति सुरक्षित होगी। वक्फ करने के लिए स्वामित्व होना जरूरी है। उन्होंने तल्ख लहजे में कहा कि यह संसद का कानून है। यह कानून भारत सरकार का है और इसे आपको स्वीकार करना ही होगा।

शाह ने कहा कि 2013 में लालू प्रसाद जी कहा था- सरकार ने संशोधन विधेयक किया। उसका स्वागत है। आप देखिए सारी जमीनें हड़प ली गई हैं। वक्फ में काम करने वाले लोग, प्राइम जमीन को वो बेच दिए हैं। पटना में ही डाक बंगला हड़प लिया। हम चाहते हैं कि आप भविष्य में ■ शेष पृष्ठ 7 पर

वक्फ के लिए पांच साल से इस्लाम को मानना जरूरी- पेज-8

विधेयक पर दलों के रुख

समर्थन में

- **भाजपाः** सरकार का दावा है कि यह विधेयक वक्फ बोर्डों में पारदर्शिता और विविधता लाने के लिए जरूरी है। इससे अल्पसंख्यकों के अधिकार पर कोई आंच नहीं आएगी।
- **जदयूः** विधेयक का समर्थन करते हुए कहा कि इसमें राज्यों की भूमिका सुनिश्चित की जाए।
- **टीडीपीः** विधेयक का समर्थन किया। पार्टी की ओर से तीन संशोधन पेश किए गए और वह मंजूर किए हैं।

विरोध में

- **कांग्रेसः** विधेयक को असंवैधानिक और इसे धर्म की स्वतंत्रता पर हमला बताया।
- **एआईएमआईएमः** ओवैसी ने विधेयक का कड़ा विरोध किया, इसे मुस्लिम विरोधी बताया।
- **सपाः** अखिलेश यादव ने विधेयक को आरएसएस का एजेंडा बताया जिसे सरकार लागू कर रही है।
- **डीएमकेः** इसे संविधान का उल्लंघन बताया।
- **वाईएसआर कांग्रेसः** विधेयक में कई खामियों की ओर इशारा किया और विरोध जताया।

वारः बिल में नीति ठीक न नीयत

बिल में न तो नीति सही है और न नीयत। देश के करोड़ों लोगों से घर-दुकान छीनने की साजिश है। भाजपा अलोकतांत्रिक पार्टी है। वह असहमति को अपनी ताकत मानती है। बिल लाने की जिद क्यों कर रही है?
- अखिलेश यादव, समाजवादी पार्टी

पलटवारः देश में अल्पसंख्यक सुरक्षित

अल्पसंख्यक सुरक्षित नहीं हैं ये किसने कहा। हमारी सरकार से असहमत हो सकते हैं। लेकिन ये कैसे कह सकते हैं अल्पसंख्यक सुरक्षित नहीं हैं। हिंदुस्तान से ज्यादा अल्पसंख्यक कहीं सुरक्षित नहीं हैं।
- किरण रिजिजु, केंद्रीय मंत्री

"आज एक विशेष समाज की जमीन पर इनकी नजर है, कल समाज के दूसरे अल्पसंख्यकों की जमीन पर इनकी नजर जाएगी। संशोधन की जरूरत है। मैं यह नहीं कहता कि संशोधन नहीं होना चाहिए। संशोधन ऐसा होना चाहिए कि बिल ताकतवर बने। इनके संशोधनों से समस्याएं और विवाद बढ़ेंगे। सरकार विपक्ष के संशोधनों पर गौर करे।
- गौरव गोगोई, कांग्रेस सांसद

"कल अपनी स्पीच के टेक्स्ट को जेपीसी की रिपोर्ट से मिलाइएगा। मैच कर जाए तो इस सदन की सदस्यता से इस्तीफा दे दूंगा। ये कहानी गढ़ रहे हैं कि संसद वक्फ बोर्ड को दे दी गई होती। आज का दिन इस लिहाज से भी महत्वपूर्ण है कि सेक्यूलर देश किस तरफ जाएगा। ये वक्फ बिल असंवैधानिक है। इसे सदन के माध्यम से पूरे देश पर थोपा जा रहा है।
- ए राजा, डीएमके सांसद

"वक्फ एक धार्मिक और समाजसेवा करने वाला संस्थान है। इस संसद में राज्य सरकार की ताकतों के दायरे में उल्लंघन किया जा रहा है। राज्य सरकार के अधिकारों में दखल नहीं किया जा सकता है। हिंदू इंग्लिश कानून फॉलो करते हैं और मुस्लिम इंग्लिश लॉ नहीं मानता। यह अंतर है। लोगों की भलाई के लिए प्रॉपर्टी का इस्तेमाल होता है।
- कल्याण बनर्जी, टीएमसी सांसद

धार्मिक दान से जुड़े कार्यों में किसी गैर-इस्लामिक सदस्य को जगह नहीं मिलेगी। वक्फ बोर्ड गैर-मुस्लिम सदस्यों का काम धार्मिक क्रियाकलापों से संबंधित नहीं होगा। चैरिटी कमिश्नर सुनिश्चित करेगा कि बोर्ड का संचालन कानून के मुताबिक हो, यह प्रशासन का काम है।

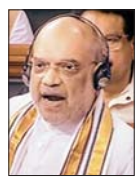

- अमित शाह, केंद्रीय गृह मंत्री

सरकार का एजेंडा धर्म के नाम पर विभाजन का है। इसमें समानता के कानून का उल्लंघन किया है। आज मुस्लिम समुदाय पर हमला कर रहे हो। कल ईसाई, परसों सिख के खिलाफ होंगे।

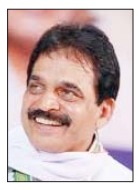

- केसी वेणुगोपाल, कांग्रेस सांसद

ओवैसी ने फाड़ा बिल

चर्चा के दौरान एआईएमआईएम के सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने कहा कि ये अनुच्छेद 25, 26 का उल्लंघन है। यह मुस्लिमों के साथ अन्याय है। बिल का मकसद मुसलमानों को जलील करना है। मैं बिल को फाड़ता हूं। बिल फाड़ने के बाद ओवैसी संसद की कार्यवाही छोड़कर चले गए।

मंडला में एनकाउंटर

28 लाख की इनामी दो महिला नक्सली ढेर

मुख्य संवाददाता, भोपाल। प्रदेश पुलिस ने बुधवार को मुठभेड़ के दौरान 2 महिला नक्सलियों को मार गिराया। यह एनकाउंटर कान्हा नेशनल पार्क के कोर और बफर जोन के बीच हुआ। जानकारी के अनुसार मंडला जिले के बिछिया थाना क्षेत्र के मुंडीदादार-गनेरीदादर-परसाटोला इलाके के जंगलों में नक्सलियों के होने का इंटेलिजेंस इनपुट मिला था। इसके बाद बुधवार सुबह सर्चिंग के लिए सुरक्षा बलों को जंगल में भेजा गया था। इसी दौरान तकरीबन साढ़े सात बजे नक्सलियों ने घात लगाकर टीम पर हमला बोला। इसका जवाब देते हुए जवाबी फायरिंग की गई, जिसमें 2 वर्दीधारी महिला नक्सली मारी गईं। इनकी शिनाख्त ममता और प्रमिला के रूप में हुई है। जानकारी के मुताबिक, दोनों पर 14-14 लाख रुपए का इनाम था।

एंटी नक्सल ऑपरेशन के डीजी पंकज श्रीवास्तव के अनुसार मुठभेड़ की जानकारी लगने के बाद पुलिस के आला अफसर भी मौके पर पहुंचे और जंगल में छिपे अन्य नक्सलियों की भी तलाश शुरू की। ■ शेष पृष्ठ 7 पर

नक्सली सरकार से वार्ता के लिए राजी: शाह

बस्तर। अमित शाह के बस्तर दौरे से पहले ही नक्सली शांति वार्ता के लिए तैयार हो गए हैं। नक्सलियों की केंद्रीय समिति के प्रवक्ता अभय ने एक पर्चा जारी किया है, जिसमें लिखा कि पिछले 15 महीनों में उनके 400 साथी मारे गए हैं। अगर नक्सलियों के खिलाफ ऑपरेशन रुकता है, तो हम शांति वार्ता के लिए तैयार हैं। इस पर छत्तीसगढ़ के गृहमंत्री विजय शर्मा ने कहा कि हमारी सरकार किसी भी प्रकार की सार्थक वार्ता के लिए तैयार है। बशर्ते इसके लिए कोई शर्त न हो।

जामनगर में हादसा

फाइटर जेट क्रैश, एक पायलट की मौत

जामनगर, जेएनएन। गुजरात के जामनगर में बुधवार रात करीब 9.30 बजे एयरफोर्स का जगुआर फाइटर क्रैश हो गया। प्लेन ने जामनगर एयरफोर्स स्टेशन से उड़ान भरी थी। हादसे में एक पायलट की मौत हो गई। एक गंभीर घायल है। प्रैक्टिस मिशन के दौरान स्टेशन से उड़ान भरने के बाद जामनगर सिटी से करीब 12 किलोमीटर दूर सुवरदा गांव के एक खुले मैदान में प्लेन क्रैश हुआ। इस दौरान एक पायलट इजेक्ट होने से कामयाब रहा, लेकिन दूसरा नहीं निकल सका।

क्रैश के बाद प्लेन के कई टुकड़े हो गए। उनमें आग लग गई। घटना के तुरंत बाद ही ग्रामीण मौके पर पहुंचे। लोगों ने घायल जवान की मदद की और पुलिस को घटना की जानकारी दी। क्रैश का कारण फिलहाल सामने नहीं आया है। क्रैश की जानकारी मिलते ही जामनगर एसपी, डीएम और एयरफोर्स की टीम मौके पर पहुंची।

हाईकोर्ट ने राज्य सेवा- 2025 की मुख्य परीक्षा पर लगाई रोक

वर्गवार कट-ऑफ मार्क्स जारी करने के दिये निर्देश

जागरण, जबलपुर। प्रदेश हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश सुरेश कुमार कैत व न्यायमूर्ति विवेक जैन की युगलपीठ ने मध्य प्रदेश लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित राज्य सेवा परीक्षा-2025 की मुख्य परीक्षा के आयोजन पर अंतरिम रोक लगा दी है। अब कोर्ट की अनुमति के बिना मुख्य परीक्षा का आयोजन नहीं किया जा सकेगा। मप्र लोक सेवा आयोग को निर्देश दिया गया है कि वह राज्य सेवा परीक्षा की प्रारंभिक परीक्षा के वर्गवार कट-ऑफ मार्क्स जारी करे।

हाईकोर्ट ने मप्र लोक सेवा आयोग से यह भी पूछा है कि आरक्षित वर्ग के कितने प्रतिभावान अभ्यर्थियों को अनारक्षित वर्ग में चयनित किया गया है। आयोग को इस सवाल का जवाब देने के लिए दो सप्ताह की मोहलत दी गई है। मामले की अगली सुनवाई 15 अप्रैल को होगी।

याचिकाकर्ता राजधानी भोपाल निवासी सुनीत यादव सहित अन्य की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता रामेश्वर सिंह ठाकुर व विनायक प्रसाद शाह ने पक्ष रखा। उन्होंने दलील दी कि मप्र लोक सेवा आयोग ने कुल 158 पदों की भर्ती के लिए पांच मार्च, 2025 को प्रारंभिक परीक्षा परिणाम घोषित किया था। इसमें

- अब कोर्ट की अनुमति के बिना नहीं हो सकेगा मुख्य परीक्षा का आयोजन
- दो सप्ताह में मांगा गया जवाब, मामले की अगली सुनवाई 15 अप्रैल को

वर्गवार कट-ऑफ अंक जारी नहीं किए गए हैं, जबकि पूर्व की सभी परीक्षाओं में वर्गवार कट-ऑफ अंक जारी किया जाता रहा है। सुप्रीम कोर्ट एवं हाइ कोर्ट के विभिन्न फैसलों को बायपास करते हुए आयोग अनारक्षित पदों के विरुद्ध आरक्षित वर्ग के प्रतिभावान अभ्यर्थियों को मुख्य परीक्षा के लिए चयनित नहीं कर रहा है। सभी अनारक्षित पद सामान्य वर्ग के लिए आरक्षित करके प्रारंभिक परीक्षा का रिजल्ट घोषित किया गया है। मप्र लोक सेवा आयोग ने इस त्रुटि को छिपाने के लिए 2025 के प्रारंभिक परीक्षा में कट-ऑफ मार्क्स भी जारी नहीं किए हैं।

आतंकी साजिश रचने वाला पांच लाख का इनामी फिरोज रतलाम से गिरफ्तार

जयपुर को सीरियल ब्लास्ट से दहलाने का रचा था षड्यंत्र

अलसुफा नामक आतंकी संगठन का खजांची है फिरोज, तीन साल से चल रहा था फरार

मुख्य संवाददाता, भोपाल। बुधवार को रतलाम से आतंकी संगठन अलसुफा से जुड़े 5 लाख के फरार आरोपी फिरोज को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। रतलाम जिले के एसपी को इंटेलिजेंस से इनपुट मिला था कि जयपुर में सीरियल ब्लास्ट के जरिए शहर को दहलाने की आतंकी साजिश रचने वालों में से एक फिरोज शहर में ही छिपा हुआ है और वह किसी गंभीर वारदात को अंजाम दे सकता है।

जानकारी मिलते ही पुलिस ने 4 टीमों का गठन किया और फिरोज की शहर में तलाश शुरू की। इस दौरान पुलिस को पता चला कि फिरोज अपनी बहन रेहाना के आनंद कॉलोनी वाले घर में छिपा है। इसके बाद पुलिस की टीम ने मकान की घेराबंदी कर दबिश दी।

राजस्थान की थाना निंबाहेड़ा पुलिस ने 30 मार्च 2022 को चैकिंग के दौरान एक संदिग्ध कार को रोककर उसमें से विस्फोटक, टाइमर, सेल, वायर सहित अन्य सामग्री पकड़ी थी, जो बम बनाने के काम आती है।

तलाशी के दौरान रतलाम निवासी जुबेर, सैफुल्ला और अल्तमश रतलाम को गिरफ्तार किया था। पूछताछ के दौरान सामने आया कि ये तीनों अलसुफा नामक आतंकी संगठन से जुड़े थे, जिन्होंने महाराष्ट्र निवासी आमीन फावड़ा, आमीन हाजी, मजहर उर्फ छोटू, इमरान पठान, यूनुस साकी, इमरान मटका, आकिब और रतलाम निवासी फिरोज उर्फ सब्जी के साथ जयपुर में सीरियल ब्लास्ट की योजना बनाई थी।

थाना निंबाहेड़ा पुलिस की कार्रवाई के बाद एनआईए और राजस्थान पुलिस ने मिलकर 10 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया था, जबकि फिरोज फरार हो गया था। उस पर एनआईए ने 5 लाख का इनाम रखा था। फिरोज अलसुफा के संस्थापकों में से एक था और वह इस संगठन में खजांची की जिम्मेदारी संभाल रहा था।

मुरैना जिले में वारदात

बंदूक की नोंक पर लड़की का अपहरण

जागरण, मुरैना। प्रदेश के मुरैना इलाके में 12 से ज्यादा हथियारबंद लोगों ने फायरिंग कर दहशत मचा दी और 14 साल की नाबालिग को जबरन अपने साथ ले गए। वारदात हिंगोना खुर्द ग्राम पंचायत में मंगलवार-बुधवार की रात करीब 12 बजे की है। लड़की के परिजनों ने बुधवार सुबह सिविल लाइन थाने पहुंचकर शिकायत की। ■ शेष पृष्ठ 7 पर

गुढ़ रेपकांडः सभी 8 दरिंदों को उम्र कैद की सजा

जागरण, रीवा। रीवा जिले के गुढ़ थाना क्षेत्र में 164 दिन पूर्व हुए सामूहिक दुष्कर्म के सभी 8 दरिंदों को जिला न्यायालय ने उम्र कैद की सजा से दंडित किया है। इसके साथ ही 7 आरोपियों को 2.3-2.3 लाख रुपए जबकि एक आरोपी को 2.31 लाख रुपए जुर्माने से भी दंडित किया है। चतुर्थ अपर सत्र न्यायालय ने महज दो माह सुनवाई के बाद गैंग रेप के आरोपियों को उक्त दंड से दंडित किया है। घटना 21 अक्टूबर 2024 की दोपहर की है जब पति-पत्नि भैरव बाबा घूमने गए थे। दंपत्ति समीप स्थित कुटकी नाला के पास बैठे थे। नशे में धुत आरोपियों ने पति को बांध कर उसके सामने ही उसकी पत्नी के साथ सामूहिक गैंग रेप किया था। पति-पत्नि दोनों आबरू की भीख मांगते रहे पर दरिंदों ने एक न सुनी और बेबश पति के सामने एक अबला को हवश का शिकार बनाया था। पीड़िता नवब्याहता व कालेज छात्रा थी।

2.3-2.3 लाख का जुर्माना

(विस्तृत खबर पेज 12 पर)

कल से पढ़िए विचार चक्र प्रति शुक्रवार

दैनिक जागरण अपने सभी प्रबुद्ध पाठकों के लिए प्रति शुक्रवार हम एक ऐसे गंभीर, चिंतनशील, विचारक और अनेकों आध्यात्मिक पुस्तकों के लेखक जिन्होंने 81 देशों की यात्रा की है 11 बार भारत के प्रधानमंत्रियों के साथ विदेश गये हैं। किंतु फिर भी जिनके हृदय में अपनी भारत भूमि और उसके सनातन संस्कारों के प्रति असीम श्रद्धा, गहरा विश्वास और गंभीर अध्ययन है। जो भारतीय संस्कृति को विश्व की सर्वश्रेष्ठ संस्कृति और सभ्यता मानते हैं तथा सनातन हिन्दू धर्म को संसार का सबसे उदार और मानवता वादी धर्म मानते हैं।

श्री मदन मोहन की यशस्वी लेखनी से सनातन भारतीय विचारों की पवित्रता और गहन तंद्रा से पूर्ण साप्ताहिक विचार चक्र लेख माला हम कल आगामी 04 अप्रैल 2025 से नियमित रूप से प्रस्तुत करने जा रहे हैं।

- प्रभारी संपादक

तकनीक | इसरो का नया सिस्टम भेजेगा आकाशीय बिजली गिरने से पहले अलर्ट

ढाई घंटे पहले मिलेगी बिजली की चेतावनी

बेंगलुरु, जेएनएन। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) और नेशनल रिमोट सेंसिंग सेंटर (एनआरएससी) ने भारतीय भूस्थिर उपग्रहों के डेटा से बिजली गिरने की भविष्यवाणी करने में सफलता पाई है। यह तकनीक 2.5 घंटे पहले चेतावनी देती है, जिससे किसानों और आम लोगों को लाभ होगा। इसरो और एनआरएससी ने भारतीय भूस्थिर उपग्रहों के डेटा का उपयोग करके बिजली गिरने की घटनाओं की भविष्यवाणी करने में सफलता हासिल की है। इस प्रगति से किसानों और आम लोगों दोनों को बड़े पैमाने पर लाभ मिलने की उम्मीद है।

इसरो ने बताया कि वायुमंडलीय बिजली गिरने की घटनाएं मुख्य रूप से सतह विकिरण, तापमान और हवा के पैटर्न के कारण होती हैं, जो ट्रोपोस्फीयर में संवहनी प्रक्रियाओं से प्रभावित होती हैं। इन नई भविष्यवाणी प्रणालियों के माध्यम से प्रारंभिक चेतावनी क्षमताओं में सुधार होगा, जिससे बिजली गिरने वाले प्रभावित क्षेत्रों में संभावित रूप से जान बचाई जा सकेगी। यह किसानों को भी फायदा पहुंचाएगा, क्योंकि इससे वे समय पर सतर्क हो सकेंगे और आवश्यक सुरक्षा उपाय कर सकेंगे।

कैसे विकसित हुई यह तकनीक

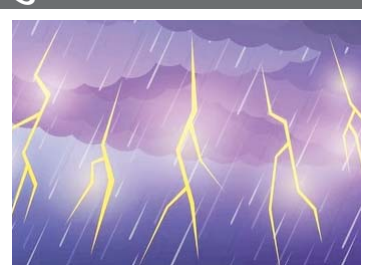

एनआरएससी के वैज्ञानिकों ने इंसैट-3डी उपग्रह के आउटगोइंग लॉन्गवेव रेडिएशन (ओएलआर) डेटा में विशिष्ट बिजली के संकेतों की खोज की। उनके शोध ने साबित किया कि ओएलआर की ताकत में कमी संभावित बिजली गिरने की घटनाओं का एक विश्वसनीय संकेतक है। टीम ने इन बिजली के संकेतों का पता लगाने और पहचानने के लिए इंसैट श्रृंखला के उपग्रहों से निकट वास्तविक समय के अवलोकनों का उपयोग किया। इसके साथ ही भविष्यवाणी की सटीकता बढ़ाने के लिए, शोधकर्ताओं ने भूमि सतह तापमान (एलएसटी) और हवा के डेटा सहित अतिरिक्त मापदंडों को शामिल किया और एक संयुक्त चर विकसित किया।

आपदा प्रबंधन के मामले में बेहद अहम

जमीनी मापों में बिजली गतिविधि में बदलावों को प्रभावी ढंग से पकड़कर इस तकनीक से अग्रिम चेतावनी दी जाती है। यह विकास आपदा प्रबंधन में एक महत्वपूर्ण कदम है, क्योंकि बिजली गिरना उष्णकटिबंधीय क्षेत्रों सहित भारत में एक प्रमुख प्राकृतिक खतरा है। इस नई तकनीक से किसानों को अपने फसल और जानवरों की सुरक्षा के लिए समय पर कदम उठाने का अवसर मिलेगा, वहीं आम जनता को भी सुरक्षित स्थान पर जाने का समय मिल सकेगा।

जागरण रीवा

रीवा, 03 अप्रैल 2025

www.dainikjagranmpcg.com

क्यूरेटर द्वारा तैयार पिच से घरेलू टीम संतुष्ट नहीं... (पेज 11)

पंचम स्कन्दमाता

सिंहासनगता नित्यं पद्माश्रितकरद्वया।
शुभदास्यु सदा देवी स्कन्दमाता यशस्विनीम्॥

भगवती दुर्गा के पांचवें स्वरूप को स्कन्दमाता के रूप में जाना जाता है। स्कन्दकुमार अर्थात कार्तिकेय की माता होने के कारण इन्हें स्कन्दमाता कहते हैं। इनका वाहन मयूर है। आज के दिन साधक का मन ''विशुद्ध चक्र'' में अवस्थित होता है। इनके विग्रह में भगवान स्कन्दजी बालरूप में इनकी गोद में बैठे हुए हैं। स्कन्द मातृस्वरूपणी देवी की चार भुजाएं है। इनकी दाहिनी तरफ की ऊपर वाली भुजा ऊपर की ओर उठी हुई है, उसमें कमल पुष्प है। बायीं तरफ की ऊपर वाली भुजा वरमुद्रा में तथा नीचे वाली भुजा ऊपर उठी हुई है, उसमें भी कमल- पुष्प लिए हैं, इनका वर्ण पूर्णतः शुभ है। ये कमल के आसन पर विराजमान रहती हैं, इसी कारण से इन्हें पद्मासना देवी भी कहा जाता है। सिंह भी इनका वाहन है।

: ध्यान :

वन्दे वांछित कामार्थे चन्द्रार्घकृत शेखराम।
सिंहारूढ़ा चतुर्भुजा स्कन्दमाता यशस्वीनम्॥
धवलवर्णा विशुद्ध चक्रस्थितां पंचम दुर्गा त्रिनेत्राम।
अभय पदम युग्म करां दक्षिण उरू पुत्रधराभजेम्॥
पटाम्बर परिधानां मृदुहास्या नानालंकार भूषिताम्।
मंजीर हार केयुर किंकिणि रत्नकुण्डल धारिणीम्॥
प्रफुल्लवंदना पल्लवाधरां कांत कपोलां पीन पयोधराम्।
कमनीयां लावण्या चारू त्रिवलीं नितम्बनीम्॥

: स्तोत्र :

नमामि स्कन्धमाता स्कन्धधारिणीम्।
समग्रतत्वसागरमपारपार गहराम्॥
शिवाप्रभा समुज्वलां स्फुरच्छशागशेखराम्।
ललाटरत्नभास्करा तगत्प्रदीप्तिभास्कराम्॥
महेन्द्रकश्पपार्चितां सनत्कुमारसंस्तुताम्।
सुरासुरेन्द्रवन्दितां यथार्थनिर्मलादभुताम्॥
अतर्क्यरोचिरूर्जितां विकारदोषवर्जिताम्।
नानालंकार भूषितां मृगेन्द्रवाहनाग्रजाम्॥
सुशुद्धतत्वतोषणां त्रिवेउमसाभूषणाम्।
सुधार्मिकौपकारिणीं सुरेन्द्रवैरिधातिनीम।
शुभां पुष्पमालिनी सुवर्णकल्पशाखिनीम्॥
तमोअन्धकारयामिनीं शिवस्यभाव कामिनीम्।
सहस्त्रसूर्यराजिकां धनज्जयोग्रकारिकाम्॥
सुशुद्ध काल कन्दलां सुभ्रूदवृन्दमज्जुलाम्।
प्रजायिनीं प्रवावतीं नमामि मातरं सतीम्।।
स्र्वकर्मकारणे गतिं हरिप्रयाच्च पार्वतीम्।
अनन्तशक्ति कान्तिदां यशोअर्थमुक्तिमुक्तिदाम्।।
पुनः पुनर्जगद्वितां नमाम्यहं सुरार्चिताम्।

देवी मंदिरों में सुबह से ही उमड़ रही श्रद्धालुओं की भीड़

भक्तिमय हुआ नगर, आज स्कंदमाता की होगी आराधना

रीवा। चैत्र नवरात्रि के दिनों में पूरा नगर भक्तिमय हो गया है। इन दिनों जिले भर के देवी मंदिरों में प्रातः भोर से लेकर देर शाम तक श्रद्धालुओं की भारी भीड़ जमा हो रही है। नवरात्रि के चौथे दिन बुधवार को श्रद्धालु मां कुष्मांडा देवी की भक्ति आराधना में डूबे रहे। पूरे दिन विशेष पूजा-अर्चना मंदिरों में होती रही। मंदिरों में माता को जल चढ़ाने भक्तगण कतारबद्ध खड़े रहे। इधर नौ दिन तक व्रत धारण करने वाले श्रद्धालुओं की आस्था भी मंदिरों में देखते ही बनती है। ये भक्तगण फलाहार करने के बाद ही व्रत तोड़ते हैं। तो वहीं कुछ भक्तगणों ने निर्जला व्रत भी धारण कर रखा है। हिंदू धर्म में चैत्र नवरात्रि का महत्व इसलिए अधिक है, क्योंकि यह पर्व शक्ति आराधना का पर्व है। भक्तगण पूरे मनोयोग से इन नौ दिनों तक माता के दरबार में शक्ति साधना करते हैं।

रानी तालाब में भक्तों का अपार उत्साह : नगर के प्रमुख रानीतालाब स्थित मां काली के दरबार में भक्तों का उत्साह देखते ही बनता है। यहां सुबह 4 बजे से ही श्रद्धालुओं का तांता लग रहा है। विशेषकर महिला श्रद्धालु पूरे समय माता को जल चढ़ाने यहां संघर्ष करती हैं। इन श्रद्धालुओं को राहत देने आवश्यक प्रयास मंदिर परिसर में किए गए हैं। फिर भी भक्तों के उत्साह के सामने सारी व्यवस्था बौनी नजर आने लगी है। चैन स्नेचिंग व अन्य आपराधिक घटनाओं को रोकने के लिए यहां पूरे समय पुलिस का पहरा रहता है। इसके अलावा फूलमती माता मंदिर में भी भक्तों की टोली सुबह से डटी रहती है। जिलेभर के अन्य देवी मंदिरों में भगत के आयोजन होने लगे हैं। सुबह-शाम पूजन-आरती के बाद यहां लोग भगत गाते हैं। कई जगह महिलाओं द्वारा मनोहारी भजन संध्या के आयोजन भी कराये जा रहे हैं।

प्रतिदिन हो रहा सुमधुर भजनों का आयोजन

नवरात्रि के पावन अवसर पर दैनिक जागरण स्थित ओम्कारेश्वर महादेव मंदिर में प्रतिदिन भक्तजनों द्वारा सुमधुर भजनों का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें बड़ी संख्या में भक्तजन उपस्थित होकर प्रभु शिवशंकर की महाआरती में सहभागिता करते हुए प्रसाद ग्रहण करने के पश्चात सुमधुर भजनों का आनंद प्राप्त कर रहे हैं। सुबह भगवान भोलेनाथ का आकर्षक श्रृंगार किया जाकर पूजा, अर्चना की जा रही है।

जनकल्याण के लिए प्रयागराज से मैहर पैदल यात्रा

जागरण, रीवा। देश में सुख, अमन, शांति की कामना लिए पैदल यात्रियों का जत्था बुधवार को शहर से मैहर के लिए गुजरा। पैदल यात्री प्रयागराज से मैहर माता मंदिर तक पैदल यात्रा निकाल रहे हैं। पैदल यात्री प्रवेश शुक्ला, दीप कुमार केसरवानी ने बताया कि वे लोग विगत तीन-चार वर्षों से सतत प्रयागराज से मैहर तक पैदल यात्रा का आयोजन करते आ रहे हैं। नवरात्रि का पावन अवसर चल रहा है, माता रानी की सब पर कृपा बनी रहे, जनकल्याण हो, यही इच्छा लिए माताजी के दरबार में शीश नवाते हैं और प्रार्थना करते हैं।

ऐतिहासिक गोविंदगढ़ किले के बंदरबांट पर अधिवक्ताओं ने जताई नाराजगी, बोले...

ठेकेदार पर दर्ज हो अपराधिक प्रकरण, प्रशासन ने कार्यवाही नहीं की तो दायर होगी जनहित याचिका

फाइल फोटो

लगातार हो रहा विरोध फिर भी अधिकारी मौन साधे बैठे, कलेक्टर की कार्यप्रणाली पर खड़े हो रहे सवाल

जागरण, रीवा

171 वर्ष पुराने ऐतिहासिक गोविंदगढ़ किले को बचाने लगातार मुहिम तेज हो रही है, सामाजिक संगठनों के बाद अब जिले के अधिवक्ताओं ने इस बंदरबांट पर नाराजगी व्यक्त करते हुए कार्यवाही की मांग की है। इतना ही नहीं, अधिवक्ताओं ने स्पष्ट किया है कि यदि प्रशासन व एमपी टूरिज्म विभाग इस पर सख्त कदम नहीं उठाता है तो मामले को लेकर न्यायालय की शरण ली जाएगी। बता दें कि एमपी टूरिज्म द्वारा लग्जरी होटल बनाए जाने दिए गए ठेका को लेकर भी अधिवक्ता नाराज हैं। अधिवक्ताओं का कहना है कि ऐतिहासिक धरोहरों को सहेजने की बजाय उनका सौदा किया जा रहा है जो बिल्कुल गलत है। धीरे-धीरे सौदेबाजी के चलते ऐतिहासिक धरोहरों का अस्तित्व खत्म होता जा रहा है, जबकि इनको संरक्षित करना चाहिए, ताकि आने वाली पीढ़ी को इसके बारे में बताया जा सके और वह भी अपने क्षेत्र के ऐतिहासिक धरोहरों को देख सके। बता दें कि मामले में रीवा कलेक्टर प्रतिभा पाल की कार्यप्रणाली पर भी सवाल खड़ा किया जा रहा है। जानकारों का कहना है कि एमपी टूरिज्म विभाग की पदेन सचिव कलेक्टर हैं लेकिन ऐतिहासिक गोविंदगढ़ किले में हो रही इस बंदरबांट को लेकर वह चुप्पी साधे हुए हैं। जबकि ठेकेदार की मनमानी को देखते हुए उसके द्वारा जमा की राशि राजसात तो की ही जानी चाहिए व इसके अलावा ठेकेदार पर मामला दर्ज किया जाना चाहिए।

अधिवक्ताओं में आक्रोश...

ऐतिहासिक धरोहर को खुर्द-बुर्द ठेकदार किया जा रहा है तो उस पर मामला दर्ज किया जाना चाहिए, यह अपराध है। आमजन का लगाव उस ऐतिहासिक किले से है और इसे ठेका प्रथा में होटल बनाना गलत है। जब ठेकेदार द्वारा समय सीमा पर कार्य नहीं किया गया तो अनुबंध के अनुसार उसका ठेका निरस्त किया जाए। यदि प्रशासन इस पर गंभीरता नहीं लेता है न्यायालय की शरण ली जाएगी।

राजकुमार शुक्ला, वरिष्ठ अधिवक्ता

ऐतिहासिक धरोहरों को संरक्षित करने की जरूरत है न की उनको लग्जरी होटल में तब्दील करने की, जिले में होटल के लिए अन्य कई शासकीय भूमियां है। यदि शासन को सौदा करना ही है तो उन भूमियों का करे। ऐतिहासिक धरोहरो के साथ इस प्रकार से खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। राजघराने को भी इस पर संज्ञान लेना चाहिए।

वीरेन्द्र सिंह, वरिष्ठ अधिवक्ता

ऐतिहासिक धरोहरों को नष्ट किया जा रहा है या कौड़ियों के दाम ऐतिहासिक किले को दिया गया, वह जनता के साथ अन्याय है। जनता जो ऐतिहासिक गोविंदगढ़ किले को भी अपना अस्तित्व मानती थी, उस किले को देने से यह प्रतीत होता है कि जनता व किले के प्रति कोई संवेदना नहीं है। इसे ठेकेदारों को देने के बजाय गवर्नमेंट संस्था से ही इसका सौंदर्यीकरण करना उचित होता। ऐतिहासिक धरोहरों को इसलिए संरक्षित किया जाता है ताकि आने वाली पीढ़ी को इसके बारे में बताया जा सके। यदि प्रशासन इस ओर ध्यान नहीं देता है तो न्यायालय की शरण ली जाएगी, ताकि ऐतिहसिक धरोहर को बचाया जा सके।

बीके माला, अधिवक्ता

ऐतिहासिक गोविंदगढ़ किला युवा पीढ़ी के लिए प्रेरणादायक है, इस किले का भ्रमण कर इसकी भव्यता के साथ-साथ यहां की पुरानी इमारतों की बनावट व यहां के इतिहास को लोग जानते हैं, लेकिन इस किले को लग्जरी होटल बनाने के लिए ठेका में दिया जाना और ठेकेदार को इस प्रकार से उपकृत करना बिल्कुल गलत है। इस पर कार्यवाही की जानी चाहिए, ठेकेदार यदि होटल नहीं बना पा रहा तो ठेका निरस्त कर एमपी टूरिज्म खुद यहां कुछ हिस्से में होटल संचालित करे, किले की ऐतिहासिक बनावट के साथ छेड़छाड़ न किया जाए।

मृत्युंजय अग्निहोत्री, अधिवक्ता

हैरानी की बात है कि गोविंदगढ़ किले में कार्य कर रहे ठेकेदार को लेकर इतना जन आक्रोश व उसकी लापरवाही सामने आने के बाद भी प्रशासनिक अधिकारी चुप्पी साधे क्यों बैठे हुए हैं? उन्हें तत्काल विभाग से पत्राचार कर ठेकदार पर कार्यवाही कराई जानी चाहिए। किले की संपत्ति में छेड़छाड़ को लेकर मामला दर्ज किया जाना चाहिए और राशि को राजसात किया जाना चाहिए। यदि प्रशासनिक अधिकारी ऐसा नहीं करते हैं तो न्यायालय की शरण ली जाएगी लेकिन ऐतिहसिक धरोहर से छेड़छाड़ बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

नीरज पटेल, अधिवक्ता

ऐतिहासिक गोविंदगढ़ किले की बहुमूल्य धरोहर जिसका कोई मोल नहीं है, उसको चंद रुपयों के लिए ठेका व्यवस्था में देना बिल्कुल गलत है। उस पर भी जब ठेकेदार द्वारा ऐतिहसिक धरोहर के साथ छेड़छाड़ की जा रही है तो उस पर मामला दर्ज किया जाना चाहिए। तत्काल ठेका निरस्त किया जाए और राशि राजसात कर ठेकेदार पर कानूनी कार्यवाही की जाए।

शिव सिंह, अधिवक्ता

महाराज निषादराज जयंती मनाई, हुआ भव्य आयोजन

रीवा। प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी निषादराज स्मृति युवा संगठन के तत्वावधान में महाराज निषादराज जयंती का आयोजन विक्रम पुल के समीप स्थित पाल विश्वकर्मा मंदिर में बुधवार को किया गया। मुख्य अतिथि के तौर पर उप मुख्यमंत्री व चिकित्सा मंत्री मप्र शासन राजेन्द्र शुक्ल के प्रतिनिधि राजीव तिवारी उपस्थित रहे। जिन्होंने कहा कि अभी निषादराज घाट का निर्माण हुआ है, जल्द ही निषादराज भवन भी बनाए जाने कार्ययोजना बनाई जाएगी। जिला पंचायत सदस्य गीता माझी, रामयज्ञ सोधिया ने समाजजनों को संबोधित किया। रामानुज सोधिया, एड. राम सोत्रिया, भैयालाल, गोपाल दास माझी, पूर्व पार्षद लक्ष्मण साहू, सुनील साहू, गंगा प्रसाद सोमिया, पूर्व सरपंच एड. इंद्रताल सोधिया, डॉ. विवेक वर्मा, चंद्रवती, यश वर्मा, प्रमोद सोधिया, राकेश सोधिया, कालीचरण केवट, सहित बड़ी संख्या में समाजजन उपस्थित थे। संचालन एड. सीताराम सोधिया ने किया।

कांग्रेस कार्यालय के सामने सीएम का फूंका पुतला

रीवा। परिवहन विभाग के आरोपी पूर्व आरक्षक सौरभ शर्मा के यहाँ मिली करोड़ों की सम्पत्ति और उसमें संलिप्त चेतन सिंह गौड़ एवं शरद जयसवाल को अदालत से जमानत मिलने के विरोध में कांग्रेस के कार्यवाहक शहर अध्यक्ष मानवेन्द्र सिंह नीरज एवं ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के अध्यक्षों के नेतृत्व में प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव का पुतला दहन सिरमौर चौराहा स्थित फ्लाई ओवर के नीचे जिला कांग्रेस कार्यालय के समक्ष किया गया। साथ ही मांग की गई कि प्रशासन की मिलीभगत के कारण लोकायुक्त द्वारा जो घोर लापरवाही की गई है उसके लिए प्रदेश सरकार के मुख्यमंत्री को तत्काल इस्तीफा दे देना चाहिए। पुतला दहन कार्यक्रम में प्रमुख रूप से सज्जन पटेल, मुस्तहक खान, रफीक अंसारी, सुरेश वर्मा, दिनेश सेन, राजेश तिवारी (पप्पी), केशव वर्मा, राहुल सिंह, श्याम् वर्मा, लल्लन सिंह, मुस्ताक खान, रामलखन ताम्रकार, अनवर अंसारी, संतोष मिश्रा, मुन्ना सिंह, प्रदीप साकेत सहित अन्य उपस्थित रहे।

करणी सेना ने सपा सांसद का किया पुतला दहन

रीवा। राजपूत करणी सेना के कार्यकर्ताओं ने शिल्पी प्लाजा के समक्ष सपा के राज्य सभा सदस्य रामलाल सुमन का पुतला दहन कर अपना विरोध प्रकट किया। श्रीराजपूत करणी सेना के जिला इकाई अध्यक्ष भाष्कर सिंह चंदेल 'मोनू' ने कहा कि समाजवादी पार्टी के राज्य सभा सांसद ने सस्ती लोकप्रियता प्राप्त करने के लिए राणा सांगा का अपमान किया है जिसे बर्दाश्त नहीं किया जायेगा। आने वाले दिनों में यदि वो माफी नहीं मागते हैं तो पूरे देश में उग्र आन्दोलन किया जायेगा। पुतला दहन में संभाग अध्यक्ष प्रशान्त सिंह, जिलाध्यक्ष मऊगंज रवीन्द्र सिंह सेंगर, अंशू सिंह 'डी.के.', आनन्द सिंह परिहार, गोल्डी सिंह भाठी, आशीष सिंह चौहान देवरी, गोलू सिंह, रीवा शहर कार्यकारी अध्यक्ष सचिन सिंह बघेल, संभाग उपाध्यक्ष लोकेन्द्र सिंह, ग्रामीण जिलाध्यक्ष सूरज सिंह बघेल, जिला उपाध्यक्ष ग्रामीण प्रभाकर सिंह गुड्डू, संभाग प्रभारी अमर सिंह परिहार, सेमरिया विधानसभा अध्यक्ष धरणीष सिंह, सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

6 अप्रैल को भाजपा मनायेगी स्थापना दिवस

रीवा। पार्टी कार्यालय अटल कुंज में आगामी संगठनात्मक कार्यक्रम पर बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में प्रमुख रूप से जिला प्रभारी शशांक श्रीवास्तव उपस्थित रहे। बैठक की अध्यक्षता भाजपा जिलाध्यक्ष वीरेन्द्र गुप्ता ने किया। बैठक मे प्रमुख रूप से मंचासीन नेताओं में पूर्व जिलाध्यक्ष कमलेश्वर सिंह, डॉ. अजय सिंह, विधायक मनगवां नरेन्द्र प्रजापति, जिला पंचायत अध्यक्ष नीता कोल, नगर निगम अध्यक्ष व्यंकटेश पाण्डेय, प्रदेश सह मीडिया प्रभारी डॉ. अनिल पटेल, पूर्व विधायक श्यामलाल द्विवेदी, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य प्रज्ञा त्रिपाठी, राजेन्द्र पाण्डेय उपस्थित रहे। बैठक को सम्बोधित करते हुए जिला प्रभारी शशांक श्रीवास्तव ने हिन्दु नव वर्ष व चैत्र नवरात्र की सभी को शुभकामनायें देते हुए कहा कि केन्द्र व राज्य की भाजपा सरकार ने जो योजनायें लागू की हैं उन्हें जनता तक प्रचार प्रसार के माध्यम से बतायें ताकी पात्र हितग्राहियों को लाभ हो सके। कार्यकर्ता 6 अप्रैल को पार्टी का स्थापना दिवस प्रत्येक बूथ स्तर तक मनायें। बैठक को सम्बोधित करते हुए जिलाध्यक्ष वीरेन्द्र गुप्ता ने कहा कि 6 अप्रैल को पार्टी स्थापना दिवस और 14 अप्रैल को भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबडेकर जयंती को बड़े स्तर पर विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से मनाना है। संविधान की प्रस्तावना का सामूहिक पाठ किया जाना चाहिए। बैठक में वरिष्ठ पदाधिकारी व भाजपा कार्यकार्ता उपस्थित रहे।

बैठक में बनाई रणनीति

दैनिक जागरण
रीवा, 03 अप्रैल 2025
www.dainikjagranmpcg.com

रीवा जागरण

03

शहर का तापमान/मौसम
अधिकतम 37.0°c न्यूनतम 20.0°c
आसमान साफ रहेगा, धूप खिली रहेगी

11 • राज्य • 31 • संस्करण
मध्य प्रदेश • उत्तर प्रदेश • दिल्ली • हरियाणा • उत्तराखंड • पंजाब • जम्मू-कश्मीर • बिहार • झारखंड • हिमाचल प्रदेश • पश्चिम बंगाल से प्रकाशित

शासकीय तालाबों पर भू माफिया का कब्जा : शिव सिंह

रीवा। प्रदेश सरकार द्वारा चलाए जा रहे जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत प्रदेश भर में नए तालाबों का निर्माण एवं पुराने तालाबों का जीर्णोद्धार शामिल है। इस गंभीर मुद्दे पर प्रदेश की मोहन सरकार पर सवाल उठाते हुए समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय सचिव शिव सिंह ने कहा कि समूचे मध्य प्रदेश में हजारों की संख्या में शासकीय बंदोबस्ती तालाब मौजूद थे। आज के आंकड़ों पर नजर डालें तो 50 फीसदी शासकीय तालाबों पर भू माफिया का कब्जा है। ऐसे भूमाफिया के सामने सरकार पंगु एवं बौनी साबित हो रही है।

शासन द्वारा मान्यता प्राप्त
कामता सोनोग्राफी सेन्टर
(अल्ट्रासाउण्ड)
डॉ. श्मी शुक्ला
M.D. (Radio Diagnosis) G.S.V.M. Medical College Kanpur
Ex. J.R. AIIMS New Delhi
Ex. Consultant Radiologist Alpha Imaging & MRI Kanpur
Ex. Consultant Radiologist Noble Hospital Kanpur
ए-ब्लॉक, समदड़िया सेन्टर प्वाइन्ट, न्यू बस स्टैण्ड, रीवा (म.प्र.) 07662-451599,9399312433

प्राइवेट स्कूलों पर प्रशासन की सख्ती, फीस बढ़ाने वाले आएंगे रडार पर

तीन टीमें गठित, 30 स्कूलों की जांच कर रहीं एक स्कूल ने टीम को नहीं दिखाए रिकॉर्ड

3 दिन में सभी स्कूलों की जांच कर कलेक्टर को प्रस्तुत करनी है रिपोर्ट, फीस बढ़ी मिली तो लगेगा 2 लाख जुर्माना

जागरण, रीवा

प्राइवेट स्कूलों की मनमानी फीस वृद्धि भारी पड़ेगी। कलेक्टर ने स्कूलों की जांच के निर्देश दे दिए हैं। डीन ने तीन टीम बनाकर 30 स्कूलों की जांच शुरू करा दी है। टीम ने स्कूलों में पहुंच कर फीस वृद्धि से जुड़े रिकॉर्ड खंगाला शुरू कर दिया है। सिर्फ 2 दिन और समय बचा है। इस 2 दिन में सभी स्कूलों की जांच कर रिपोर्ट कलेक्टर के पास प्रस्तुत करना होगा। फीस वृद्धि और पुस्तकों के प्रकाशन में गड़बड़ी मिली तो दो लाख रुपए का जुर्माना तय है। हालांकि जांच के

दौरान टीम को चिरहुला के एक प्राइवेट स्कूल से कोई भी रिकॉर्ड नहीं दिए गए। उन्हें बैरंग लौटाने की बात भी सामने आई है। ज्ञात हो कि प्राइवेट स्कूलों की मनमानी से अभिभावकों को राहत पहुंचाने शासन ने सख्त निर्देश जारी किए हैं। इस पर रीवा कलेक्टर ने सख्ती से अमल करने के लिए जांच शुरू करा दी है। अब प्राइवेट स्कूल महंगी किताबें छात्रों और अभिभावकों पर थोप नहीं सकेंगे। खरीदने के लिए बाध्य भी नहीं कर पाएंगे। इसके अलावा फीस वृद्धि में भी मनमानी नहीं कर पाएंगे। कलेक्टर के निर्देश पर डीईओ ने तीन टीमें गठित कर दी हैं। 30 प्राइवेट स्कूलों की जांच की जिम्मेदारी दी गई है। तीनों टीम बुधवार को प्राइवेट स्कूलों की खाक छानती रहीं। टीम ने स्कूलों में पहुंच कर ऑनलाइन और ऑफलाइन फीस के रिकॉर्ड खंगाले। जानकारी भी जुटा रहे हैं। इसके अलावा पिछले साल कक्षाओं में संचालित पुस्तकों की भी जानकारी ली जा रही है। यदि जांच में कहीं भी गड़बड़ी मिली तो स्कूल के खिलाफ 2 लाख रुपए का जुर्माना तय है।

भास्कर स्कूल पहुंची टीम को बैरंग लौटाया : मिली जानकारी के अनुसार सहायक संचालक आकांक्षा सोनी और एएसओ संगीता त्रिपाठी जांच करने चिरहुला में भास्कर स्कूल पहुंची थीं। स्कूल प्रबंधन ने पहले तो टीम के साथ ठीक ढंग से व्यवहार नहीं किया, इसके बाद मांगे गए दस्तावेज भी उपलब्ध नहीं कराए गए। इस वर्ष और पिछले साल के फीस की जानकारी चाही गई। ऑनलाइन और ऑफलाइन रिकॉर्ड मांगे गए, वह भी स्कूल प्रबंधन ने उपलब्ध नहीं कराया।

तीन टीमें बनाई गईं और 30 स्कूलों के जांच की जिम्मेदारी

कलेक्टर के निर्देश पर डीईओ ने तीन टीम बनाई है। तीन टीमों को 30 स्कूलें जांच के लिए आवंटित की गई हैं। इन स्कूलों तक पहुंच कर टीम को फीस से लेकर पुस्तकों की जानकारी जुटानी है। ऑनलाइन और ऑफलाइन फीस के रिकॉर्ड खंगालने के साथ ही दस्तावेज भी जुटाने के निर्देश दिए गए हैं। पूर्व सत्र और वर्तमान सत्र में यदि स्कूलों में मनमानी तरीके से पुस्तकों में बदलाव किया है तो यह भी जानकारी जांच टीम को जुटानी होगी। अधिक मूल्य की पुस्तकों पर भी नकेल कसी गई है। इसकी भी जानकारी जुटाई जा रही है। जांच पूरी करने के बाद 4 मार्च को ही प्रतिवेदन भी टीम को कलेक्टर के सामने प्रस्तुत करना होगा।

जेल से जमानत में बाहर आई महिला ने घर में की खुदकुशी

बिछिया थाना क्षेत्र का मामला

जागरण, रीवा। पति की हत्या के आरोप में जेल काट रही महिला जमानत में आने के बाद अपने घर में आत्मघाती कदम उठा ली। महिला ने फांसी के फंदे पर झूलकर खुदकुशी कर ली। घटना के संबंध में मिली जानकारी के मुताबिक बिछिया थाना क्षेत्र अंतर्गत करीब 6 वर्ष पूर्व शब्बीर खान की मौत हो गई। पत्नी पर पति की हत्या का आरोप था, जिसके बाद महिला को गिरफ्तार कर पुलिस ने न्यायालय में पेश कर जेल भेजा था। पति की हत्या के आरोप में जेल काट रही महिला जब जेल से जमानत पर बाहर आई तो उसने आत्मघाती कदम उठा लिया। घटना की जानकारी मिलने के बाद बिछिया थाने की पुलिस मौके पर पहुंची जहां से मृतका के शव को पीएम के लिए संजय गांधी अस्पताल भिजवाया गया। बिछिया पुलिस ने बताया कि मृतका हबीबुन निशा को अपने पति शब्बीर खान की हत्या के आरोप में जेल हुई थी। कई वर्ष जेल में रहने के बाद वह जमानत पर बाहर आई और फांसी के फंदे पर झूल गई। मृतका की मां का कहना है कि बीती शाम मंगलवार को तकरीबन 7 बजे वह दवा लेने के लिए चली गई जबकि हबीबुन निशा घर में अपने बच्ची के साथ अकेली थी, जब वह घर वापस आई तो हबीबुन निशा फांसी के फंदे पर झूल रही थी, फिलहाल बुधवार को पुलिस ने शव को पीएम के उपरांत परिजनों को सौंप दिया है, वहीं मर्ग कायम कर पूरे मामले की जांच की जा रही है।

ननि की जेसीबी ने तोड़ी नाली, कुछ दिन पूर्व ही बनी थी

वार्ड के लोगों की बढ़ी परेशानी, पास में स्कूल

जागरण, रीवा। शासकीय संपदा को सरकारी नुमाइंदे ही नुकसान पहुंचा रहे हैं। जिसका एक उदाहरण बुधवार शाम शहर के वार्ड क्रमांक 31 तरहटी मोहल्ला में देखने को मिला। यहां से गुजरी नगर निगम की जेसीबी ने वार्ड में स्थित नगरिया स्कूल के पास बनी नाली तोड़ डाली। नाली टूटने के बाद जेसीबी चालक ने अपने वरिष्ठ अधिकारियों को भी इसकी सूचना देना मुनासिब नहीं समझा और जेसीबी लेकर वहां से चला गया। वार्ड के रहवासियों ने बताया कि यह नाली कुछ दिन पूर्व ही निर्मित की गई थी, जिसे नगर निगम वाला ही तोड़ गया। अब कितने दिनों में नाली निर्माण होगा, कहा नहीं जा सकता। पास में ही विद्यालय है, जहां छोटे-छोटे बच्चों का आना होता है। बच्चों के साथ ही वार्डवासियों की भी परेशानी बढ़ गई।

6 लाख रुपए से भरा बैग लेकर भाग गए बाइक सवार बदमाश

खटखरी में सर्राफा व्यापारी को नकाबपोश बदमाशों ने बनाया निशाना

जागरण, रीवा। मऊगंज के शाहपुर क्षेत्र के खटखरी चौकी अंतर्गत एक बार फिर बड़ी घटना सामने आई है। सर्राफा व्यापारी का रुपयों से भरा बैग तीन की संख्या में रहे बाइक सवार नकाबपोश बदमाशों ने पार कर दिया। घटना के संबंध में मिली जानकारी के मुताबिक शाहपुर क्षेत्र में सरेराह अज्ञात बदमाशों ने सोना व्यापारी को लूटा है। अपनी खून पसीने की कमाई को बैंक में जमा करने पहुंचे व्यापारी पिता-पुत्र के पास से 6 लाख रुपये से भरा बैग लूटकर बदमाश भूमिगत हो गये। पीड़ितों की शिकायत के बाद अब तक आरोपियों को पुलिस सुराग नहीं लगा सकी है। बताया गया कि घटना 1 अप्रैल की दोपहर 3 से 4 बजे के बीच की है। सर्राफा व्यापारी खटखरी स्थित मध्यांचल बैंक पहुंचा था, लेकिन बैंक बंद था। जिसके बाद खटखरी कस्बे में रहने वाला दुर्गेश सोनी पिता भैयालाल सोनी 32 वर्ष बैंक के सामने सब्जी की दुकान में सब्जी लेने चला गया। जबकि उसका लड़का दुर्गेश गाड़ी में ही पैसों से भरा बैग लेकर बैठा हुआ था और उसके पिता सब्जी खरीद रहे थे। पलक झपकते ही एक युवक दुर्गेश के समीप पहुंचा और गाड़ी की टंकी में रखा हुआ बैग उसके हाथ से झपट्टा मारते हुए छीनकर भाग निकला। वारदात के बाद पीड़ित समेत उसके पिता शोर गुहार करते हुए बदमाशों का पीछा करने लगे, तभी कुछ दूर जाकर बदमाश अपने एक अन्य साथी के साथ बाइक में सवार होकर भाग निकले। काफी समय तक स्थानीय लोग और पीड़ित बदमाशों की तलाश करते रहे लेकिन कुछ भी पता नहीं चला। जिसके बाद पीड़ित खटखरी चौकी पुलिस को घटना की जानकारी देने पहुंचे। सूचना के बाद पुलिस देर शाम घटना स्थल समेत उसके घर का निरीक्षण करने में व्यस्त रही और मामले में फिलहाल पुलिस ने धारा 304(2) बीएनएस के तहत प्रकरण पंजीबद्ध कर लिया है और अब बदमाशों की तलाश की जा रही है।

धोखाधड़ी कर महिला को बना दिया कर्जदार

रीवा। शहर के रतहरा मोहल्ला निवासी एक महिला धोखाधड़ी का शिकार हो गई। उसके दस्तावेजों का गलत उपयोग कर फाइनेंस करवाया गया, जिससे वह कर्जदार हो गई है। पीड़ित माया देवी पटेल ने अपने साथ हुई धोखाधड़ी की शिकायत पुलिस से की है। पीड़िता ने बताया कि उसे इसका पता तब चला जब मई 2024 में एचडीएफसी बैंक से उन्हें फोन आया, जिसमें उनके नाम पर मोबाइल फाइनेंस होने की जानकारी दी गई। जब उन्होंने मामले की छानबीन की तो पता चला कि उनके नाम पर इक्काटास स्मॉल फाइनेंस बैंक रीवा में एक फर्जी खाता खोला गया था। जहां से किसी ने उनके नाम पर आईफोन 14 प्लस फाइनेंस करवा लिया था। महिला की शिकायत पर अमहिया पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। माया देवी ने बताया, 12 सितंबर 2023 को वे अपने परिचित नीतेश पटेल और समीर पटेल से मोबाइल फाइनेंस करवाने को कही थी। वे क्रोमा सेंटर उर्रहट गए, जहां कर्मचारी ने आधार कार्ड और पेन कार्ड चेक किया था। हालांकि वहां पता चला कि उनके नाम पर पहले से एक फाइनेंस चल रहा है, जिससे मोबाइल फाइनेंस करने में असमर्थता जताई थी। महिला ने बताया कि उनके दस्तावेज की छायाप्रति वहीं रह गई थी। और उन्हें संदेह है कि इन्हीं दस्तावेजों के सहारे किसी ने धोखाधड़ी कर मोबाइल फाइनेंस कराया है। अमहिया थाना प्रभारी शिवा अग्रवाल ने बताया कि महिला की शिकायत पर धोखाधड़ी की जांच की जा रही है।

करहिया शराब दुकान के विरोध में महिलाओं ने दिया धरना, आश्वासन के बाद मानी

जागरण, रीवा। नए वित्तीय वर्ष में शराब दुकानों के स्थान परिवर्तन को लेकर शहर से लेकर ग्रामीण अंचलों तक विरोध के स्वर मुखर हैं। रीवा और मऊगंज जिले में इसे लेकर शासन प्रशासन तक लोगों के साथ कई जगह स्थानीय जनप्रतिनिध भी विरोध कर रहे हैं। मऊगंज, चाकघाट की आधा दर्जन दुकानों के खिलाफ विरोध चल रहा है। करह स्थित शराब दुकान को अन्यत्र जगह स्थानांतरित करने की मांग को लेकर लोग प्रदर्शन करते नजर आए। रीवा शहर में बिछिया, झिरिया के बाद अब महिलाओं ने शहर के करहिया में संचालित शराब दुकान के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। करहिया में मंगलवार से महिलाओं द्वारा किए जा रहे विरोध प्रदर्शन के बीच दुकान के सामने बैठकर महिलाओं ने भजन कीर्तन करते हुए अपना विरोध दर्ज कराया था, बुधवार को भी महिलाएं शराब दुकान को हटाने धरना दी। विरोध प्रदर्शन के बीच महिलाओं ने शराब दुकान का ठेका लेने वालों पर धमकी देने का भी आरोप लगाया है। महिलाओं ने कहा कि जब तक करहिया स्थित शराब दुकान को हटाया नहीं जाता तब तक वह यहां से हटने वाली नहीं है, शाम के अधिकारियों के दल ने महिलाओं को कार्रवाई का आश्वासन दिया, जिसके बाद वो मानने को तैयार हुई।

पुलिस 5 घण्टे करेगी नियमित गश्त, माइक्रो बीट सिस्टम का सख्ती से होगा पालन

रीवा। नवागत आइजी गौरव राजपूत रीवा जोन ने बुधवार को कानून-व्यवस्था को सुदृढ़ करने और अपराध नियंत्रण को प्रभावी बनाने के लिए अतिरिक्त पुलिस अधीक्षकों (एएसपी) की महत्वपूर्ण बैठक बुलाई। आइजी ने रात्रि गश्त को अनिवार्य करते हुए निर्देश दिए कि पुलिस बल संवेदनशील क्षेत्रों में शाम 6 बजे से रात 11 बजे तक नियमित गश्त करेगा। इसके साथ ही मुख्यमंत्री हेल्पलाइन की शिकायतों का त्वरित निराकरण सुनिश्चित करने और गुमशुदा बच्चों की तलाश के लिए विशेष टीमें गठित करने के निर्देश दिए । जनसुनवाई के दौरान एएसपी की उपस्थिति अनिवार्य होगी ताकि जनता की शिकायतों का शीघ्र समाधान किया जा सके। माइक्रो बीट सिस्टम का सख्ती से पालन करने, मादक पदार्थों की तस्करी पर कठोर कार्रवाई करने और स्कूल-कॉलेजों के आसपास सतर्कता बढ़ाने के भी निर्देश श्री राजपूत ने दिए। इसके साथ ही सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने हेतु ब्लैक स्पॉट चिन्हित कर प्रभावी उपाय लागू किए जाएंगे। ट्रैफिक नियमों के पालन के लिए सख्ती बरती जाएगी साथ ही साइबर क्राइम, महिला अपराध और अन्य गंभीर अपराधों की रोकथाम के लिए विशेष टीमों का गठन किया जाएगा।

कुठुलिया में गौमांस की बिक्री करते महिला पकड़ाई

रीवा। शहर के बिछिया थाना क्षेत्र कुठुलिया में गौमांश की बिक्री की शिकायत पर पुलिस ने दबिश देकर एक महिला को पकड़ा है। बजरंगदल और विश्व हिंदू परिषद के पदाधिकारी और कार्यकर्ताओं ने महिला को गौमांस की बिक्री करते हुए रंगे हाथ पकड़ा जिसके पास झोले से गौमांस भी बरामद किया गया। सूचना के बाद पुलिस महिला को पकड़कर थाना ले गई। बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने बताया कि सुबह एक संदिग्ध महिला को पकड़ा गया। बताया गया कि महिला झोले में गौमांस लेकर बिक्री करने निकली हुई थी जिसे पकड़ा गया और पुलिस को सूचना दी गई। फिलहाल है। महिला के पास से झोले में गौमांस बरामद किया गया है। हालांकि महिला द्वारा यह मांस कहां से लाया गया था, यह स्पष्ट नहीं किया गया। फिलहाल पुलिस ने महिला को अपनी हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है।

पुलिस ने वाहनों की चेकिंग कर तेज की चालानी कार्रवाई

कंट्रोल रूम के सामाने ऑटो चालकों पर की गई कार्रवाई

जागरण, रीवा। यातायात व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से प्रदेश भर में विशेष चेकिंग अभियान शुरू किया गया है, जिसका असर रीवा में भी दिखाई देने लगा है। शहर में यातायात व्यवस्था के लिए मुसीबत बन चुके ऑटो चालकों पर अब पुलिस ने कार्यवाही शुरू कर दी है, इसके अलावा शहर के अलग-अलग थाना क्षेत्र में भी पुलिस वाहन चेकिंग लगाकर दो पहिया, ऑटो सहित चार पहिया वाहनों पर कार्रवाई कर रही है। ट्रैफिक पुलिस के एक अनुमान के अनुसार शहर के अंदर तकरीबन 8 हजार ऑटो सड़कों पर दौड़ रहे हैं, जिसमें 60प्रतिशत ऑटो नियमों का पालन नहीं करते, अधिकांश तो ऐसे हैं जिनके पास कोई दस्तावेज भी नहीं है। फिलहाल अब ऐसे वाहन चालकों के ऊपर पुलिस के द्वारा नकेल लगाने का कार्य शुरू कर दिया गया है। बुधवार को सिविल लाइन थाने के सामने कार्यवाही के दौरान 10 में से 7 ऑटो नियम विरुद्ध संचालित होना पाए गए हैं जिन्हें कार्यवाही होने तक जांजीरों में जकड़ दिया गया है। बता दें कि चेकिंग अभियान के दौरान एक घंटे के भीतर 36 ऑटो को जब्त किया गया है, जिनके खिलाफ अब चालानी कार्रवाई की गई। पुलिस कार्रवाई को देख कई ऑटो चालक अपना रूट चेंज कर वाहन निकालते भी इस दौरान नजर आए। ट्रैफिक थाना प्रभारी अनिमा शर्मा ने बताया कि पुलिस मुख्यालय के निर्देश पर यह विशेष चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है।

गति शक्ति विश्वविद्यालय
गति शक्ति विश्वविद्यालय
GATI SHAKTI VISHWAVIDYALAYA
(A Central University under the Ministry of Railways, Government of India)
लालबाग, वडोदरा, गुजरात / Lalbaug, Vadodara, Gujarat 390004
Azadi Ka Amrit Mahotsav
Ref: GSV/REG/ADM/NonTeaching/2025 03/04/2025
RECRUITMENT TO THE POST OF REGISTRAR
Online applications are invited from eligible Indian Citizens for the post of Registrar (Level-14) to be filled by direct recruitment / deputation. Submission of online application will start from 3rd April, 2025 and will close on 2nd May,2025.
For detailed advertisement and to apply, visit https://gsv.ac.in/careers/ or scan the QR code below:
Registrar

महाराष्ट्र में मिली दो गुमशुदा नाबालिग लड़की

रीवा। सिटी कोतवाली पुलिस ने महाराष्ट्र से दो गुमशुदा नाबालिग लड़कियों को खोजकर परिजनों को सौंप दिया है। पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक 15 नवंबर 2024 को फरियादी द्वारा थाना आकर रिपोर्ट लेख कराया की उसकी 02 बच्चियां एक 16 वर्ष एवं एक 9 वर्ष की घर से स्कूल जाने को कहकर निकली किन्तु घर नहीं आई। जब स्कूल में पता किया तो पता चला की बच्चियां स्कूल नहीं आई थीं। पुलिस ने सूचना के बाद मामला पंजीबद्ध किया था। जिसके बाद 16 वर्षीय बच्ची एवं 9 वर्षीय बच्ची की लगातार पातीसाजी की जा रही थी। 31 मार्च को पुलिस ने दोनों बच्चियों को मुम्बई महाराष्ट्र से सकुशल दस्तयाब कर न्यायालय के समक्ष कथन कराये गये, जिन्होंने अपने साथ किसी प्रकार की कोई घटना घटित होना नहीं बताई। जिसके बाद उन्हें परिजनों के सुपुर्द किया गया है।

बाइक की किस्त चुकाने युवक ने रची थी खुद के अपहरण की साजिश

खुद को बंधक बना मां को भेजी फोटो, 2 लाख की मांगी फिरौती

पुलिस ने देशी पिस्टल सहित आरोपी को किया गिरफ्तार

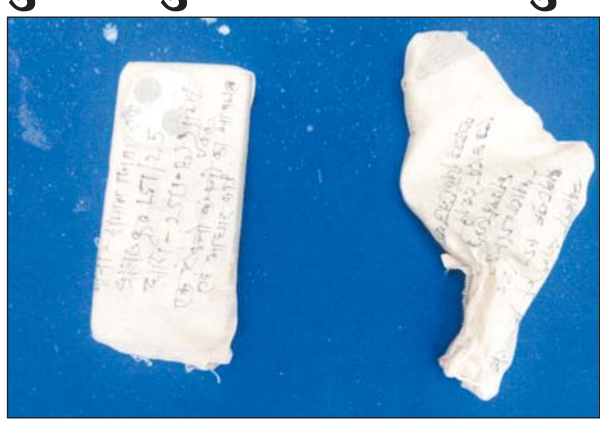

जागरण, रीवा। बाइक की किस्त चुकाने युवक ने अपने ही अहरण की साजिश रच डाली। पुसिल ने आरोपी को देशी पिस्टल सहित गिरफ्तार किया है। युवक ने लोन पर ली गई बाइक की किस्त चुकाने और जेब खर्च करने के लिए अपने ही अपहरण की साजिश रच डाली। घर से उपचार करने के बहाने निकले युवक ने शहर से गांव पहुंचकर पहले तो खुद को बंधक बनाकर अपनी तस्वीरों को मां के पास भेजा, फिर मां को फोन कर अपने अपहरण की जानकारी देते हुए 2 लाख के फिरौती की मांगी। मामले में पीड़ित मां ने जब पुलिस के पास पहुंचकर बेटे के अपहरण की कहानी सुनाई तो पुलिस भी हैरान और परेशान हो गई, लेकिन जब पुलिस ने युवक को दस्तयाब किया तो पूरा मामला फर्जी साबित हुआ। मामला शहर के समान थाना क्षेत्र का है जिसका खुलासा बुधवार को पुलिस ने किया। बताया गया कि 29 मार्च को शहर के ही जिउला में रहने वाली महिला ने अपने पुत्र के अपहरण की शिकायत थाने में दर्ज कराई थी। पीड़ित महिला के मुताबिक उसका 25 वर्षीय पुत्र अमन विश्वकर्मा घटना दिनांक को घर से उपचार कराने के लिए निकला हुआ था, जिसके बाद वापस नहीं लौटा और दूसरे ही दिन मां के मोबाइल फोन पर उसके बेटे की कुछ तस्वीरें भेजी गई जिसमें उसका पुत्र बंधक बना हुआ था साथ ही वहां बंदूकधारी भी मौजूद थे। मां के मोबाइल में उक्त फोटो आने के बाद बेटे का कॉल आया, जिसमें उसने अपने अपहरण की जानकारी मां को दी और 2 लाख रुपयों के फिरौती की भी मांग की। इधर मामला पुलिस के संज्ञान में आते ही जब पुलिस ने मां-बेटे के बीच हुई बातचीत का ऑडियो सुना तो मामला संदिग्ध नजर आया, ऐसे में पुलिस लापता युवक की तलाश में जुटी रही। इसी बीच 1 अप्रैल को युवक थाना क्षेत्र में ही नजर आया, जो पुलिस को देखते ही भाग खड़ा हुआ। पुलिस ने फिलहाल युवक को घेराबंदी कर पकड़ लिया और जब थाने लाकर पूछताछ की गई तो अपहरण की कहानी पूरी तरह से फर्जी साबित हुई। पुलिस की पूछताछ में युवक ने बताया कि उसे 3 साल से बकाया बाइक की किस्त जमा करनी थी, साथ ही उसे जेब खर्च के लिए पैसों की जरूरत थी, ऐसे में उसने अपने ही अपहरण की फर्जी योजना तैयार की और शहर से सोहागी स्थित अपने ददरी गांव चला गया। पहले तो युवक ने जंगल में खुद को बंधक बनाकर अपनी फोटो मां को भेजी फिर परिजनों को फोन कर अपहरण की फर्जी खबर देकर बतौर फिरौती 2 लाख रुपयों की मांग की।

पुलिस की चार टीम कर रही थी तलाश

समान थाना प्रभारी विकास कपीस ने बताया कि पूरी घटना के बाद युवक की तलाश के लिए पुलिस की अलग-अलग चार टीम गठित की गई थी। युवक बदरांव तालाब के पास घूमता पाया गया जिसने पुलिस को देखकर भागने का प्रयास किया और फिर घेराबन्दी कर पकडा गया। जिसकी तलाशी लेने पर उसके कब्जे से एक देशी पिस्टल बरामद हुई।

मजबूत टिकाऊ उत्तम साइज
काशी विश्वनाथ / केसरवानी कार्पोरेशन
ISI ईंट की पहचान
कोयले से पकी हुई ईंट
9415215523
9838933337
9598327051
नकली ISI से सावधान
पता- इरादतगंज, रीवा रोड, घूरपुर, प्रयागराज 212111
(काशी विश्वनाथ फ्यूल्स, पेट्रोल पंप के पास- आईओसी)

राजस्व वसूली में विद्युत विभाग रीवा वृत्त ने तोड़ दिए सारे रिकॉर्ड

सिर्फ 30 दिन में 70 करोड़ का राजस्व जुटाया, राजस्व जुटाने में 21 जिलों में चमका रीवा

पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी में सबसे बेहतर प्रदर्शन करने में टॉप पर रहा
दो साल पहले सिर्फ 35 करोड़ आए थे, इस मर्तबा यह कलेक्शन दोगुना पहुंच गया

जागरण, रीवा। राजस्व वसूली में रीवा वृत्त ने रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं। मप्र पूर्व क्षेत्र वितरण कंपनी के अंतर्गत आने वाले जिलों में रीवा टॉप पर रहा। सभी जिलों को राजस्व कमाई के मामले में पीछे छोड़ दिया है। पिछले साल की तुलना में डेढ़ गुना और दो साल पहले जुटाए राजस्व से दोगुना की वसूली हुई है। अधिकारियों ने पूरा दम लगा दिया। इसी का नतीजा अब राजस्व में हुई बेतहाशा वृद्धि में दिख रहा है।

ज्ञात हो कि मप्र पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी अंतर्गत रीवा जिला हमेशा से ही खराब राजस्व वसूली और लाइस लास के लिए बदनाम रहा। यहां अधिकारी तक आने से डरते हैं। राजस्व वसूली में अधिकारी फेल हो जाते हैं लेकिन इस मर्तबा ठीक उलटा ही हुआ। अधिकारी पास हुए और राजस्व का रिकॉर्ड टूट गया। पिछले कई सालों में मार्च में इतना राजस्व रीवा वृत्त में नहीं आया, जितना इस बार आया। पिछले दो सालों पर यदि नजर डालें तो वर्ष 2024 मार्च में 45 करोड़ और वर्ष 2023 में 35 करोड़ का राजस्व आया था। इस मर्तबा यह राजस्व 70 करोड़ के आंकड़े तक पहुंच गया है। इस रिकॉर्ड तोड़ कमाई को देखकर जबलपुर में बैठे अधिकारी भी हैरान हैं। उन्हें रीवा से इतने अधिक राजस्व की उम्मीद नहीं थी। ऐसा नहीं है कि सिर्फ एक डिवीजन ने ही राजस्व वसूली में बेहतर प्रदर्शन किया। रीवा वृत्त अंतर्गत आने वाले सभी 6 डिवीजन तय लक्ष्य से कहीं ज्यादा की वसूली की है। इस उपलब्धि में सिर्फ अधिकारियों का ही योगदान नहीं रहा। नीचले स्तर के कर्मचारी, एई, जेई और डीई की महती भूमिका रही। अधीक्षण अभियंता वृत्त रीवा बीके शुक्ला और सीई आईके त्रिपाठी का भी इस उपलब्धि में बड़ा योगदान रहा।

मार्च महीने में राजस्व की स्थिति (राशि लाख में)

डिवीजन	मार्च 25	मार्च 24	मार्च 23
रीवा सिटी	1556.82	1207.11	1158.52
मऊगंज	1058.92	723.28	519.29
त्योंथर	823.42	599.29	472.14
ईस्ट	1548.69	1091.27	704.19
वेस्ट	1870.04	960.71	673.54
योग	6857.89	4581.66	3527.68

ईस्ट और वेस्ट डिवीजन ने भी दी टक्कर

अधिकांश समय में सिर्फ रीवा जिला में सिटी डिवीजन ही राजस्व वसूली में अव्वल रहता आया है लेकिन इस मर्तबा पीछे रहने वाले डिवीजनों ने भी लंबी छलांग लगाई है। मार्च महीने में सिटी डिवीजन 15 करोड़ 56 लाख के राजस्व तक पहुंचा तो वहीं ईस्ट डिवीजन ने भी 15 करोड़ 48 लाख का राजस्व जुटाया। वेस्ट डिवीजन का कलेक्शन 18 करोड़ 70 लाख रहा। इससे विभागों की मेहनत और राजस्व वसूली की स्थिति का अंदाजा लगाया जा सकता है। मार्च महीना वित्तीय वर्ष खत्म होने का अंतिम मंथ रहा। सालभर की कसर अधिकारियों ने इसी महीने में पूरी की।

बैंकर्स और अधिकारी समन्वय से स्वरोजगार योजनाओं के लक्ष्य पूरे कराएं : कलेक्टर

कृषि और लघु उद्योगों के क्षेत्र में निवेश को प्रोत्साहित करें

जागरण, रीवा। कलेक्ट्रेट के मोहन सभागार में जिला स्तरीय बैंकर्स सलाहकार समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता करते हुए कलेक्टर प्रतिभा पाल ने कहा कि रीवा जिले में कृषि क्षेत्र का तेजी से विकास हुआ है।

कृषि और कृषि पर आधारित उद्योगों में निवेश को प्रोत्साहित करें। शासन की विभिन्न स्वरोजगार योजनाओं के बैंक शाखाओं में लंबित सभी प्रकरण 30 अप्रैल तक अनिवार्य रूप से निराकृत करें। समय पर ऋण स्वीकृत होगा तो उसका भुगतान भी समय पर होगा। बैंक शाखा प्रबंधक और विभिन्न विभागों के अधिकारी समन्वय बनाकर स्वरोजगार योजनाओं की लक्ष्य पूर्ति सुनिश्चित करें। अग्रणी बैंक प्रबंधक जिले के ऋण-जमा अनुपात तथा स्वरोजगार योजनाओं की प्रगति की हर माह समीक्षा करके प्रतिवेदन प्रस्तुत करें। बैंक शाखा प्रबंधक स्वरोजगारियों के प्रकरणों को समय पर स्वीकृत करें। कलेक्टर ने कहा कि जिले के ऋण-जमा अनुपात में इस तिमाही में अच्छी वृद्धि हुई है। यह 47 से बढ़कर 49 हो गया है। लेकिन इंडियन बैंक, पंजाब नेशनल बैंक और सेंट्रल बैंक का ऋण-जमा अनुपात बहुत कम है। इसमें सुधार के लिए कार्ययोजना बनाएं। निवेश प्रस्तावों की स्वीकृति तथा कृषि और उद्योग से जुड़े ऋण प्रकरणों को प्राथमिकता से मंजूरी देकर ऋण-जमा अनुपात बेहतर करें। कलेक्टर ने कहा कि लंबित ऋणों की वसूली में विकास विभागों के अधिकारी सहयोग करेंगे। बैठक में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी मेहताब सिंह गुर्जर, संयुक्त कलेक्टर श्रेयस गोखले, डीडीएम नाबार्ड सरोज जेना, महाप्रबंधक उद्योग जेपी तिवारी, उप संचालक कृषि यूपी बागरी, उप संचालक पशुपालन डॉ राजेश मिश्रा, उप संचालक मछली पालन डॉ अंजना सिंह तथा बैंक शाखा प्रबंधक उपस्थित रहे।

विवि ने बाह्य परीक्षकों की नियुक्ति पर लगाई रोक

बीएड और एमएड की प्रायोगिक परीक्षा में नियम विरुद्ध लगाई गई थी ड्यूटी

रीवा। अवधेश प्रताप सिंह विवि प्रबंधन का बड़ा कारनामा सामने आया था। बीएड की प्रायोगिक परीक्षा में बाह्य परीक्षक के रूप में अपात्रों को नियुक्त कर दिया गया था। बीएड प्रैक्टिकल परीक्षा अपात्रों को तैनात कर दिया गया था। इतना ही नहीं, पूर्व कुलपति और परीक्षा नियंत्रकों की भी ड्यूटी लगाई थी। मामला उजागर होने के बाद विवि ने प्रायोगिक परीक्षा में नियुक्त प्रायोगिक बाह्य परीक्षक का नियुक्ति पत्र आगामी आदेश तक स्थगित कर दिया है।

अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय द्वारा चालू सत्र की बीएड, एमएड की मुख्य परीक्षाएं शीघ्र कराई जायेंगी। इस क्रम में विश्वविद्यालय द्वारा प्रायोगिक परीक्षा हेतु बाह्य परीक्षक तैनात किए गए। इन बाह्य परीक्षकों की तैनाती में मनमानी के आरोप लगे। मामले को लेकर विश्वविद्यालय से सम्बद्ध निजी बीएड महाविद्यालयों के संघ द्वारा राज्यपाल को शिकायत भेजने की बात कही जा रही है। संघ द्वारा आरोप लगाया गया कि विश्वविद्यालय ने मार्च 2025 की प्रायोगिक परीक्षा में यूटीडी के ही अधिकांश शिक्षकों को तैनात कर दिया गया है। विश्वविद्यालय के परीक्षा विभाग ने मनोविज्ञान जैसे विषयों की प्रायोगिक परीक्षा में रसायनशास्त्र, भौतिकी के शिक्षकों को तैनात कर दिया है। निजी बीएड कॉलेज प्राध्यापक संघ ने विश्वविद्यालय की इस कार्यप्रणाली को लेकर विरोध जताया है। संघ का कहना है कि विश्वविद्यालय ने नियम विरुद्ध तरीके से अन्य विषयों के जिन प्राध्यापकों को बी.एड परीक्षाओं हेतु बाह्य परीक्षक बनाया है, वह इसकी पात्रता नहीं रखते। बताया गया कि बी.एड. परीक्षाओं हेतु एम.एड एवं शिक्षा में पीएचडी या बी.एड. कक्षाओं के अध्यापन का तीन वर्ष का अनुभव रखने वाले प्राध्यापक ही बी.एड प्रायोगिक परीक्षाओं के लिए परीक्षक हो सकते हैं किंतु विश्वविद्यालय इस नियम का पालन नहीं कर रहा। मामला उजागर होने के बाद अवधेश प्रताप सिंह विवि के कुलसचि ने आदेश जारी कर बाह्य परीक्षक के नियुक्ति आदेश को आगामी आदेश तक स्थगित कर दिया है। दैनिक जागरण ने इस कारगुजारी को प्रमुखता से उठाया था। इसके बाद ही विवि ने इस मामले को गंभीरता से लिया। बीएड प्रथम , द्वितीय वर्ष एवं एमएड प्रथम, द्वितीय वर्ष परीक्षा 2025 की प्रायोगिक परीक्षा पत्र क्रमांक गोपनीय/ 2025/300 दिनांक 26 मार्च 2025 को जारी प्रायोगिक परीक्षा में नियुक्त प्रायोगिक बाह्य परीक्षक का नियुक्ति पत्र आगामी आदेश तक स्थगित करने का आदेश जारी किया गया है।

इन सब की लगाई गई है बाह्य परीक्षक के तौर पर ड्यूटी

बीएड प्रायोगिक परीक्षा के लिए पूर्व कुलपति प्रो. रहस्यमणि मिश्रा और वर्तमान परीक्षा नियंत्रक डॉ राजकुमार सोनी को भी बीएड प्रायोगिक परीक्षा के लिए परीक्षक बनाया गया है। इसके अलावा पर्यावरण जीव विज्ञान के प्राध्यापक डॉ अतुल तिवारी, भौतिक शास्त्र के डॉ सीएम तिवारी, रसायन शास्त्र के डॉ सीएम तिवारी, डॉ सुनील पाण्डेय, अंग्रेजी की डॉ मृणाल श्रीवास्तव की ड्यूटी लगाई गई है। इनमें से किसी के पास भी ना तो एमएड की डिग्री हैं और न ही बीएड कक्षाओं को पढ़ाने का अनुभव ही था। आरोप है कि प्राध्यापकों की पत्नियों को भी उपकृत किया गया । सर्वाधिक प्रैक्टिकल दो प्रोफेसरों और उनकी पत्नियों के नाम आवंटित किया गया था।

विश्व ऑटिज्म दिवस पर किया जागरुकता कार्यक्रम का आयोजन

जागरण, रीवा। स्नेह शिक्षण एवं मानव सेवा संस्थान द्वारा बुधवार को विश्व ऑटिज्म जागरुकता दिवस पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि संयुक्त संचालक सामाजिक न्याय विभाग भोपाल राम विलास सेमिल द्वारा मां सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। विशिष्ट अतिथि स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. प्रियंका त्रिपाठी, बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. रोहित सिंह, सामाजिक सुरक्षा अधिकारी प्रज्ञा तिवारी, शासकीय मूक बधिर विद्यालय राकेश मिश्रा, पेंटियम प्वाइंट टेक्निकल कॉलेज असिस्टेंट प्रो. आशुतोष गुप्ता व अभिषेक पांडे रहे। अध्यक्षता संस्था संस्थापक एवं अध्यक्ष रामसेवक साहू ने की। कार्यक्रम में ऑटिज्म से बचाव के लिए के तौर तरीके बताए। इस दौरान संस्था प्राचार्य उषा साहू, शुभांगी सोधिया, रुचि पाठक, ऋचा श्रीवास्तव, मनीषा कुशवाहा, सुषमा कुशवाहा, लवली रजक, भानू प्रताप सिंह, मनीष प्रजापति, प्रवीण साहू, शालिनी कुशवाहा, सुषमा कुशवाहा सहित स्टाफ सहित अवधेश प्रताप सिंह विवि के विद्यार्थी, अभिवावक, व संस्था के छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

जल गंगा संवर्धन अभियानः रामसागर तालाब में जल संरक्षण का कार्य प्रारंभ

रीवा। जिले में जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत रायपुर कर्चुलियान के रामसागर/मतहा तालाब में जल संरक्षण का कार्य प्रारंभ किया गया है। तालाब की मेड़ व भराव क्षेत्र की साफ-सफाई कर गहरीकरण का कार्य किया जा रहा है। कलेक्टर प्रतिभा पाल ने जल संरक्षण कार्य का निरीक्षण किया तथा उपस्थित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिये। कलेक्टर ने कहा कि तालाब में पानी के आवक वाले स्थलों को साफ कराकर सुगम बनायें ताकि तालाब में पानी एकत्र हो। यदि आवक स्थल में अतिक्रमण हो तो उसे हटाने की कार्यवाही करें। उन्होंने कहा कि इस महत्वपूर्ण अभियान में जनभागीदारी आवश्यक है। लोगों को श्रमदान के लिये प्रेरित करें तथा जागरूकता अभियान चलाकर जल संरक्षण के प्रति आमजनों को आगे लायें। कलेक्टर ने कहा कि प्राचीन जल संरचनाओं के जीर्णोद्धार व सुधार के कार्य सहित नवीन कार्य भी करायें जांय। हरियाली बढ़ाने के लिये अन्य उपाय किये जाने की बात कलेक्टर ने कही। इस दौरान सीईओ जिला पंचायत मेहताब सिंह गुर्जर, एसडीएम पीएस त्रिपाठी, तहसीलदार विनय मूर्ति, सीईओ जनपद रायपुर कर्चुलियान संजय सिंह सहित विभागीय अधिकारी व ग्रामीण जन उपस्थित रहे।

नोटिस देने के दो साल बाद नहीं हटा शासकीय जमीन से कब्जा

शासकीय कुएं व महुएं के पेड़ को भी हथियाया, भूमि का कर रहे व्यावसायिक उपयोग

जागरण, रीवा। तहसील हुजूर के ग्राम लौवा उर्फ लक्ष्मणपुर में स्थित पूर्व माध्यमिक विद्यालय एवं शासकीय पंचायत भवन के सामने स्थित शासकीय भूमि पर अवैध कब्जा करने का आरोप मजदूर संघ की जिला संयोजक सुनीता कुशवाहा ने लगाते हुए बताया कि ग्राम में स्थित शासकीय भूमि खसरा क्रमांक 1251, 1252, 1253, 1254, 1512, 1513, 1342 शासकीय भूमि ग्राम के ही एक भूमाफिया द्वारा पटवारी, आरआई, तहसीलदार व स्कूल प्रबंधन की मिली भगत से जबरन कब्जा कर अवैध निर्माण कार्य कर लिया गया है, जिसकी ग्राम के ही अनुपम माण्डेय द्वारा कलेक्टर को इसकी शिकायत की गई थी, जिसमें बताया गया था कि कब्जाधारी शासकीय भूमि पर प्राइवेट दुकानें, बैंक, चिकित्सालय स्थापित करवाकर संस्थानों से किराया वसूल रहा है। शिकायत करने के बाद तत्कालीन नायब तहसीलदासर हुजूर यतीश शुक्ला द्वारा 28 नवंबर 2022 को राजस्व प्रकरण क्रमांक 0030/ए 68/2022-23 को करीब आधा दर्जन अतिक्रामकों को स्वेच्छा से शासकीय भूमि से अतिक्रमण हटाने के निर्देश दिए गए थे, किन्तु शासकीय भूमि से आज तक न कब्जेधारियों ने अतिक्रमण हटाया न ही प्रशासन द्वारा इस पर कोई कार्यवाही की गई। नतीजा धीरे-धीरे कब्जेधारियों का कब्जा बढ़ता जा रहा है।

आंगनबाड़ी केन्द्र पहुंची कलेक्टर, मध्यान्ह भोजन नहीं मिलने की मिली शिकायत

जागरण, रीवा। कलेक्टर प्रतिभा पाल ने रायपुर कर्चुलियान आंगनवाड़ी केन्द्र क्रमांक-4 का निरीक्षण किया। उन्होंने आंगनवाड़ी में बच्चों के अनुपस्थित रहने पर अप्रसन्नता व्यक्त की। कलेक्टर को अवगत कराया गया कि आंगनवाड़ी में मध्यान्ह भोजन व नाश्ता नियमित तौर पर नहीं दिया जाता। उन्होंने एसडीएम को संबंधित स्वसहायता समूह से जानकारी प्राप्त कर कार्यवाही करने के निर्देश दिये। आंगनवाड़ी में पोषण आहार की अनुपलब्धता को भी कलेक्टर ने गंभीरता से लिया। इस दौरान उन्होंने उपस्थित ग्रामवासियों से अपेक्षा की कि वह भी यह देखें कि आंगनवाड़ी नियमित खुल रही है कि नहीं। बच्चों की उपस्थिति सुनिश्चित करायें तथा प्राप्त होने वाले पोषण आहार की भी मानीटरिंग करें। उन्होंने कहा कि आंगनवाड़ी वह स्थान है जहां बच्चों व गर्भवती माताओं की प्रारंभिक जांच व पोषण आहार भी मिलता है अतः इसके नियमित संचालन की मॉनिटरिंग ग्रामवासी अवश्य करें।

त्रिदिवसीय विभीषण गीता का समापन

रीवा। मानस भवन रीवा में चिन्मय मिशन एवं मानस मंडल के संयुक्त तत्वाधान में त्रिदिवसीय विभीषण गीता प्रवचन के समापन अवसर पर स्वामी अद्वैतानंद ने बताया कि भगवान राम कहते हैं-सुनो विभीषण जिनके पास ऐसे रथ होते हैं उनको जीतने के लिए इस विश्व में कोई शत्रु शेष नहीं रहता। यही वह महावीर है जो इस संसार में विजय प्राप्त करता है। समापन अवसर पर स्वामी जी एवं ब्रह्मचारिणी गार्गी चेतन, ब्रह्मचारी राघवेंद्र चेतन, ब्रह्मचारी वल्लभ चेतन को शाल श्रीफल एवं मानस मंडल का प्रतीक चिन्ह श्री रामचरितमानस भेंट किया गया। चिन्मय मिशन के मैनेजिंग ट्रस्टी विजय सिंह व मानस मंडल के अध्यक्ष सुभाष बाबू पांडे ने देश के कोने-कोने से आए साधुओं के साथ अन्य गणमान्यजनों का आभार जताया। इस अवसर पर मानस मंडल के डॉ सज्जन सिंह, डॉ ज्ञानवती अवस्थी,उपाध्यक्ष पीयूष त्रिवेदी, राम सुशील गुप्ता , डीपी सिंह, शिव शंकर दीक्षित, रमेश प्रताप सिंह, प्रेम शंकर सिंह, दीपक तिवारी, राममणि मिश्र, मुकुंद मिश्रा एवं अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

नाम सुधार सूचना

मैं आर्मी नं0 1249719W रैंक सिपाही (GNR/SVYR) j रणवीर सिंह पिता स्व. श्री अमरजीत सिंह आयु 78 वर्ष निवासी ग्राम तुदुन पो. बैकुण्ठपुर तहसील सिरमौर जिला रीवा (म.प्र.) का निवासी हूँ शपथपूर्वक कथन करता हूँ कि:- मेरा अधार नं0 7941 7984 9369 है। मैं आर्मी से दिनांक 30.11.1984 को रिटायर्ड हो गया था मेरे आर्मी के दस्तावेज (ppo) में मेरी पत्नी की जन्मतिथि 24.06.1953 व नाम रामकली भूलवस दर्ज हो गया है जो कि गलत है। जबकि मेरी पत्नी के अधार कार्ड, ECHS कार्ड व पैन कार्ड में मेरी पत्नी का नाम रामकली सिंह है, एवं जन्म की तरीख 08.11.1951 है जो सही व सत्य है। अत: मेरे आर्मी के दस्तावेज (ppo) में मेरी पत्नी की सही जन्मतिथि 08.11.1951 एवं सही नाम रामकली सिंह दर्ज किया जाए एवं लिखा, पढ़ा व जाना जाए।

रणवीर सिंह

कार्यालय, जेल अधीक्षक, जिला जेल, उमरिया (म०प्र०)

वार्षिक ई-निविदा सूचना वर्ष 2025-26

द्वितीय आमंत्रण

मध्यप्रदेश जेल पूर्ति नियम 1968 एवं मध्यप्रदेश भण्डार क्रय नियम तथा सेवा उपार्जन नियम, 2015 (यथा संशोधित 2022) के अंतर्गत **जिला जेल उमरिया** में परिरूद्ध बंदियों के उपयोग हेतु वर्ष 2025-26 के लिए खाद्यान, सब्जी, स्वच्छता/विद्युत एवं दवाइयाँ, स्थाई सम्पति अनुरक्षण सम्बन्धी सामग्री का क्रय करने हेतु द्वितीय वार्षिक ई-निविदा www.mptenders.gov.in पर दिनांक 22/04/2025 को सायं 05:00 तक आमंत्रित की जाती है | इच्छुक व्यापारीगण ई-निविदा फॉर्म एवं ई-निविदा सम्बंधित संपूर्ण जानकारी www.mptenders.gov.in वेबसाइट से प्राप्त करें | विवरण निम्नानुसार है :-

क्र.	विवरण	दिनांक\समय	स्थान
1	प्री-ब्रिड मीटिंग	दिनांक 11-04-2025 समय 11:00 बजे	जिला जेल उमरिया (म०प्र०)
2	ई-निविदा फॉर्म क्रय करने की अंतिम तिथि (निविदा फॉर्म का मूल्य रूपये 5 लाख तक रुपये 500/- एवं 5 लाख से अधिक रुपये 1000/- लेखा शीर्ष 0056-जेल, 00-जेलें, 800-अन्य प्राप्तियाँ में जमा की जावेगी ।)	दिनांक 22-04-2025 समय 17:00 बजे तक	www.mptenders.gov.in पर प्राप्त की जा सकती है ।
3	ई-निविदा प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि	दिनांक 23-04-2025 समय 17:00 बजे तक	www.mptenders.gov.in पर प्रस्तुत की जा सकती है
4	सेम्पल जमा करने की अंतिम तिथि	दिनांक 23-04-2025 समय 17:00 बजे तक	जिला जेल उमरिया (म०प्र०)
5	तकनीकी निविदा एवं आवश्यक दस्तावेज़ खोलने की तिथि	दिनांक 24-04-2025 समय 11:00 बजे	www.mptenders.gov.in पर प्राप्त की जा सकती है ।
6	वितीय ई-निविदा खोलने की तिथि	दिनांक 25-04-2025 समय 11:00 बजे	www.mptenders.gov.in जिला जेल उमरिया (म०प्र०)

नोट :-

1. ई-निविदा का प्रकाशन जिला जेल उमरिया से किया गया है | एवं निविदा सम्बन्धी समस्त कार्यवाही जिला जेल उमरिया पर जेल अधीक्षक, जिला जेल उमरिया द्वारा की जावेगी |
2. व्यापारियों को सूचित किया जाता है कि ई-निविदा के नियम एवं शर्तों का पालन करना अनिवार्य है तथा निविदा की समस्त जानकारी www.mptenders.gov.in की वेबसाईट पर प्राप्त की जा सकती है |

जेल अधीक्षक
जिला जेल उमरिया (म.प्र.)

जी-11046/24

प्रशांत चतुर्वेदी सम्मानित

रीवा। महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय उज्जैन द्वारा आयोजित पंचम दीक्षांत समारोह में प्रदेश के राज्यपाल मंगू भाई पटेल, उच्च शिक्षा मंत्री इंदर सिंह परमार एवं विश्वविद्यालय के कुलगुरु आचार्य विजय कुमार सी.जी की उपस्थिति में रीवा के पंडित प्रशांत चतुर्वेदी को कक्षा आचार्य (फलित ज्योतिष) में प्रदेश की मैरिट लिस्ट में द्वितीय स्थान प्राप्त करने पर उन्हें रजत पदक व फलित ज्योतिषाचार्य की उपाधि से सम्मानित किया गया।

सूचना

जागरण पब्लिकेशन प्रा. लि. किसी तृतीय पार्टी के उत्पादकों वस्तुओं या सेवाओं का समर्थन नहीं करती है और न ही किसी तृतीय पार्टी के विज्ञापनों में छपी किसी जानकारी की सच्चाई या विश्वसनीयता की पुष्टि करती है। जागरण पब्लिकेशन प्रा. लि. पाठकों को प्रेरित करती है कि वे ऐसे किसी भी विज्ञापनदाता के साथ कोई भी लेन-देन करने की कार्रवाई से पहले उचित व जरुरी समझे जाने वाली जांच पड़ताल कर लेवे।

नए-पुराने भाजपा कार्यकर्ताओं को मिला अवसर

रीवा। भारतीय जनता पार्टी दीनदयाल मंडल के अध्यक्ष शिवम द्विवेदी ने प्रदेश के उप मुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ला रीवा सांसद जनार्दन मिश्रा भाजपा जिला अध्यक्ष वीरेंद्र गुप्ता की सहमत से 61 सदस्यीय मंडल कार्य समिति की घोषणा की। जिसमें उपाध्यक्ष के रूप में वीणा शुक्ला साधना पटेल आशुतोष शुक्ला मनोज पटेल सीपी सेन स्वयं पांडे महामंत्री राजकुमार जायसवाल राजा राम बुनकर मंत्री सुधा तिवारी निहारिका सिंह पूनम कोरी प्रदीप पांडे अमरेश पांडे किसन मिश्रा कोषाध्यक्ष मोहित गुप्ता कार्यालय मंत्री सुनील अग्रवाल सह कार्यालय मंत्री अर्जुन सिंह चौहान मीडिया प्रभारी अनूप सोनी सोशल मीडिया प्रभारी राहुल सिंह बनाया गया है। कार्यसमिति में कई नेताओं को शामिल किया गया है।

मध्यप्रदेश राज्य बीज एवं फार्म विकास निगम

पुराना कलेक्ट्रेट परिसर, सतना-485001
Phone : 07672-299452, Fax : 299452
E-mail : mpbeej.satna@gmail.com

संक्षिप्त परिवहन निविदा सूचना

निगम क्षेत्रीय कार्यालय के अधीनस्थ निम्न प्रक्रिया केन्द्र पर वर्ष 2025-26 में बीज परिवहन हेतु पंजीकृत परिवहनकर्ताओं से सीलबंद निविदायें आमंत्रित की जाती हैं।

क्र.	प्रक्रिया केन्द्र का नाम	निविदा खोलने का दिनांक	निविदा स्वीकार करने का दिनांक	संभावित मात्रा क्विं. में
1.	रेवरा	08.04.25	08.04.25	6700.00
2.	रीवा	08.04.25	08.04.25	6500.00
3.	शहडोल	08.04.25	08.04.25	3000.00
4.	पौडी	08.04.25	08.04.25	8100.00

निविदा प्रपत्र क्षेत्रीय कार्यालय एवं संबंधित प्रक्रिया केन्द्रों से रु. 200/- नगद/ डी.डी./भुगतान कर कार्यालयीन समय में निविदा खोलने का दि. 08.04.2025 को 02 बजे दिन तक प्राप्त किये जा सकते हैं। प्रत्येक केन्द्रवार पार्ट एवं फुल लोड हेतु अलग-अलग निविदा भरी जानी है। निविदा खोलने का दि. 08.04.2025 को ही दोपहर 02.30 बजे तक क्षेत्रीय कार्यालय सतना में स्वीकार की जावेगी एवं उसी दिन **दिनांक 08.04.25 को ही सायं 3.00 बजे** कमेटी के समक्ष निविदा खोली जावेगी। इन निविदाओं को स्वीकार/अस्वीकार करने का पूर्ण अधिकार क्षेत्रीय प्रबंधक को होगा।

म.प्र.माध्यम/119496/2025 **क्षेत्रीय प्रबंधक**

कार्यालय कार्यपालन यंत्री
लोक निर्माण विभाग, (भ./स.) संभाग क्रमांक-1 रीवा

निविदा सूचना

निविदा सूचना क्रमांक 31/ब.ले.लि./निविदा/2024-2025 **रीवा, दिनांक 27/03/2025**

मध्यप्रदेश के राज्यपाल की ओर से निम्न कार्यों हेतु ऑनलाइन (Online) निविदा समस्त संशोधन सहित के आधार पर प्रपत्र-अ में निविदाकारों, जो केन्द्रीय पंजीयन प्रणाली के तहत लोक निर्माण विभाग में उपयुक्त श्रेणी में पजीकृत हो, से आमंत्रित की जाती है।

क्र.	टेण्डर कमांक	कार्य का नाम	ठेके की अनु. राशि (रू.लाख में)	1- अमानत राशि 2- निविदा प्रपत्र का मूल्य	1- निविदा आमंत्रण क्र. 2- कार्यावधि सहित/ छोडकर
1	2	3	4	5	6
1	PWDRB 411762	विशेष मरम्मत के अन्तर्गत क्वार्टर नं. एफ-9 एवं एफ-23 सिविल लाईन रीवा का मरम्मत कार्य	8.44	1- 16880.00 2- 2000.00	1- प्रथम आमंत्रण 2- तीन माह वर्षाकाल सहित
2	PWDRB 411769	विशेष मरम्मत के अन्तर्गत क्वार्टर नं. एच-16 एवं एच-15 विकास कालोनी रीवा का मरम्मत कार्य	3.25	1- 6500.00 2- 2000.00	1- प्रथम आमंत्रण 2- तीन माह वर्षाकाल सहित
3	PWDRB 411770	विशेष मरम्मत के अन्तर्गत क्वार्टर नं. जी-11 प्रोफेसर कालोनी रीवा का मरम्मत कार्य	4.23	1- 8460.00 2- 2000.00	1- प्रथम आमंत्रण 2- तीन माह वर्षाकाल सहित
4	PWDRB 411771	विशेष मरम्मत के अन्तर्गत क्वार्टर नं. एच-18 9वीं बटालियन एवं एल.आई.जी.-174 एवं एम.आई.जी.-254 चिरहुला कालोनी रीवा का मरम्मत कार्य	6.17	1-12340.00 2- 2000.00	1- प्रथम आमंत्रण 2- तीन माह वर्षाकाल सहित
5	PWDRB 411772	विशेष मरम्मत के अन्तर्गत शासकीय आवास गृह क्रमांक एम.आई.जी. 238 चिरहुला कालोनी रीवा का मरम्मत कार्य	1.79	1- 3580.00 2- 1000.00	1- द्वितीय आमंत्रण 2- दो माह वर्षाऋतु सहित
		कुल योग	**23.88**		

उपरोक्त वेबसाइट आनॅलाइन भुगतान करने के उपरान्त निविदा प्रपत्र (टेण्डर डाक्यूमेंट) बेवसाइट के माध्यम से प्राप्त हो सकेगा। निविदा प्रपत्र क्रय करने की **अंतिम दिनांक 15/04/2025 सायं 17.30 बजे निर्धारित है।** विस्तृत एन.आई.टी. एवं अन्य जानकारी उपरोक्त वेबसाइट में देखा जा सकता है। निविदा में हाने वाले समस्त संशोधन का प्रकाशन केवल उपरोक्त वेबसाईट पर किया जायेगा। पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जायेगा।

कार्यपालन यंत्री
लोक निर्माण विभाग (भ./स.)
संभाग क्रमांक-1 रीवा

जी-11071/24

लोन

लोन फाईनेंस सर्विस रीवा संभाग में विशेष लोन व्यवस्था मुद्रा लोन, आधार कार्ड, मार्कशीट, पर्सनल, कृषि लोन और सभी प्रकार के लोन 2% ब्याज 50% छूट (एजेंट आमंत्रित) संपर्क - 8962086944

बेचना है

2 मंजिला मकान, उत्तरमुखी, सर्वसुविधायुक्त बेचना है। प्लॉट एरिया 1600 स्क्वायर फिट, सुपर बिल्डअप एरिया 3,000 स्क्वायर फिट, 11 कमरे, 4 लैट बाथ, 2 किचन, बालकनी, कार पार्किंग, बिजली, 24 घंटे पानी, अंडरग्राउण्ड वाटर टैंक, **लोकेशन:** पद्मधर कॉलोनी, ढेकहा, रीवा। **कीमत :** 73 लाख रुपए। **सम्पर्क :** 9171155750

आर.एन. 80796(7/4)

स्कूल चले अभियान का दूसरा दिन, छात्रों के बीच स्कूल पहुंचे अधिकारी तो खिल उठे चेहरे

कलेक्टर ने छात्रों से पूछा क्या बनना है, तो किसी ने कहा कलेक्टर तो किसी ने इंजीनियर और सीबीआई ऑफिसर बताया

भविष्य से भेंट कार्यक्रम में सीएम राइज विद्यालय रायपुर कर्चुलियान पहुंचीं कलेक्टर, छात्रों से किया संवाद

जागरण, रीवा। स्कूल चले अभियान के तहत बुधवार को सरकारी स्कूलों में भविष्य से भेंट कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें सरकारी स्कूलों तक प्रशासनिक अधिकारी छात्रों के बीच पहुंचे। एसडीएम, तहसीलदार, डॉक्टर, इंजीनियर स्कूलों तक पहुंचे और बच्चों से संवाद किए। रीवा कलेक्टर खुद बच्चों को प्रोत्साहित करने उनके बीच सीएम राइज स्कूल रायपुर कर्चुलियान पहुंचीं। उन्होंने छात्रों से पूछा क्या बनना चाहते हो तो बच्चों ने तपाक से जवाब दिया। किसी ने कहा उन्हें डॉक्टर बनना है तो किसी ने इंजीनियर और सीबीआई ऑफिसर बनने की इच्छा व्यक्त की। छात्र अपने बीच कलेक्टर को पाकर काफी खुश नजर आए।

स्कूल चलें अभियान के दूसरे दिन शालाओं में भविष्य से भेंट कार्यक्रम के तहत शासकीय सीएम राइज विद्यालय रायपुर कर्चुलियान में बच्चों से संवाद करते हुए कलेक्टर प्रतिभा पाल ने कहा कि हिम्मत और मेहनत से लक्ष्य का निर्धारण कर अपनी पहचान बनायें। उन्होंने पढ़ाई के साथ खेलकूद में भी पूरी तन्मयता से भाग लेने की अपेक्षा विद्यार्थियों से की। कलेक्टर ने विद्यालय के छात्र-छात्राओं से सहज भाव में उनका लक्ष्य पूछा तो किसी ने बताया कि वह डॉक्टर बनना चाहता है तो किसी ने इंजीनियर या सी.बी.आई. ऑफिसर। कलेक्टर ने कहा कि आप अपना लक्ष्य लेकर पूरी मेहनत और ईमानदारी से प्रयास कर सफलता प्राप्त कर सकते हैं। प्रतियोगी परीक्षाओं के लिये निर्धारित पाठ्यक्रम को जानकर प्रश्नपत्र व उसके पैटर्न का आकलन करें तथा मेहनत से पढ़ाई करते हुए उसे हासिल करें। उन्होंने बताया कि उनके बैच में भी कई ऐसे लोग थे जो अलग-अलग माहौल से आये थे मगर सबका एक ही लक्ष्य होना चाहिए अपना शत प्रतिशत देकर मंजिल हासिल करना।

कलेक्टर ने कहा कि विद्यार्थी जिस कक्षा में हैं वहां पूरी तन्मयता से पढ़ाई करें, स्मार्ट फोन का उपयोग पढ़ाई या सकारात्मक विषयों के लिये करें तथा खाली समय में अपने घर के काम में हाथ बटायें और खेलकूद की गतिविधियों में भाग लें। उन्होंने कहा कि स्टार्टअप के द्वारा भी अपना स्वंय का व्यवसाय चुनकर विद्यार्थी आने वाले समय में अपना उद्यम स्थापित कर सकते हैं। इस क्षेत्र में भी शासन स्तर से काफी मदद की जाती है। उन्होंने विद्यार्थियों को खुश रहने तथा जागरूक रहकर सकारात्मक सोच के साथ अपनी पहचान बनाने की प्रेरणा दी। इस अवसर पर विद्यार्थियों ने बताया कि सीएम राइज विद्यालय में पढ़ाई के साथ-साथ खेलकूद व अन्य गतिविधियों का संचालन होता है और हम उसमें शामिल होते है। विद्यालय में लाइब्रेरी की सुविधा भी है। विद्यार्थियों ने अपने परिजनों से मार्गदर्शन प्राप्त कर आगामी परीक्षाओं में भाग लेने के लिए सहयोग की बात बताई। उन्होंने बताया कि हम स्मार्ट फोन के माध्यम से ऑनलाइन कक्षाओं में शामिल होते हैं तथा अपनी शंकाओं का समाधान भी प्राप्त करते हैं। इस दौरान सीईओ जिला पंचायत मेहताब सिंह गुर्जर, एसडीएम पीएस त्रिपाठी, जिला शिक्षा अधिकारी सुदामालाल गुप्ता, सहित विद्यालय के प्राचार्य व शिक्षक तथा विद्यार्थी उपस्थित रहे।

एडीएम, एसडीएम और तहसीलदारों ने विद्यार्थियों को पढ़ाया पाठ : जिले भर में स्कूल चलें हम अभियान के तहत सभी स्कूलों में प्रवेशोत्सव मनाया जा रहा है। अभियान के तहत राजस्व अधिकारियों द्वारा स्कूलों का निरीक्षण करने के साथ विद्यार्थियों से भेंट की जा रही है। भविष्य से भेंट कार्यक्रम के तहत विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और कॅरियर के संबंध में मार्गदर्शन दिया जा रहा है। कलेक्टर प्रतिभा पाल के निर्देशों के अनुसार जिले के राजस्व अधिकारियों ने विभिन्न स्कूलों का निरीक्षण कर विद्यार्थियों से संवाद किया। अपर कलेक्टर सपना त्रिपाठी ने शासकीय उमावि मार्तण्ड क्रमांक दो में विद्यार्थियों से संवाद कर उन्हें कॅरियर के संबंध में मार्गदर्शन दिया। अपर कलेक्टर ने कहा कि सभी विद्यार्थी कक्षा आठवीं के बाद से ही अपने कॅरियर का निर्धारण करके उसके अनुरूप पढ़ाई और तैयारी करें। लगन और परिश्रम से किए गए प्रयासों से लक्ष्य सरलता से प्राप्त होते हैं। इस अवसर पर नायब तहसीलदार यतीश शुक्ला ने भी विद्यार्थियों से संवाद किया।

संयुक्त कलेक्टर पीके पाण्डेय गोविंदगढ़ कन्या स्कूल पहुंचे : इस क्रम में संयुक्त कलेक्टर पीके पाण्डेय ने शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय गोविंदगढ़ में आयोजित स्कूल चलें हम अभियान में भागीदारी निभाई। संयुक्त कलेक्टर श्रेयस गोखले ने शासकीय गवर्मेंट स्कूल क्रमांक एक धोबिया टंकी, एसडीएम गुढ़ डॉ अनुराग तिवारी ने सीएम राइज स्कूल महसांव में आयोजित प्रवेश उत्सव में भाग लिया। भविष्य से भेंट के क्रम में डॉ तिवारी ने विद्यार्थियों से संवाद किया।

मऊगंज जिले में आयोजित हुआ भविष्य से भेंट कार्यक्रम

स्कूल चलें हम अभियान के द्वितीय दिवस पर मऊगंज जिले में विद्यालयों में भविष्य से भेंट कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जिले के प्रशासनिक अधिकारियों ने विभिन्न विद्यालयों में जाकर बच्चों से संवाद किया तथा उन्हें पढ़ाई के महत्व की जानकारी देते हुए प्रेरक प्रसंग भी सुनाये। शासकीय कन्या हाई स्कूल देवतालाब में एसडीएम बी.पी. पाण्डेय ने बच्चों से संवाद किया तथा उन्हें पुस्तकें भेंट की। इसी क्रम में मुख्य नगर पालिका अधिकारी ह्नुमना अरुण कुमार त्यागी ने शासकीय हाई स्कूल चरैया में, बीपी मिश्रा कार्यपालन यंत्री ने शासकीय मॉडल स्कूल नईगढ़ी में, परियोजना अधिकारी निर्मला शर्मा ने उच्चतर माध्यमिक विद्यालय फरहदा में बच्चों से संवाद करते हुए पुस्तकें भेंट की।

पुस्तक मेला के पहले खुल गईं प्राइवेट स्कूलों वाली दुकानें, खरीदी के लिए उमड़ी भीड़

पुस्तक मेला लगाने में जुटा प्रशासन, दुकानदारों को स्टाल लगाना अनिवार्य किया गया

कलेक्टर ने पुस्तक मेला में खरीददारों और वेंडर्स के लिए उचित व्यवस्था के दिए निर्देश

दुकान पहुंच रहे शिक्षक, दुकानदारों से सहमति मेला में दुकान लगाने की सहमति जुटा रहे

जागरण, रीवा। प्रशासन अभिभावकों को लुटने से बचाने मेला लगा रही है। पुस्तक और ड्रेस में छूट दिलाने की तैयारी में थे। इसके पहले ही स्कूलें खुल गईं। अभिभावकों की भीड़ दुकानों पर टूट पड़ी है। दुकानों में लूट मची है। किसी तरह की न छूट मिल रही और न ही रियायत दी जा रही है। अधिकांश अभिभावकों ने खरीदी कर ली है। ऐसे में प्रशासन की तैयारी पर प्राइवेट स्कूलों ने पानी फेर दिया है। चुनिंदा लोगों को ही इसका फायदा मिलेगा।

प्राइवेट स्कूलों के खुलने के बाद पुस्तक मेला प्रशासन आयोजित कर रहा है। मेला में 10 फीसदी खरीदी पर छूट का दावा किया जा रहा है लेकिन इसका फायदा सभी अभिभावकों को नहीं मिलेगा। कई अभिभावक स्कूल खुलने के पहले ही दुकानों में पहुंच कर पुस्तकों और ड्रेस की खरीदी पहले ही कर चुके हैं। बच्चों की पढ़ाई में कोई व्यवधान न पड़े, इसके लिए प्रशासन के मेले का इंतजार तक नहीं किए। दुकानों में भारी भीड़ उमड़ रही है। अब 4 और 5 अप्रैल को मानस भवन में आयोजित पुस्तक मेला में सभी अभिभावकों को इस छूट का लाभ नहीं मिल पाएगा। फिर भी प्रशासन की पहल सराहनीय है। यदि इसे थोड़ा और पहले आयोजित किया जाता तो मेला में मिलने वाली छूट का फायदा सभी को मिलता। फिलहाल दुकानों में किसी तरह की रियायत नहीं दी जा रही है।

विद्यार्थियों को रियायती दर पर किताबें और स्कूल ड्रेस उपलब्ध कराने के लिए रीवा में मानस भवन में दो दिवसीय पुस्तक मेला लगाया जा रहा है। पुस्तक मेला 4 और 5 अप्रैल को सबुह 10 बजे से रात 10 बजे तक आयोजित होगा। कलेक्ट्रेट के बाणसागार सभागार में आयोजित बैठक में कलेक्टर प्रतिभा पाल ने मेले के तैयारियों की समीक्षा की। कलेक्टर ने कहा कि मेला स्थल पर उचित स्टाल लगाकर वेंडर्स की व्यवस्था करें। पुस्तक और ड्रेस बेचने वाले सभी दुकानदारों को मेले में शामिल करें। प्रत्येक दुकानदार का पंजीयन करके उसे स्टाल संख्या आवंटित करें। मेले में खरीददारों और वेंडर्स के लिए समुचित व्यवस्थाएं करें। पुस्तक मेले में 10 प्रतिशत छूट पर किताबें मिलेंगी। इसलिए मेले में बड़ी संख्या में लोग आएंगे। पुलिस अधिकारी वाहनों की पार्किंग तथा भीड़ प्रबंधन के लिए उचित प्रबंध करें। आयुक्त नगर निगम मेला स्थल में पेयजल और साफ-सफाई की व्यवस्थाएं कराएं।

30 से अधिक दुकानदारों ने कराया रजिस्ट्रेशन

पुस्तक मेला में शामिल होने के लिए सभी दुकानदारों को अनिवार्य किया गया है। दुकानदार अधिक से अधिक पहुंचे इसके लिए सीएसी, बीएसी की ड्यूटी लगाई गई है। टीम बनाकर अलग अलग क्षेत्रों मे डीपीसी ने भेजा। सीएसी, बीएसी ड्रेस, पुस्तक दुकानों में पहुंच कर उन्हें मेला में आने की जानकारी दे रहे हैं। इतना ही नहीं दुकानदारों से सहमति भी जुटा रहे हैं। हालांकि मेला में शामिल होने के पहले दुकानदारों के लिए रजिस्ट्रेशन अनिवार्य किया गया है। डीईओ कार्यालय में रजिस्ट्रेशन के लिए टीम भी बनाई गई है। अब तक 30 से अधिक दुकानदारों ने रजिस्ट्रेशन कराया है। शासन की सख्ती के कारण छोटे दुकानदार जरूर असमंजस में हैं।

मेला में हेल्पडेस्क बनेगा

पुस्तक मेला में हेल्प डेस्क भी बनाया जाएगा। एक दल मेला में हेल्प डेस्क देखेगा। इसके अलावा दो दो प्राचार्यों की टीम बनाकर अशासकीय विद्यालयों का भ्रमण कराकर अभिभावकों से फीड बैक लेने के निर्देश दिए गए हैं। पुस्तक और ड्रेस के लिए विद्यालय से बाध्यता का पता टीम लगाएगी। 3 मार्च तक दुकानदारों का रजिस्ट्रेशन होगा। इसके बाद स्टॉल के लिए जगह आवंटित की जाएगी।

सैनिक स्कूल में एनसीसी का वार्षिक प्रशिक्षण शिविर शुरू

जागरण, रीवा। एनसीसी का वार्षिक प्रशिक्षण शिविर-शौर्य संग्राम (बैटल ऑफ़ ब्रेवरी)का आयोजन 2 से11 अप्रैल तक सैनिक स्कूल के परेड ग्राउंड में हो रहा है। इस वार्षिक प्रशिक्षण शिविर में सैनिक स्कूल के 156 कैडेट हिस्सा ले रहे हैं। सैनिक स्कूल के प्राचार्य कर्नल अविनाश रावल ने कैंप का उद्घाटन किया और कैडेट्स को आने वाले 10 दिनों की एनसीसी ट्रेनिंग के दौरान जोश,जज्बे और जुनून के साथ भाग लेने के लिए प्रेरित किया। इण्डेप कॉय एनसीसी सैनिक स्कूल के कमान अधिकारी स्क्वाड्रन लीडर सीएच त्रिलोक कुमार ने कैंप में होने वाली गतिविधियों, मैप रीडिंग, फायरिंग, ड्रिल, क्रीड़ा ,जमीनी कला एवं युद्ध कला आदि को अच्छे से सीखने पर बल दिया। कैंप में साफ-सफाई एवं स्वास्थ्य का ध्यान रखने की हिदायत देते कैंप को सफल बनाने के लिए प्रेरित किया। इस दौरान कैंप में सभी एएनओ और पीआई स्टाफ भी उपस्थित रहे।

वरिष्ठ कार्य सहायक को केन्द्रीय पुस्तकालय से हटाया, परीक्षा विभाग भेजा गया

मनमानी कार्यप्रणाली को लेकर हो रहीं थी लगातार शिकायतें, कुलपति ने लिया संज्ञान

जागरण,रीवा। अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय के केन्द्रीय पुस्तकालय में पदस्थ वरिष्ठ कार्य सहायक संगीता कोल की मनमानी कार्यप्रणाली को लेकर लगातार शिकायतें की जा रहीं थीं, मामले को संज्ञान में लेते हुए विवि कुलगुरु प्रो.राजेन्द्र कुड़ारिया और कुलसचिव प्रो.सुरेन्द्र सिंह ने बड़ी कार्यवाही की है। वरिष्ठ कार्य सहायक संगीता कोल को केन्द्रीय पुस्तकालय से हटाते हुए परीक्षा विभाग में पदस्थ कर दिया गया है। वहीं केन्द्रीय पुस्तकालय में सतेन्द्र सिंह सहायक ग्रेड-3 को पदस्थ किया गया है। बता दें कि हाल ही वरिष्ठ कार्यसहायक संगीता कोल की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़ा करते हुए अधिवक्ता मानवेन्द्र द्विवेदी ने शिकायत की थी कि बिना अधिकार केन्द्रीय प्रभारी प्रस्तकालयाध्यक्ष की सील लगाकर उनके द्वारा हस्ताक्षर किया गया है, इसके साथ ही हाजरी रजिस्टर में हेरफेर सहित अन्य कई शिकायते पूर्व में की गई थी। जिसके बाद बुधवार को तबादला आदेश जारी किया गया। वहीं बुधवार को कई अन्य अधिकारी-कर्मचारियों की जिम्मेदारी में बदलाव किया गया है। सहायक रजिस्टार पिंकी मनकानी को अकादमिक से विकास विभाग, सहायक कुलसचिव बृजेश सिंह ठाकुर को अकादमिक विभाग, अनिल सिंह अनुभाग अधिकारी परीक्षा विभाग से एससीएसटी प्रकोष्ठ, अधीक्षक हीरालाल साकेत को परीक्षा से अकादमिक विभाग, शशिकांत तिवारी सहायक ग्रेड-3 को अकादमिक विभाग से वित्त ब विभाग, उमेश सिंह सहायक ग्रेड-3 को अकादमिक से परीक्षा विभाग, महेश वर्मा को वित्त ब से अकादमिक विभाग, राहुल पांडेय अकादमिक विभाग से गोपनीय व विधि प्रकोष्ठ में पदस्थ किया गया है।

आज लोक संस्कृति पर नए तरह का संकटः प्रो. परमार

रीवा। अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय में व्याख्यानमाला का आयोजन हुआ। विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग द्वारा यह व्याख्यान कराया गया, जिसका विषय मध्यकाल और लोक संस्कृति रहा। इस कार्यक्रम के मुख्य वक्ता छतरपुर विश्वविद्यालय के प्राध्यापक बहादुर सिंह परमार रहे। इस अवसर पर प्रो परमार ने कहा कि आज लोक संस्कृति पर नए तरह का संकट है, जबकि मध्यकालीन हिंदी साहित्य ने मनुष्यता की पक्षधरता को पुष्ट किया है। सूर, तुलसी, कबीर, जायसी, रैदास ने राम, कृष्ण जैसी व्यैक्तिक चरित्रों की विशद छवियां प्रस्तुत की हैं। बसंत पंचमी से लेकर रंग पंचमी तक लोक में उमंग होती थी, जिसका अब क्षरण हो रहा है। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए विभागाध्यक्ष प्रो दिनेश कुशवाह ने कहा कि लोक हर बंधन से मुक्त होता है। इस दौरान प्रो बारेलाल जैन, प्रो समरलाल प्रजापति, डॉ अनुराग मिश्र, डॉ निशा पटेल, डॉ चंद्रप्रकाश पटेल सहित विभाग के अन्य छात्रगण उपस्थित रहे।

जबलपुर-अयोध्या ट्रेन के डभौरा में ठहराव की मांग

रीवा। जबलपुर से अयोध्या के बीच चलने वाली ट्रेन के डभौरा स्टेशन में ठहराव की मांग उठी है। इस बाबत रीवा सांसद जर्नादन मिश्रा ने पश्चिम मध्य रेलवे के महाप्रबंधक को पत्र लिखवा है। पत्र में सांसद ने उल्लेखित किया है कि रीवा जिले के डभौरा स्टेशन से चारों दिशाओं की ट्रेन निकलती है। ऐसे में, जबलपुर-अयोध्या ट्रेन का ठहराव यहां देना व्यापारिक दृष्टिकोण से भी उचित होगा। अतः गाड़ी संख्या 01701-02 का ठहराव डभौरा स्टेशन में देने समुचित कार्यवाही की जाए।

बढ़े फेरे के साथ 10 से दौड़ेगी रीवा-सीएसटी मुम्बई ट्रेन

रीवा। रीवा रेलवे स्टेशन से रीवा-छत्रपति शिवाजी टर्मिनस के लिए दो साप्ताहिक ट्रेन का संचालन किया जा रहा था। हाल ही में महाकुंभ की वजह से कई ट्रेनों को स्पेशल के रूप में प्रयागराज के बीच चलाया गया, जिसमें रीवा से भी कुछ ट्रेनों को ट्रैक से बाहर कर दिया गया था। जिसमें से गाड़ी संख्या 02187-88 रीवा-सीएसएमटी-रीवा साप्ताहिक सुपरफास्ट स्पेशल ट्रेन को विगत 20 मार्च को फिर से शुरू किया गया। हालाकि तब दो फेरा के लिए ही चलाने का नोटिफिकेशन जारी हुआ था। अब इसके फेरे में वृद्धि कर दी गई है। स्टेशन सूत्रों की मानें तो यह ट्रेन आगामी दिनों में भी पटरी पर दौड़ती रहेगी। रेलवे सूत्रों के हवाले से मिली जानकारी के अनुसार गाड़ी संख्या 02187-88 को फिलहाल 12 फेरा के लिए एक्सटेंशन दिया गया है। इस ट्रेन में सामान्य श्रेणी, एसी कोच सहित 24 कोच शामिल हैं। गाड़ी संख्या 02187 रीवा-सीएसएमटी गुरुवार को 3.50 बजे रवाना होती है जबकि गाड़ी संख्या 02188 सीएसएमटी से शुक्रवार को रीवा के लिए रवाना की जाती है।

अब 26 जून तक होगा संचालन

पमरे सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक रीवा से चलने वाली गाड़ी संख्या 02187 को 10 अप्रैल से 26 जून तक 12 फेरा की स्वीकृति का नोटिफिकेशन रेलवे द्वारा जारी कर दिया गया है। इसी तरह सीएसएमटी से चलने वाली गाड़ी संख्या 02188 को 11 अप्रैल से 27 जून तक के लिए एक्सटेंशन दिया गया है। इतना ही नहीं, नोटिफिकेशन जारी करने के साथ ही पूर्व के आरक्षण की सुविधा को भी बढ़ा दिया गया है।

परीक्षा के प्राप्तांकों की ऑनलाइन प्रविष्टि 6 अप्रैल तक

रीवा। माध्यमिक शिक्षा मण्डल मप्र द्वारा आयोजित परीक्षाएं 2025 में सम्मिलित होने वाले वाले नियमित एवं स्वाध्यायी छात्रों की प्रायोगिक एवं आंतरिक परीक्षा के अंकों की प्रविष्टि के लिए भोपाल द्वारा प्रसारित आदेश के अनुसार 30 मार्च तक की तिथि निर्धारित की गई थी। जिसे आगामी 6 अप्रैल तक बढ़ा दी गई है, प्रायोगिक एवं आंतरिक परीक्षा के प्राप्तांकों की ऑनलाइन प्रविष्टि हो पाएगी, हस्त लिखित प्राप्तांक किसी भी दशा में मान्य नहीं किए जाएंगे।

सम्मानित हुए साहित्यकार व शिक्षाविद्

जागरण, रीवा। बघेली पर आधारित गीत संग्रह 'माटी के गीत' का विमोचन नवोदय पब्लिक स्कूल अमवा रीवा के प्रांगण में हुआ । श्री दरबार फाउंडेशन दिल्ली व नवोदय पब्लिक स्कूल के उक्त आयोजन व संयोजन में मुख्य अतिथि साहित्यकार शिक्षाविद् डॉ हीरेन्द्र गौतम विद्यासागर रहे वहीं अध्यक्षता धीरेन्द्र द्विवेदी सेवा निवृत्त प्राचार्य ने की। विशेष सानिध्य गणेश प्रसाद द्विवेदी व डॉ राजकुमार पाण्डेय अध्यक्ष श्री दरबार फाउंडेशन दिल्ली का रहा। आए हुए अतिथियों का स्वागत माल्यार्पण व शाल श्रीफल से नवोदय पब्लिक स्कूल के रावेन्द्र द्विवेदी, पंकज उपाध्याय व प्रीतू सिंह ने किया। इस दौरान लगभग इक्यावन शिक्षकों राष्ट्रीय शिक्षा रत्न सम्मान एवं साहित्यकारों को साहित्य श्री काव्य सम्मान राष्ट्रीय विद्याभूषण सम्मान सहित नवोदय शिक्षा गौरव सम्मान वैदिक श्री सम्मान एवं मंचीय संचालन हेतु देश का राष्ट्रीय सम्मान स्तुति घोष सम्मान कवि आशीष तिवारी निर्मल लालगांव को दिया गया।

महिला अंडर-18 अंतर संभागीय क्रिकेट प्रतियोगिता

रोमांचक मुकाबले में सागर ने ग्वालियर को 7 रनों से पराजित किया

सागर की रियांशु लोधिया बनीं मैच की सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी

जागरण, रीवा। डिवीजनल क्रिकेट एसोसिएशन के आयोजकत्व में मध्यप्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन की 18 वर्ष से कम आयु की महिला खिलाड़ियों की अंतरसंभागीय क्रिकेट प्रतियोगिता के ग्रुप 'सी' के अंर्तगत नगर के एमपीसीए क्रिकेट मैदान में ग्वालियर एवं सागर के बीच खेले गये दूसरे दौर के मैच में सागर की टीम ने 7 रनों की रोमांचक जीत दर्ज की। उक्त जानकारी देते हुये रीवा डिवीजनल क्रिकेट एसोसिएशन के सहसचिव देवेश शुक्ला ने बताया कि इस मैच में टॉस ग्वालियर की टीम ने जीता तथा सुबह के भारी मौसम का फायदा उठाने के उद्देश्य से सागर को पहले बल्लेबाजी करने का आमंत्रण दिया। सागर की दोनों ओपनिंग बल्लेबाजों कविशा पाठक एवं वैभवी शर्मा पहले विकेट के लिये 39 रनों की साझेदारी कर टीम को ठोस शुरुआत जरूर प्रदान की पर उनके अन्य बल्लेबाज इस अच्छी शुरुआत का फायदा उठाने में नाकामयाब रहे, जिसके परिणाम स्वरूप सागर की टीम निर्धारित 40 ओवरों में 130 रन बनाकर आउट हो गयी। सागर की ओर से रियांशु लोधिया ने सर्वाधिक 25 रन बनाये। उनके अतिरिक्त कविशा पाठक ने 22 रन व खुशी पटले ने नाबाद 16 रन बनाये। ग्वालियर की ओर से सधी हुई गेंदबाजी करते हुये राशि धवई एवं यशस्विनी बोहरे ने 2-2 विकेट लिये। जीत के लिये मिले 131 रनों के लक्ष्य को पाने के लिये ग्वालियर की टीम की दोनों ओपनिंग बल्लेबाजों यशस्विनी बोहरे एवं आयुषी भदौरिया ने पहले विकेट के लिये 51 रन जोड़कर टीम को काफी मजबूत शुरुआत दी तथा लगा कि ग्वालियर ये मैच आसानी के साथ जीत लेगी पर उसके बाद सागर की गेंदबाजों ने भी जुझारू खेल दिखाया तथा इस दौरान गेंद और बल्ले के बीच एक अच्छा संघर्ष देखने को मिला पर अंत मे परिणाम गेंदबाजी करने वाली टीम सागर के पक्ष में गया, क्योंकि ग्वालियर की टीम को धीमी बल्लेबाजी का परिणाम भुगतना पड़ा व उनकी टीम निर्धारित 40 ओवरों में 9 विकेट खोकर 123 रन ही बना सकी तथा सागर ने 7 रनों की रोमांचक जीत दर्ज की । ग्वालियर के लिये यशस्विनी बोहरे ने सर्वाधिक 30 रन बनाये। उनके अलावा अक्षिता वत्स ने 21 रन व आयुषी भदौरिया ने 20 रन बनाये । सागर की ओर से नियंत्रित गेंदबाजी करते हुये स्वीटी चौहान, राधिका रघुवंशी एवं रियांशु लोधिया ने 2-2 विकेट लिये। इस मैच के अंपायर शहडोल के डॉ.राकेश त्रिपाठी एवं इन्दौर के पार्थ तोमर रहे जबकि मऊगंज के पवन तिवारी स्कोरर थे। खिलाड़ियों के प्रदर्शन को परखने के लिये बतौर चयनकर्ता ग्वालियर की हेमा राजनगांवकर भी मैचों के दौरान मौजूद रहेंगी। मैच के समाप्त होने के पश्चात चयनकर्ता हेमा राजनगांवकर, दोनों अंपायर राकेश त्रिपाठी एवं पार्थ तोमर, आरडीसीए के सह सचिव देवेश शुक्ला की उपस्थिति में मैच में शानदार खेल का प्रदर्शन करने वाली सागर की रियांशु लोधिया को मैच की सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का पुरस्कार प्रदान किया गया।

कल्याण सिंह अति विशिष्ट कैंसर संस्थान
सी0जी0 सिटी, सुल्तानपुर रोड, लखनऊ-226002
(उत्तर प्रदेश सरकार का स्वायत्तशासी संस्थान)
Website: http://cancerinstitute.edu.in Email:office.sscih@gmail.com

Custom GeM Bid Notice

सूचित किया जाता है कि कस्टम GeM बिड संख्या **GEM/2025/B/6095984** दिनांक **01.04.2025** को **Custom Bid for Hospital Management Information System and Facility Management Services (FMS)** के लिए GeM पोर्टल पर अपलोड किया गया है। समस्त इच्छुक सेवा प्रदाताओं/निविदाकर्ताओं से निविदा की शर्तों के अनुसार जेमपोर्टल बिड आमंत्रित की जाती है।निदेशक, के.एस.एस.एस.सी.आई., लखनऊ बिना कोई कारण बताए किसी भी या सभी बिडों को किसी भी स्तर पर स्वीकार या अस्वीकार करने का अधिकार सुरक्षित रखते हैं।

Pre-bid Meeting :-
Date : 08.04.2025, Time : 03:00 pm

नोट-1. बैठक वीडियो लिंक के माध्यम से आयोजित की जाएगी जिसके लिए कृपया निर्दिष्ट तिथि और समय से कम से कम 3 दिन पहले **office.sscih@gmail.com** पर एक अनुरोध ईमेल करें और आपको इसमे शामिल होने के लिए एक पुष्टिकरण और लिंक प्राप्त होगा।
2. कृपया शुद्धिपत्र देखें।
निविदा दस्तावेज संस्थान की वेबसाइट **www.cancerinstitute.edu.in** पर उपलब्ध है।

Adv. No: KSSSCI/Tender-01/2025-26 निदेशक

दैनिक जागरण
www.dainikjagranmpcg.com
रीवा, 03 अप्रैल 2025 चैत्र शुक्ल 6 संवत 2082
संस्थापक ▸ गुरुदेव गुप्त

गीता

कस्माच्च ते न नमेरन्महात्मन गरीयसे ब्रह्मणोऽप्यादिकर्त्रे।
अनन्त देवेश जगन्निवास त्वमक्षरं सदसत्तत्परं यत॥

भावार्थ : हे महात्मन! ब्रह्मा के भी आदिकर्ता और सबसे बड़े आपके लिए वे कैसे नमस्कार न करें क्योंकि हे अनन्त! हे देवेश! हे जगन्निवास! जो सत्य, असत्य और उनसे परे अक्षर अर्थात सच्चिदानन्दन ब्रह्म है, वह आप ही हैं।

प्रमुखों के बयानों में विरोधाभास से बढ़ेगा असमंजस

आरएसएस के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबोले ने कहा कि स्वयंसेवक मथुरा और काशी से जुड़े आंदोलनों में भाग ले सकते हैं, हालांकि उन्होंने सामाजिक कलह से बचने की भी बात कही। उनका यह बयान संघ प्रमुख मोहन भागवत के पिछले रुख से अलग है, जिसमें भागवत ने शिवलिंग तलाशी पर आपत्ति जताई थी। होसबोले का बयान संघ के पिछले स्टैंड से उलट दिख रहा है। इससे पहले भागवत ने मस्जिदों के मुद्दे पर स्पष्ट रुख रखा था। होसबोले ने यह भी साफ किया कि संघ ऐसे किसी आंदोलन का हिस्सा नहीं बनेगा। लेकिन, उनकी बातें विरोधाभासों से भरी लगती हैं और इससे सामाजिक समरसता बनाने में कोई मदद नहीं मिलेगी। होसबोले ने 1984 का हवाला दिया कि उस समय विश्व हिंदू परिषद और साधु-संतों ने तीन मंदिरों का मुद्दा उठाया था। अब जब वह कह रहे हैं कि संघ काशी, मथुरा के मंदिरों का मुद्दा उठाने पर आपत्ति नहीं करेगा तो जाहिर है, इसका यह मतलब निकाला जाएगा कि उन्होंने अपने स्वयंसेवकों को इजाजत दे दी है। यह संघ प्रमुख मोहन भागवत के उस रुख से बिल्कुल अलग है, जिसमें उन्होंने कहा था कि हर मस्जिद के नीचे शिवलिंग तलाशना सही नहीं है। भागवत ने पिछले साल दिसंबर में कहा था कि, कुछ लोगों को लगता है कि वे नई जगहों पर इसी तरह के मुद्दों को उठाकर हिंदुओं के नेता बन सकते हैं। ऐसे में होसबोले का बयान असमंजस बढ़ाने वाला है। संघ कार्यकर्ता क्या समझें, कि उन्हें भागवत की लाइन पकड़नी है या होसबोले की? राम मंदिर निर्माण के बाद लगा था कि मंदिर-मस्जिद का मुद्दा खत्म हो जाएगा, लेकिन हर कुछ दिन बाद एक नई जगह विवादों की जद में आ जा रही है और यह सब हो रहा है, प्लेसेस ऑफ वर्शिप एक्ट 1991 के होते हुए। इसकी वजह इस एक्ट की 2022 में की गई वह अतिरिक्त व्याख्या है, जो सुप्रीम कोर्ट ने की थी। तब शीर्ष अदालत ने कहा था कि किसी पूजास्थल का धार्मिक स्वरूप नहीं बदला जा सकता, लेकिन धार्मिक स्वरूप की जांच करने से कानून नहीं रोकता। अब इसी की आड़ में तमाम जगह सर्वे की मांग उठ रही है। ऐसे माहौल में होसबोले के बयान से बात और बिगड़ जाएगी।

आरएसएस के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबोले का यह कहना कि स्वयंसेवक अगर मथुरा और काशी से जुड़े आंदोलनों में भाग लेते हैं, तो संगठन को आपत्ति नहीं होगी, संघ के पिछले स्टैंड से उलट है। ऐसे में होसबोले के बयान से बात संभलेगी नहीं, बल्कि और बिगड़ जाएगी।

वक्फ संपत्तियों के सदुपयोग और सुरक्षा की ओर कदम

राष्ट्रीय

मुस्लिम संगठन और तथाकथित धर्मनिरपेक्ष पार्टियां वक्फ संशोधन विधेयक के खिलाफ क्यों हैं? ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड (एआईएमपीएलबी) देश भर में इसके खिलाफ प्रदर्शन कर रहा है। तमिलनाडु, तेलंगाना, कर्नाटक, केरल और पश्चिम बंगाल जैसे विपक्ष-शासित राज्यों ने विधेयक के खिलाफ प्रस्ताव पारित किए हैं, जबकि विपक्षी दल इसके खिलाफ संसद में लामबंद हैं। हालांकि, अजमेर शरीफ दरगाह के प्रमुख हाजी सैयद सलमान चिश्ती ने नए कानून का स्वागत किया है।

दरअसल, वक्फ धार्मिक या धर्मार्थ उद्देश्यों के लिए चल या अचल संपत्ति का स्थायी दान है। वक्फ संपत्तियों का प्रबंधन वक्फ अधिनियम, 1995 द्वारा होता है और इसकी देखरेख केंद्रीय वक्फ परिषद और राज्य वक्फ बोर्ड करते हैं। देश में 37.39 लाख एकड़ में फैली 8.72 लाख पंजीकृत वक्फ संपत्तियां हैं। हालांकि, केवल 1,088 संपत्तियों के पास वक्फ डीड (ऐसा कानूनी दस्तावेज, जो प्रमाणित करे कि संपत्ति धार्मिक या धर्मार्थ उद्देश्यों के लिए वक्फ के रूप में समर्पित की गई है) पंजीकृत हैं, और 9,279 अन्य के पास स्वामित्व अधिकार स्थापित करने वाले दस्तावेज हैं। वक्फ संपत्तियां शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा या धर्मार्थ उद्देश्यों के लिए समुदाय के कल्याण हेतु उपयोग करने के लिए होती हैं, लेकिन ऐसे कई मामले सामने आए हैं, जिनमें राजनीतिक रूप से जुड़े मुस्लिमों ने वक्फ की संपत्तियों को धोखाधड़ी कर हड़प लिया है या फिर उन पर कब्जा कर लिया है। इनसे आम गरीब मुसलमानों, खासकर महिलाओं में चिंता उभरी है।

नए वक्फ संशोधन 2024 विधेयक का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि वक्फ संपत्तियों की सुरक्षा की जाए और उनका तयशुदा इस्तेमाल भी हो। यह वक्फ संपत्तियों में कुप्रबंधन, भ्रष्टाचार और अतिक्रमण के दीर्घकालिक मुद्दों को हल करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण विधायी कदम है।

सवाल उठता है कि क्या वक्फ वाकई वंचित समुदायों और गरीबों के कल्याण व उत्थान के लिए

नए वक्फ संशोधन विधेयक का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि वक्फ संपत्तियों की सुरक्षा की जाए और उनका तयशुदा इस्तेमाल भी हो। यह वक्फ संपत्तियों में कुप्रबंधन, भ्रष्टाचार और अतिक्रमण के दीर्घकालिक मुद्दों को हल करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण विधायी कदम है।

शेखर अय्यर

काम कर रहा है, जबकि उन्हें ही इसके लाभों और निर्णय लेने से बाहर रखा गया है। सबसे बड़ी खामी यह है कि वक्फ अधिनियम की धारा 40 वक्फ बोर्ड को उसके द्वारा एकत्र की गई जानकारी के आधार पर किसी भी संपत्ति को, जिसे वह उचित समझे, वक्फ घोषित करने की अनुमति देती है।

इससे बड़े विवाद पैदा हो गए हैं, क्योंकि इसे न्यायाधिकरण में तो चुनौती दी जा सकती है, जिसका निर्णय अंतिम होता है।

आंकड़ों की मानें, तो करीब 60,000 वक्फ संपत्तियां अतिक्रमण से ही हथियाई गई हैं। नए कानून के तहत वक्फ डीड अनिवार्य है। सभी संपत्तियों की जानकारी छह महीने के भीतर पोर्टल पर अपलोड करनी होगी।

केंद्रीय वक्फ परिषद और राज्य वक्फ बोर्डों में कम से कम दो मुस्लिम महिलाएं और राज्य व संघशासित प्रदेशों के वक्फ बोर्ड में एक-एक सदस्य बोहरा और आगाखानी समुदाय से होना अनिवार्य होगा। पिछड़े वर्ग के मुसलमान भी बोर्ड का हिस्सा होंगे, जिसमें दो गैर-मुस्लिम सदस्य होंगे। राज्य सरकारें बोहरा और आगाखानी समुदायों के लिए स्वतंत्र वक्फ बोर्ड स्थापित कर सकती हैं। इससे वक्फ संपत्ति प्रबंधन में समावेशिता और विविधता को बढ़ावा मिलेगा। अत- हमें स्पष्ट होना चाहिए कि मस्जिदों और कब्रिस्तानों जैसी लंबे समय से चली आ रही वक्फ संपत्तियों को संरक्षित रखने के स्पष्ट प्रावधान कानून में किए गए हैं। अतीत में कुछ संपत्तियां औपचारिक दस्तावेज के बिना भी धार्मिक या धर्मार्थ उद्देश्यों के लिए उनके दीर्घकालिक उपयोग के आधार पर वक्फ बन गईं। हालांकि, यह प्रावधान अब मौजूद नहीं रहेगा, क्योंकि वक्फ डीड अनिवार्य होगी, लेकिन मस्जिदों और कब्रिस्तानों जैसी वक्फ संपत्तियों को संरक्षण दिया जाएगा, जो इस अधिनियम के लागू होने से पहले या उससे पहले वक्फ बोर्ड के साथ पंजीकृत हैं, जब तक कि वे विवादित न हों या सरकारी संपत्ति के रूप में वर्गीकृत न हों।

सरकार ने नए कानून का बचाव करते हुए कहा है कि कुछ लोग मुसलमानों में डर पैदा कर उन्हें गुमराह करने की कोशिश कर रहे हैं, जबकि नया कानून पारदर्शिता बढ़ाने, लैंगिक समानता सुनिश्चित करने और वक्फ प्रशासन को सुव्यवस्थित करने में महत्वपूर्ण साबित होगा। नया कानून वक्फ संपत्तियों के सदुपयोग को सुनिश्चित करेगा, जिससे गरीबों और महिलाओं को ज्यादा?लाभ मिलेगा। यह अस्पताल, स्कूल, कॉलेज और अनाथालय जैसी आवश्यक संस्थाएं भी स्थापित करेगा। सरकार नए कानून के जरिये मुस्लिम समुदाय में विधवाओं, तलाकशुदा महिलाओं और अनाथों के सामाजिक हाशिये को खत्म करने और वित्तीय सुरक्षा प्रदान करने का भी इरादा रखती है। आखिर निहित स्वार्थ वाले लोग गरीब मुसलमानों के लिए अधिक लाभ के खिलाफ क्यों हैं? क्या उन्हें डर है कि अवैध संपत्तियों का उनका आनंद खत्म हो जाएगा?

सरकारी अफसरों की कार्यशैली पर उठ रहे सवाल

प्रसंगवश

ईमानदारी, पारदर्शिता और जवाबदेही के बिना कहीं भी सुशासन की उम्मीद नहीं की जा सकती। अगर कोई अधिकारी आदेश के अनुपालन में लापरवाही बरतता है, तो उसके खिलाफ निस्संदेह कार्रवाई होनी चाहिए। सरकारी अधिकारियों और कर्मचारियों को अपनी संपत्ति का ब्योरा देने के लिए बार-बार कहने पर भी सार्थक नतीजे नहीं निकले हैं, तो इसकी वजह क्या हो सकती है, इसे समझा जा सकता है।

दरअसल, कोई बड़ी दंडात्मक कार्रवाई न होने से प्रायः अधिकारी अपनी संपत्ति का ब्योरा देने से कतराते हैं। ऐसे में, संसद की एक स्थायी समिति ने निर्धारित समय सीमा में ब्योरा दाखिल न करने वाले भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारियों के खिलाफ उचित कार्रवाई का सुझाव देकर स्पष्ट कर दिया है कि उनमें कहीं न कहीं पारदर्शिता की कमी है। हैरत की बात है कि निर्देश के बावजूद वर्ष 2024 में इक्यानबे अधिकारियों ने अपनी संपत्ति का ब्योरा दाखिल किया। जबकि इससे पहले तिहत्तर अधिकारियों ने ही ऐसा किया था।

समिति ने सुधारात्मक कार्रवाई की सिफारिश करते हुए आईपीआर समय पर दाखिल करना सुनिश्चित करने के लिए

संसदीय समिति के आदेश के बावजूद अधिकारियों ने अचल संपत्ति का ब्योरा नहीं दिया। ऐसे में उनकी कार्यशैली पर सवाल उठना स्वाभाविक है।

केंद्रीकृत अनुपालन निगरानी तंत्र स्थापित करने के लिए भी कहा है। कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग (डीओपीटी) से संबंधित अनुदानों की मांगों (2025-26) पर विभाग की कार्मिक, लोक शिकायत, कानून और न्याय संबंधी स्थायी संसदीय समिति ने अपनी 145वीं रिपोर्ट 27 मार्च को संसद में पेश की थी।

बड़े अधिकारी ब्योरा देने से बच रहे हों, तो जाहिर है कि कहीं न कहीं उनमें ईमानदारी का अभाव है। अगर कोई भ्रष्ट आचरण नहीं किया, तो फिर अपनी अचल संपत्ति की जानकारी देने से क्यों गुरेज?

वे कुछ छिपा रहे हैं, तो कहीं न कहीं कुछ गड़बड़ है। ऐसे में अधिकारियों की कार्यशैली पर सवाल उठना स्वाभाविक है।

कोई दो मत नहीं कि ऐसे अधिकारी ही जवाबदेही से बचने का प्रयास करते हैं। जब ऊपरी स्तर पर जवाबदेही नहीं दिखेगी, तो निचले स्तर पर क्या उम्मीद की जा सकती है।

यह तय है कि ईमानदारी, पारदर्शिता और जवाबदेही के बिना कहीं भी सुशासन की उम्मीद नहीं की जा सकती। अगर कोई अधिकारी आदेश के अनुपालन में लापरवाही बरतता है, तो उसके खिलाफ निस्संदेह कार्रवाई होनी चाहिए। संसद की स्थायी समिति का यह सुझाव उचित है कि संपत्ति का ब्योरा दाखिल करने के लिए एक निगरानी तंत्र स्थापित हो और इसमें एक कार्यबल का गठन किया जाए, जो ब्योरा दाखिल न करने वाले अधिकारियों पर नजर रखे।

सरकारी तंत्र में जवाबदेही सुनिश्चित होनी ही चाहिए। संसदीय समिति को इसी जवाबदेही की चिंता है। बेहतर होता कि अधिकारी स्वेच्छा से अपनी संपत्ति की सूचना देते। समिति की सिफारिश के बाद उम्मीद की जा सकती है कि इसके सकारात्मक नतीजे सामने आएं।

वन्य जीवों के जीवन से छेड़छाड़ बंद हो

वन्य जीव संरक्षण

मानव वन्य जीवों के जीवन में निरंतर व्यवधान पैदा कर रहे हैं। ताजा उदाहरण मध्य प्रदेश के श्योपुर में कूनो नेशनल पार्क का है, जहां ग्रामीणों ने मादा चीता ज्वाला को दो बार शिकार करने से रोका। मादा चीता अपने चार शावकों को लेकर निकली थी हालांकि कुछ लोग यह बेतुका तर्क दे सकते हैं कि ग्रामीणों ने दो पालतू जानवरों की जान बचाई, लेकिन यदि शिकार न मिलने के कारण भूख से मादा चीता और उसके शावक मर जाएं तो उसका दोषी कौन होगा? वैसे भी चीता के लिए शिकार पकड़ना आसान नहीं होता है।

कुछ साल पहले उत्तर प्रदेश के सहारनपुर में एक सड़क पर अजगर ने एक हिरण को जकड़ लिया था। एक युवा ने झाड़ी मार-मारकर अजगर को हिरण छोड़ने के लिए विवश कर दिया था। तब भी एक बहस चली थी कि क्या हमें प्रकृति और वन्यजीवों के साथ छेड़छाड़ करनी चाहिए?

भारत सरकार की कोशिश है कि देश में साल 1948 में ही विलुप्त हो चुके इस दुर्लभ जीव को

क्या मानव को वन्य जीवों के जीवन में व्यवधान पैदा करना चाहिए? संभवतः सभी का उत्तर नहीं होगा, लेकिन मानव वन्य जीवों के जीवन में निरंतर व्यवधान पैदा कर रहे हैं।

पुष्परंजन

पुनर्स्थापित किया जाए, लेकिन क्या हम ऐसा होने देने के इच्छुक हैं? कूनो नेशनल पार्क से जुड़े वन्य अधिकारियों का स्पष्ट कहना है कि चीता कभी मानव पर हमला नहीं करता है। फिर भी श्योपुर में लोग न जाने क्यों घबराए हुए हैं? लगता है, उन्हें यह तथ्य पता नहीं है। वो तो गनीमत रही कि मादा चीता और शावकों को ग्रामीण ने लाठी-डंडों से मार नहीं डाला।

मानव और वन्यजीवों का द्वंद्व नया नहीं है। यह आदिकाल से चला रहा है। अब तो स्थिति यह हो गई है कि हमने जंगल खत्म कर डाले हैं। जंगल में वन्यजीवों को शिकार नहीं मिलता तो वो मानव बस्तियों में आ जाते हैं।

हम भले वन्यजीवों से किसी शिकार को छुड़ाकर स्वयं को गौरवान्वित महसूस करें, लेकिन उस वन्यजीव का भी सोचिए, जिसको भोजन से वंचित किया गया है। विशेष कर यदि वन्यजीव मांसाहारी है तो उसे भोजन कहां से मिलेगा? वन्यजीव से शिकार को छुड़ाकर मानव कोई उपकार या पुण्य का कार्य तो कर नहीं रहा है, बल्कि वो प्रकृति के नियम को तोड़ रहा है।

देश में वन्यजीवों की सुरक्षा को लेकर कानून बने हुए हैं, सजा का प्रावधान है, लेकिन वन्यजीवों से शिकार छुड़ाने का जिक्र अभी कानून में नहीं है। कानून में संशोधन कर इस विषय को भी जोड़ना चाहिए। साथ ही, सरकार को जन-जागरूकता निरंतर लाने की आवश्यकता है।

ढलती उम्र में राजशाही के लिए हिंसक प्रतिरोध

अंतर्राष्ट्रीय

वो गुजरा जमाना था, जब राजा बीरेंद्र और रानी ऐश्वर्या की एक झलक पाने, और उनकी आवाज़ सुनने के लिए लोग उमड़ पड़ते थे। वर्ष 1990 में लोकतंत्र की बहाली के बाद भी बीरेंद्र की आभा फीकी नहीं पड़ी थी, जब उन्होंने अपनी पूर्ण सत्ता त्याग दी थी, और राजनीतिक दलों को राज्य के मामलों का प्रभार सौंप दिया था। यहां तक, कि माओवादियों ने भी, जिन्होंने कड़ी मेहनत से हासिल की गई राजनीतिक व्यवस्था के खिलाफ विद्रोह छेड़ा था, राजा की ज्यादा आलोचना नहीं की। न ही उन्होंने शुरू में रॉयल नेपाल आर्मी पर हमला किया, जबकि देश भर में पुलिस चौकियों पर हमले हो रहे थे।

इसके बाद नेपाली राजशाही के 240 साल के इतिहास में सबसे बड़ा रहस्यमय और दुर्भाग्यपूर्ण पल सामने आया। वर्ष 2001 में बीरेंद्र के परिवार को भारी सुरक्षा वाले शाही महल में गोली मार दी गई। इसके बाद शुरू शाही जांच में तत्कालीन युवराज दीपेंद्र को नरसंहार के लिए दोषी ठहराया गया, जबकि वे कुछ दिनों तक बेहोश रहे, उन्हें कोमा में राजा घोषित किया गया, और उनकी मृत्यु हो गई। यह जांच बीरेंद्र के दो भाइयों में से पहले, ज्ञानेंद्र की निगरानी में हुई। ज्ञानेंद्र की नीयत पर सवाल भी उठाये गए। फिर जांच की लीपापोती हो गई। ज्ञानेंद्र 1950 के दशक में पहली बार चार साल की उम्र में राजगद्दी पर बैठे थे। हालात ने उन्हीं ज्ञानेंद्र को 4 जून, 2001 को

नेपाल की राजनीति में राजशाही की वापसी की चर्चाएं फिर से गरमाई हैं, लेकिन इस सवाल के साथ कि क्या 80 की उम्र में ज्ञानेंद्र सत्ता का सुख भोग पाएंगे, और उनके परिवार का भविष्य क्या होगा।

पुष्परंजन

दोबारा से ताज पहनने का अवसर दिया। ज्ञानेंद्र ने पांच साल के कालखंड में लोकतांत्रिक ताकतों को अलग-थलग कर दिया। अंततः सत्ता में आये माओवादियों ने 28 मई, 2008 को नेपाल की संविधान सभा के जरिये राजशाही समाप्त कर दी। विगत कुछ वर्षों से राजशाही समर्थक हिंदू राष्ट्र की वापसी के एजेंडे को सुलगाने लगे थे। पूर्व राजा ज्ञानेंद्र उससे पहले, 30 जनवरी, 2025 को गोरखपुर अपने इष्ट देव, गुरु गोरखनाथ को खिचड़ी चढ़ाने आये थे, तब उन्होंने यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से भी मुलाकात की थी।

अपरोक्ष रूप से ज्ञानेंद्र ने अपने दो निकटस्थ ज्योतिरादित्य सिंधिया और डॉ. कर्ण सिंह से भी राजशाही वापसी में मदद की उम्मीद तोड़ी नहीं थी। ज्योतिरादित्य सिंधिया की मां, माधवी राजे (किरण राज्य लक्ष्मी देवी), नेपाल के शाही परिवार से थीं। और डॉ. कर्ण सिंह की पत्नी महारानी यशो राज्य लक्ष्मी नेपाल के अंतिम राणा प्रधानमंत्री मोहन शमशेर जंग बहादुर परिवार से। नेपाल के शाही परिवारों से भारतीय रजवाड़ों का भावनात्मक रिश्ता बरकरार है।

विगत शुक्रवार को जो कुछ काठमांडो में हुआ, वो वीभत्स और विनाशकारी था।

लेकिन, 80 की उम्र छूने वाले ज्ञानेंद्र सत्ता का सुख भोग भी पाएंगे? उनके बेटे, पारस की छवि एक लापरवाह, 'ड्रग एडिक्ट', गंभीर रूप से बीमार राजकुमार की है।

ज्ञानेंद्र के पोते हृदयेंद्र ने अभी-अभी कॉलेज की पढ़ाई पूरी की है, और उन्हें शासन कला का प्रशिक्षण तक नहीं मिला है। नेपाल में हिन्दू राष्ट्र की वापसी भी होती है, तो वहां का 'मोदी' कौन होगा? ये तमाम सवाल, विक्रम के कंधे पर वेताल जैसे हैं।

SUDOKU 89

			3		2	6	5	
3			7					
7		4		6	5	3		
5	3	8						
						5	4	2
		7	9	3		2		6
					8			9
	8	9	2		7			

SOLUTIONS 88

9	6	4	3	2	5	7	1	8
5	3	7	6	8	1	2	4	9
8	1	2	9	4	7	3	6	5
7	4	9	8	5	3	6	2	1
6	8	1	2	7	9	5	3	4
2	5	3	1	6	4	9	8	7
1	7	5	4	3	2	8	9	6
3	9	6	7	1	8	4	5	2
4	2	8	5	9	6	1	7	3

Rules : The 3x3 sub-grids are called regions. Number already filled in the grid are called givens. The goal of the player is to fill the blank grids of every row, every column and every 3x3 box with the numbers 1,2,3,4,5,6,7,8,9 However, All rows, colums and regions (3x3) should contain numbers 1 to 9 without repeating.

राशिफल

मेष : आज अनुशासन ही आपकी ताकत है। सेहत के मामले में सावधानी बरतने की जरूरत है। मामूली मुद्दों के बावजूद आपका लव कनेक्शन मजबूत रहेगा।

वृषभ : आज आपको अपनी हेल्थ पर ध्यान देना चाहिए। कोई भी प्रॉब्लम आपके लिए बड़ी नहीं है। मित्रों का सहयोग मिलेगा। कारोबार में वृद्धि तो होगी।

मिथुन : व्यावसायिक जीवन में उथल-पुथल की स्थिति बनी रहेगी। आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। पैसों के मामले में आंख बंद करके किसी पर भरोसा न करें।

कर्क : जीवन में सकारात्मक बदलाव हो रहे हैं। चुनौतियों को स्वीकार करें, जो आपको व्यक्तिगत विकास और नए अवसरों की ओर ले जा सकती है। आज का दिन बहुत उतार-चढ़ाव वाला रहेगा।

सिंह : आज के दिन अपने लक्ष्य पर दृढ़ रहें। मामूली स्वास्थ्य मुद्दे मौजूद रहेंगे। आज के दिन आपको पॉजिटिव सोच पर फोकस करना चाहिए।

कन्या : आज नई जिम्मेदारियां आपकी क्रिएटिव स्किल्स को निखारेंगी। सामाजिक तौर पर और करियर में ग्रोथ की काफी संभावना है। आज अपने पैसों को स्मार्ट तरीके और सावधानी के साथ हैन्डल करें।

तुला : आपका स्वास्थ्य भी आज ठीक रहेगा। आज का आपका दिन प्रोडक्टिव रहने वाला है। अपने प्रेम जीवन में ईमानदार रहें। बातचीत में संयत रहें। हाइड्रेटेड रहें।

वृश्चिक : आज का आपका दिन दिलचस्प रहने वाला है। अपनी बुद्धि से हर मौके को अनलॉक करें। याद रखें, इंतजार करने वालों को अच्छी चीजें मिल सकती हैं।

धनु : आज का आपका दिन बदलावों से भरपूर रहने वाला है। सभी संभावनाओं और मौकों के लिए खुले रहें। मुस्कान के साथ चुनौतियां का सामना करें।

मकर : आज मिला-जुला दिन रहेगा। पारिवारिक रिश्ते में खुशहाली आएगी। कार्यालय की राजनीति से बचें। हर चुनौती को सहज स्वीकार करना जरूरी है।

कुंभ : आज का दिन थोड़ा रिस्की साबित हो सकता है। नए अवसरों को हाथ से जाने न दें। करियर और प्यार में नए रास्ते सामने आ सकते हैं, सावधानी से हर एक कदम उठाएं।

मीन : आपको व्यावसायिक और व्यक्तिगत जीवन में अवसर मिल सकते हैं। आपके सामान्य रवैये में थोड़े से बदलाव की आवश्यकता हो सकती है। शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी।

आज का पंचांग

तिथि/संवत : 3 अप्रैल 2025 दिन गुरुवार चैत्र मास शुक्ल पक्ष षष्ठी तिथि विक्रम संवत 2082 शक संवत 1947।

सूर्य उदय कालीन ग्रह विचार

सूर्य मीन राशि में चंद्र वृषभ राशि में शाम को मिथुन राशि में मंगल कर्क राशि में बुध मीन राशि में गुरु वृषभ राशि में शुक्र शनि राहु मीन राशि में केतु कन्या में रहेगा।

सूर्य उदय कालीन नक्षत्र विचार

सुबह प्रातः काल वृषभ राशि का नक्षत्र रोहिणी का चतुर्थ चरण प्रारंभ होगा और इसका नक्षत्र पाया लोहा रहेगा सुबह प्रातः काल 10 बजे वृषभ राशि का नक्षत्र मृगशिरा का प्रथम चरण प्रारंभ होगा और इसका नक्षत्र पाया लोहा रहेगा दोपहर 4 बजे वृषभ राशि का नक्षत्र मृगशिरा का द्वितीय चरण प्रारंभ होगा और इसका नक्षत्र पाया लोहा रहेगा रात्रि 10 बजे मिथुन राशि का नक्षत्र मृगशिरा का, तृतीय चरण प्रारंभ होगा और इसका नक्षत्र पाया लोहा रहेगा।

योग : सौभाग्य। **करण :** कौलव।

चौघड़िया, गुरुवार

सुबह 6.00 से 7.30	शुभ
सुबह 7.30 से 9.00	रोग
सुबह 9.00 से 10.30	उद्वेग
सुबह 10.30 से 12.00	चर
दोपहर 12.00 से 1.30	लाभ
दोपहर 1.30 से 3.00	अमृत
दोपहर 3.00 से 4.30	काल
शाम 4.30 से 6.00	शुभ

आज जन्मे बच्चों की राशि और नाम

समय	नक्षत्र	चरण	पाया	राशि	अक्षर
प्रातः 6.00 से	रोहिणी	चतुर्थ	लोहा	वृषभ	वु
प्रातः 10.00	मृगशिरा	प्रथम	लोहा	वृषभ	वे
दोपहर 4:00	मृगशिरा	द्वितीय	लोहा	वृषभ	वो
रात्रि 10.00	मृगशिरा	तृतीय	लोहा	मिथुन	का

राहुकाल : दोपहर 1.30 से 3 बजे तक रहेगा।
दिशाशूल : दक्षिण दिशा में रहेगा।
खरीदारी का उचित समय : दोपहर 12 से 1.30 बजे तक रहेगा।
आराधना का मंत्र : ऊं या देवी सर्वभूतेषु माँ कात्यायनी रूपेण संस्थिता। नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमो नमः।

पं. अरविंद तिवारी

जीवन दर्शन

सफलता के लिए व्यवहार में सच्चे बनें

अक्सर लोग अपनी बदकिस्मती के लिए रोते और पछताते हैं, पर सच पूछें तो बदकिस्मती से उनका उतना नहीं बिगड़ा, जितना उनकी लापरवाही और जी लगाकर मेहनत न करने से बिगड़ता है।

यदि इस बात पर ध्यान दें कि मनुष्य को अपने काम में सफल होने के लिए कौन-कौन से उत्तम गुण प्राप्त करने चाहिए, तो व्यवहार में सफाई या ईमानदारी पहली बात होगी। इसके बिना कोई भी अपने रोजगार व कारोबार में प्रतिष्ठा या समृद्धि हासिल नहीं कर सकता। हिंदुस्तान के व्यापार घटने के जहां बहुत से कारण हैं, उनमें कानून की बारीकियां भी एक है। कितने तरह के रोजगार और पेशे बदनाम हैं कि वे अच्छे, शिष्ट पुरुष के करने योग्य समाज में नहीं समझे जाते, लेकिन निश्चय मानें कि वह काम या पेशा अपने-आप में बुरा नहीं है, बल्कि जो लोग उसे करते हैं, उनके कारण वह बदनाम हो गया है।

कोई भी काम, जो ईमानदारी से किया जाए और उचित लाभ के अतिरिक्त एक पैसा भी बेईमानी का उसमें न आए, वह सर्वथा प्रतिष्ठित और सराहना के योग्य है।

किसी ऊंचे लक्ष्य के लिए छोटा काम करना भी बुरा नहीं है, बशर्ते उसकी ईमानदारी में कोई बट्टा न लगे। जिसका मन दृढ़ है और डिगता नहीं, वही अपनी कड़ी मेहनत की कौड़ी को अपनी मानता है। वह बेईमानी से मिले अनुचित लाभ को, चाहे वह सोना ही क्यों न हो, मिट्टी का ढेला मानता है। कड़ी मेहनत, ईमानदारी और मुस्तैदी-ये तीन बातें रोजगार के लिए बहुत जरूरी हैं। हम भले ही बहुत योग्य और लायक हों, पर यदि चौकसी और अपने काम में मुस्तैद रहना नहीं जानते, तो हमसे वह बेहतर है, जो भले ही बहुत योग्य न हो, किंतु मुस्तैदी और चौकसी से काम में जुटा रहता है, तो उसे सफलता अवश्य मिलती है।वास्तव में, जो ईमानदार हैं, वे अपने काम और बर्ताव, सब में स्वच्छता और सफाई रखने से नहीं चूकते। समाज में सम्मान पाते हैं। वहीं, जो व्यवहार में सच्चा नहीं है, वह कितना ही बड़ा विद्वान और धनवान हो, विश्वास हासिल नहीं कर सकता। इसलिए अपने व्यवहार में सच्चे बनें।

बालकृष्ण भट्ट

सौगात | केंद्रीय मंत्री गडकरी ने 4303 करोड़ किए मंजूर, सीएम मोहन यादव ने जताया आभार

मप्र के 4303 करोड़ के चार रोड प्रोजेक्ट को दी गई मंजूरी

एजुकेशन रिपोर्टर, भोपाल। केंद्रीय सड़क और परिवहन मंत्रालय ने भोपाल जिले में संदलपुर-नसरुल्लागंज बायपास और भोपाल-कानपुर कॉरिडोर में विदिशा-सागर सहित प्रदेश में कुल चार प्रोजेक्ट को मंजूरी दी है। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने सूबे के लिए 4303 करोड़ रुपए स्वीकृत दी है। उन्होंने सोशल मीडिया के एक्स प्लेटफार्म एमपी के लिए मंजूर चार प्रोजेक्ट की जानकारी दी है। इसमें मुरैना-ग्वालियर, सागर, भोपाल-सीहोर और विदिशा-सागर रोड पर बायपास बनाने के प्रोजेक्ट शामिल हैं। यहां कुल 102 किमी सड़कों का निर्माण होगा, जिस पर 4302.93 करोड़ रुपए का खर्च होंगे।

भोपाल के संदलपुर नसरुल्लागंज बायपास के लिए 1535.66 करोड़

भोपाल जिले में संदलपुर से नसरुल्लागंज बाईपास तक 1535.66 करोड़ रुपए की लागत से राष्ट्रीय राजमार्ग-146 बी के 43.200 किमी लंबाई के सेक्शन को 4-लेन बनाने के लिए साथ स्वीकृति दी गई है। यह राष्ट्रीय राजमार्ग-47, राष्ट्रीय राजमार्ग-46 और राष्ट्रीय राजमार्ग-45 उक्त तीन राजमार्गों को कनेक्टिविटी प्रदान करता है। इसके बनने से अत्यधिक भीड़भाड़ वाले पार्ट को पेव्ड शोल्डर सहित 4-लेन तक चौड़ा करने से लंबे मार्ग के ट्रैफिक और माल ढुलाई की स्थिति में सुधार होगा। इससे सुरक्षित आवाजाही और यात्रा के समय में कमी आएगी।

भोपाल-कानपुर कॉरिडोर में विदिशा-सागर की सड़कें बनेंगी

एक अन्य ट्वीट में गडकरी ने कहा है कि इसी तरह प्रदेश के विदिशा और सागर जिले में राहतगढ़ से बेरखेड़ी तक राष्ट्रीय राजमार्ग-146 के 10.079 किमी हिस्से को 4-लेन बनाने के लिए 731.36 करोड़ रुपए की लागत के साथ स्वीकृति दी गई है। यह परियोजना भोपाल-कानपुर इकोनॉमिक कॉरिडोर का हिस्सा है। यह परियोजना राहतगढ़ के घनी आबादी वाले शहर को बाईपास करेगी और निर्बाध और तेज कनेक्टिविटी बनाएगी। यह परियोजना राष्ट्रीय राजमार्ग-44 और राष्ट्रीय राजमार्ग-346 को कनेक्टिविटी प्रदान करेगी।

औद्योगिक गतिविधियों को मिलेगा बढ़ावा

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मध्यप्रदेश को 4 सड़क परियोजनाओं की मंजूरी देने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी का आभार व्यक्त किया है। मुख्यमंत्री ने दोनों नेताओं को धन्यवाद देते हुए कहा कि उनके नेतृत्व में प्रदेश को सड़क अधोसंरचना के क्षेत्र में अभूतपूर्व विकास देखने को मिल रहा है। केंद्र सरकार की ओर से मध्यप्रदेश को सड़क अधोसंरचना निर्माण और क्षेत्रीय विकास में एक बड़ी सौगात दी गई है। उन्होंने कहा कि ये सड़कें प्रदेश के विभिन्न हिस्सों को बेहतर कनेक्टिविटी प्रदान करेंगी और औद्योगिक एवं व्यापारिक गतिविधियों को बढ़ावा देंगी।

फोर लेन ग्रीनफील्ड बाईपास बदलेगा सागर शहर की तस्वीर

सागर जिले में राष्ट्रीय राजमार्ग-146 पर लहदरा गांव जंक्शन से राष्ट्रीय राजमार्ग-44 पर बेरखेड़ी गुरु गांव जंक्शन तक ग्रीनफील्ड 4-लेन बाईपास बनेगा। 688.31 करोड़ रुपए की लागत से सागर पश्चिमी बाईपास (लंबाई 20.193 किमी) का निर्माण होगा। मौजूदा राष्ट्रीय राजमार्ग-146 शहरी बस्तियों और अत्यधिक भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों से होकर गुजरता है। जिसके कारण अक्सर ट्रैफिक जाम होता है। केंद्रीय मंत्री ने एक्स पर पोस्ट के जरिए सागर जिले में लहदरा गांव जंक्शन को मंजूरी की जानकारी दी।

मुरैना और ग्वालियर के लिए एक्सेस कंट्रोल्ड 4 लेन बायपास

ग्वालियर शहर के पश्चिमी हिस्से में 1347.6 करोड़ रुपए की लागत के 28.516 किमी लंबे एक्सेस कंट्रोल्ड 4-लेन बाईपास के निर्माण की स्वीकृति दी गई है। यह परियोजना मुरैना और ग्वालियर जिले तथा मार्ग में स्थित अन्य महत्वपूर्ण ब्लॉकों और तहसील मुख्यालयों को जोड़ेगी। यह सड़क राष्ट्रीय राजमार्ग-44, 46 और आगरा-ग्वालियर एक्सेस कंट्रोल्ड हाईवे को कनेक्टिविटी प्रदान करेगा। इसके विकास से लंबे मार्ग के यातायात और माल ढुलाई की स्थिति में सुधार होगा। जिससे यात्रा समय में कमी आएगी।

पंचायत प्रतिनिधि जहां चाहेंगे गांवों में वहां बनेंगी सड़कें

विशेष संवाददाता, भोपाल। सरकार ने तय किया है कि अब किसी भी गांव में सड़क निर्माण से पहले वहां के जिला-जनपद पंचायत प्रतिनिधियों और स्थानीय विधायक की सहमति होनी चाहिए। इसके लिए यह जनप्रतिनिधि वकायदा विभाग को अपने प्रस्ताव सौंपेंगे,जिस पर तत्काल अमल किया जाएगा। इसी तरह गांवों की बसाहटों को भी प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना से जोड़ा जाएगा। बुधवार को यह निर्णय प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना की बैठक के दौरान लिए गए। बैठक में बताया गया कि प्रदेश की 26798 बसाहटें है,जहां अब तक सड़क कनेक्टिविटी नहीं है। प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना -4 के तहत बनने वाली 11 हजार 544 बसाहटों के लिए सर्वे का कार्य पूर्ण कर लिया गया है। जबकि शेष 26 हजार 798 बसाहटों की कनेक्विटी के लिए राज्य सरकार द्वारा पहल की जा रही है। बैठक में अधिकारियों से कहा गया कि प्रदेश का कोई ऐसा ग्रामीण क्षेत्र या बसाहटें ऐसी नहीं होनी चाहिए,जहां पर सुगम तरीके से आवाजाही नहीं की जा सके। शतप्रतिशत बसाहटों को सड़कों से जोड़ा जाए और इसके लिए जो भी प्रस्ताव तैयार हो,उन्हें समय सीमा में पूरा कराया जाए। बैठक में मौजूद मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने अधिकारियों से कहा कि सभी जिलों में सड़कों की आवश्यकता का वैज्ञानिक आधार पर सर्वे करने की योजना तैयार करें और विधायक व पंचायत प्रतिनिधियों की राय लेकर उस पर काम किया जाए। सीएम हाउस स्थित समत्व भवन में हुई इस बैठक में सीएम ने कहा कि बाढ़ व अन्य कारणों से यदि सड़कें या मार्ग क्षतिग्रस्त होते है,तो उन्हें फौरी तौर पर सही कराया जाए। इसके लिए अधिकारियों को सजग होना चाहिए। सड़कों का नियमित तौर पर मोबाइल एप,जियो टैगिंग तथा एआई टेक्नोलॉजी का उपयोग किया जाए।

जनपद पंचायत प्रतिनिधियों व विधायक की सहमति ली जाएगी

संक्षिप्त खबरें

आंगनवाड़ी में बच्चों के पोषण के साथ पढ़ाई पर भी फोकस

विसं भोपाल। पोषण भी, पढ़ाई भी कार्यक्रम के तहत प्रदेश की आंगनवाड़ियों को बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराने के साथ-साथ उन्हें शैक्षणिक केन्द्र में परिवर्तित किए जाएंगे। इसके लिए आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षित किया जा रहा है। इसी तरह पहली बार तीन वर्ष से छोटे बच्चों की देखभाल और संभावित दिव्यांगता की पहचान के लिए विशेष प्रयास करने के निर्देश दिए गए है। विभागीय जानकारी के अनुसार राष्ट्रीय जन सहयोग एवं बाल विकास संस्थान द्वारा प्रदेश में पोषण भी पढ़ाई भी कार्यक्रम को परिणाम मूलक बनाने के लिए विशेषज्ञों द्वारा राज्य के 2,758 परियोजना अधिकारियों और पर्यवेक्षकों को मास्टर ट्रेनर के रूप में प्रशिक्षित किया, जो अब प्रदेश की 95,253 आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षित कर रहे हैं। बताया गया है कि 93,454 आंगनवाड़ी कार्यकर्ता प्रशिक्षण प्राप्त कर चुके हैं। इससे महिला एवं बाल विकास विभाग बच्चों के सर्वांगीण विकास को केन्द्रबिन्दू में रखकर प्रयास कर रहा है। इस कार्यक्रम के तहत आंगनवाड़ी केंद्रों में तीन से छह वर्ष तक के बच्चों को स्कूल पूर्व शिक्षा दी जा रही है, जिससे वे प्राथमिक विद्यालय में औपचारिक शिक्षा के लिए तैयार हो सकें। कार्यक्रम के तहत ऐसे बच्चों की भी देखभाल की जानी है,जो श्रवण या दृश्य बाधाएँ, बोलने में देरी, डाउन सिंड्रोम, या सेरेब्रल पाल्सी के शिकार है। इसके लिए आंगनवाड़ी केन्द्र के प्रशिक्षित कार्यकर्ता ऐसे बच्चों का पता लगाएंगे,जिससे इन बच्चों को आगे चलकर गंभीर दिक्कतों से बचा जा सकता है। कार्यक्रम की प्रभावी निगरानी के लिए जिला कलेक्टरों और राज्य स्तरीय अधिकारियों द्वारा नियमित निरीक्षण किया जा रहा है। मार्च 2025 में दो चरणों में आयोजित इस प्रशिक्षण के दौरान ऑनलाइन उपस्थिति पंजीयन की व्यवस्था की गई, जिससे वास्तविक आंकड़े प्राप्त किए जा सके।

गेहूं का उपार्जन 9 अप्रैल तक

भोपाल। खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने बताया है कि किसानों के हित में रबी विपणन वर्ष 2025-26 में न्यूनतम समर्थन मूल्य पर गेहूँ उपार्जन के लिये पंजीयन की अवधि 9 अप्रैल तक बढ़ा दी गई है। पूर्व में पंजीयन की अवधि 31 मार्च 2025 तक निर्धारित की गई थी। राजपूत ने किसानों से आग्रह किया है कि जिन किसानों ने अभी तक पंजीयन नहीं करवाया है, वे 9 अप्रैल तक गेहूँ उपार्जन के लिये पंजीयन जरूर करायें। गेहूँ का न्यूनतम समर्थन मूल्य 2425 रूपये है और राज्य सरकार द्वारा 175 रूपये प्रति क्विंटल बोनस दिया जा रहा है। इस तरह से गेहूँ की खरीदी 2600 रूपये प्रति क्विंटल की दर से की जा रही है। उल्लेखनीय है कि गेहूँ उपार्जन के लिये 31 मार्च तक 15 लाख 9 हजार 324 किसान पंजीयन करा चुके हैं। गेहूँ का उपार्जन भी जारी है।

मृतकों की पार्थिव देह जल्द ही घर पहुंचायी जाएगीः सीएम

विसं भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि गुजरात के बनासकांठा स्थित पटाखा फैक्ट्री दुर्घटना अत्यंत दुःखद और कष्टदायी है। राज्य सरकार पूरी सक्रियता एवं तत्परता के साथ मुश्किल घड़ी में पीड़ित परिवार के साथ खड़ी है। पीड़ितों की सहायता के लिए राज्य सरकार की ओर से अनुसूचित जाति कल्याण मंत्री श्री नागर सिंह चौहान सहित पुलिस और प्रशासन के अधिकारी भी दुर्घटनास्थल पर पहुंचे हैं। मृतकों की पार्थिव देह उनके गृहग्राम एवं परिजन तक पहुंचाने की सभी जरूरी व्यवस्थाएं तेजी से की जा रही हैं।

आरजीपीवी में ने पेश किया 66 करोड़ के घाटे का बजट, एकेडमिक स्किल डेवलप और नामांकन बढ़ाकर घाटे की होगी पूर्ति

यूआईटी-यूटीडी को मिला बजट, सामान खरीदी के लिए आरजीपीवी के नहीं काटने पड़ेंगे चक्कर

एजुकेशन रिपोर्टर, भोपाल। राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में बुधवार को कार्यपरिषद की बैठक रखी गई। इसमें 66 करोड के घाटे का बजट प्रस्तुत किया गया। बैठक में आरजीपीवी की सभी यूआईटी और यूटीडी को अपने-अपने बजट दिए गए हैं। अब उन्हें क्रय करने के लिए बार-बार आरजीपीवी के चक्कर काटने की जरूरत नहीं होगी। वे स्वयं ही क्रय कर पाएंगे। बशर्ते उन्हें इसकी प्रशासनिक स्वीकृति आरजीपीवी से लेना होगी। बैठक में अतिथि विद्वानों का मानदेय पचास हजार रुपये कर दिया गया है। आरजीपीवी एकेडमिक स्किल डेवलप कर और नामांकन बढ़ाकर घाटे की पूर्ति करने का प्रयास करेगा। आगामी सत्र के लिए आरजीपीवी ने 235 करोड़ 33 लाख का अनुमानित बजट पेश किया है। प्रदेश की सभी यूनिवर्सिटी इंस्टीट्यूट आफ टेक्नालाजी (यूआईटी) भोपाल, शिवपुरी, शहडोल और झाबुआ के साथ यूटीडी (यूनिवर्सिटी टिचिंग डिपार्टमेंट) और पालीटेक्निक को क्रय करने के लिए बार-बार आरजीपीवी नहीं आना होगा। उन्हें एक बार में दस लाख तक की खरीदी करने का अधिकार कार्यपरिषद की बैठक में दिए गए हैं। अब आरजीपीवी हर यूटीडी और यूआईटी के लिए बजट आवंटित करेगी। उन्हें क्रय करने के लिए फाइल तैयार कर आरजीपीवी तक आने की जरूरत नहीं होगी। उन्हें खरीदी करने के लिए हर साल बजट दिया जाएगा। उन्हें क्रय करने के लिए सिर्फ आरजीपीवी से प्रशासनिक स्वीकृति लेना होगी। उन्हें अपना लेखा जोखा संभालकर रखना होगा। आरजीपीवी विद्यार्थियों की संख्या के हिसाब से बजट आवंटित करेगा।

संभाग स्तर पर होगा निरीक्षण

प्रदेश के निजी और सरकारी कालेजों के साथ आटोनोमश कालेजों में काफी अनियमितताएं बरती जा रही हैं। इससे लेकर काफी शिकायतें आती हैं। इसलिए ईसी ने निर्णय लिया है कि सभी कालेजों का संभाग स्तर पर एकेडमिक औचक निरीक्षण किया जाएगा। इससे इंजीनियरिंग की पढ़ाई में गुणवत्ता आएगी।

आरजीपीवी में कार्यरत गेस्ट फैकल्टी को मिलेगा 50 हजार रुपए मानदेय

आरजीपीवी में कार्यरत गेस्ट फैकल्टी को 37 हजार 500 रुपये का मानदेय दिया जाता है। जबकि शासन ने 50 हजार रुपये का आदेश जारी कर रखा है। इसलिए ईसी ने आरजीपीवी कार्यरत सभी गेस्ट फैकल्टी का मानदेय पचास हजार रुपये कर दिया है। आरजीपीवी में प्रतिनियुक्ति पर आए आधा दर्जन प्रोफेसरों का कार्यकाल 30 जून तक बढ़ा दिया गया है। वहीं अकुशल, अर्द्धकुशल और कुशल के कर्मचारियों को प्रमोट करने के लिए काफी समस्याएं आ रहीं थीं। इसलिए ईसी ने निर्णय लिया है कि उन्हें ट्रेनिंग दी जाए। उनका टेस्ट लिया जाए। इसके बाद उन्हें प्रमोट किया जाएगा। आरजीपीवी में खरीदी को लेकर काफी फर्जीवाडा किया गया है। इससे लेकर आरजीपीवी में फाइलों के ढेर लगे हुए हैं। ईसी ने निर्णय लिया है कि फर्नीचर खरीदी के बिलों का परीक्षण कर उनके गुण दोष को देखने के बाद बिलों का भुगतान किया जाएगा।

पहले ही दिन से उज्जैन पहुंचने लगी अवैध शराब

जागरण, उज्जैन। प्रदेश के सबसे प्रसिद्ध धार्मिक शहर उज्जैन में प्रतिबंध लगते ही अवैध शराब पहुंचने का सिलसिला शुरू हो गया है। बीते दो दिनों में पुलिस ने 44 हजार 500 रुपए से अधिक कीमत की शराब व बीयर जब्त की है। विभिन्न थाना क्षेत्रों में कार्रवाई कर पुलिस ने यह शराब जब्त की है। तीन लोगों को गिरफ्तार भी किया गया है। राज्य सरकार द्वारा प्रदेश के 17 धार्मिक शहरों व स्थलों पर एक अप्रैल से शराब की बिक्री प्रतिबंधित कर दी गई है। इनमें महाकाल की नगरी उज्जैन प्रमुख है, लेकिन शराबबंदी होते ही धार्मिक नगरी में अवैध शराब पहुंचना शुरू हो गई है। इसे रोकने के लिए उज्जैन पुलिस ने चेकिंग अभियान चलाया तो बुधवार को थाना क्षेत्रों से 5000 रुपए की 60 क्वाटर देसी शराब जब्त की गई है। इसके पहले एक अप्रैल को भी पांच आरोपी से 39,500 रुपए की देसी शराब के 404 क्वार्टर व 42 बीयर केन जब्त किए थे। पुलिस की चैकिंग में बुधवार को थाना नागझिरी एवं थाना जीवाजीगंज पुलिस ने अवैध शराब ले जा रहे तीन लोगों को पकड़ा है।

महुआ बीन रही महिला के गर्दन पर बाघ ने मारा झपट्टा, मौत

बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व में घटना के बाद ग्रामीणों में दहशत

जागरण, उमरिया। बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व के जंगल में महुआ बीनने गई एक महिला की बाघ के हमले में मौत हो गई। घटना के बाद ग्रामीणों में दहशत है। वन विभाग के अफसरों ने ग्रामीणों को समझाया है कि वह जंगल के ज्यादा अंदर ना जाएं। घटना बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व के पंपदा रेंज अंतर्गत कुशवाहा कोठिया गांव के पास सुबह 9 बजे के आसपास की है। इस घटना के बाद गांव के लोग आक्रोशित हो गए। बताया गया है कि बाघ ने उस समय महिला पर हमला किया जब वह महुआ बीन रही थी। बाघ के हमले में मरने वाली महिला का नाम रानी सिंह पति ओमप्रकाश सिंह गोड़ उम्र 27 साल निवासी कुशमाहा कोठिया बताया गया है। घटना के समय महिला घर के बगल में सुबह 9 बजे महुआ बीन रही थी। इसी दौरान अचानक बाघ ने हमला कर दिया जिससे महिला की मौत हो गई। बताया जा रहा है कि बाघ जंगल के बीच बसे इस गांव के काफी नजदीक घूम रहा है। बाघ झाड़ियों में छिपा था और उसकी नजर आसपास थी, जब रानी महुआ बीनने के लिए झुकी तो बाघ ने उसे भी जानवर समझ लिया और उसके ऊपर हमला कर दिया। बाघ ने महिला की गर्दन दबोच ली, जिससे मौके पर ही उसकी मौत हो गई। महिला को चीखने चिल्लाने का मौका भी नहीं मिल पाया, लेकिन आसपास मौजूद लोगों ने महिला पर बाघ को हमला करते हुए देख लिया था, जिससे उन लोगों ने शोर मचाना शुरू कर दिया।

माधव टाइगर रिजर्व पहुंचेगा पांच साल का बाघ

जागरण, उमरिया। बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व से एक 5 वर्षीय स्वस्थ नर बाघ को बुधवार को माधव टाइगर रिजर्व स्थानांतरित किया गया। यह बाघ खितौली और पतौर परिक्षेत्र के जंगल में अपना क्षेत्र बनाए हुए था। बाघ के रेस्क्यू के लिए तीन हाथी और 50 वनकर्मी लगाए गए थे। बुधवार को टाइगर रिजर्व के क्षेत्र संचालक अनुपम सहाय और उपसंचालक पीके वर्मा ने रेस्क्यू अभियान का नेतृत्व किया। टीम ने पतौर परिक्षेत्र के जंगल पी एफ 188 बगैहा बीट से बाघ को सुरक्षित निकाला। बाघ के चयन में कई मापदंडों का ध्यान रखा गया। इनमें बाघ की उम्र, उसका स्वास्थ्य और बाघिन के साथ दिखाई देने जैसे पहलू शामिल थे। रेस्क्यू टीम में बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ विशेषज्ञ डॉक्टर भी मौजूद थे। बाघ को विशेष सुरक्षा व्यवस्था के साथ ट्रक में शिवपुरी जिले स्थित माधव टाइगर रिजर्व ले जाया गया। उपसंचालक पीके वर्मा के अनुसार, बाघ पूरी तरह स्वस्थ है और टीम के सदस्य भी उसके साथ गए हैं।

रातापानी के पास मृत मिला तेंदुआ, वाहन से टकराया

जागरण, रायसेन। भोपाल-नागपुर हाईवे पर रायसेन के रातापानी टाइगर रिजर्व के बरखेड़ा रेंज के पास सड़क किनारे तेंदुआ मृत मिला है। तेंदुआ की मौत किसी वाहन की टक्कर से हुई है। बुधवार को शाहगंज जोड़ के पास ओवर ब्रिज के किनारे यह तेंदुआ पड़ा हुआ था। बताया जाता है कि रातापानी टाइगर रिजर्व में वन्य प्राणियों की सुरक्षा के लिए विशेष ब्रिज बनाए गए हैं, ताकि वे सुरक्षित रूप से सड़क पार कर सकें। इसके बावजूद तेंदुआ ओवर ब्रिज तक पहुंच गया, जहां यह हादसा हो गया। वन विहार के डॉक्टरों की टीम मौके पर पहुंची और तेंदुए का पोस्टमॉर्टम किया। रतापानी अभ्यारण्य अधीक्षक सुनील भारद्वाज के मुताबिक तेंदुए की मौत अज्ञात वाहन की टक्कर से हुई है।

हाईकोर्ट ने दहलीज पर ही मिटाया ट्रांसफर का सांप्रदायिक आधार, याचिका खारिज

जागरण इंदौर। यदि इसे स्वीकार कर लिया जाता है तो कल को मुस्लिम समुदाय का कोई वरिष्ठ अधिकारी अपने अधीनस्थों, जो गैर-मुस्लिम समुदाय से हैं, के स्थानांतरण का आदेश पारित करता है तो वह भी सांप्रदायिक पूर्वाग्रह की ऐसी आलोचना के अधीन हो सकता है, जिससे राज्य मशीनरी पूरी तरह विफल हो सकती है। परिणामस्वरूप अव्यवस्था पैदा हो सकती है। इस प्रकार, इस तरह की प्रथा को दहलीज पर ही हतोत्साहित किया जाना चाहिए। यह तल्ख टिप्पणी इंदौर हाईकोर्ट ने सांप्रदायिक आधार पर तबादले का आरोप लगाते हुए दायर याचिका पर सुनवाई के दौरान की है। अदालत ने इस याचिका को खारिज करते हुए आरोपों को निंदनीय भी माना है। इंदौर हाईकोर्ट में जस्टिस सुबोध अभ्यंकर की एकल पीठ ने कहा कि यदि इस तरह के निराधार आरोपों को उनके वास्तविक स्वरूप में स्वीकार किया जाता है तो इससे प्रशासनिक आदेशों के क्रियान्वयन में गंभीर उल्लंघन होगा। वे बुधवार को धार्मिक भेदभाव के आधार पर ट्रांसफर आदेश को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई कर रहे थे। न्यायाधीश ने माना कि याचिकाकर्ता ने ट्रांसफर को राजनीति व धार्मिक आधारित बताया है। याचिकाकर्ता रतलाम के नसीम उद्दीन सहित, रतलाम के ही प्रभारी सहायक नियंत्रक, विधिक माप विज्ञान के पद पर रतलाम से छिंदवाड़ा ट्रांसफर कर दिया गया। इसके याचिका लगाई थी जो खारिज हो गई है।

फर्जी एनकाउंटर मामले में सीबीआई ने डीएसपी को किया गिरफ्तार

जागरण, इंदौर। प्रदेश के नीमच इलाके में साल 2009 में बंशी गुर्जर फर्जी एनकाउंटर मामले में दिल्ली की सीबीआई टीम ने इंदौर जिले में पदस्थ डीएसपी ग्लेडविन को गिरफ्तार किया है। नीमच के कुख्यात अपराधी और तस्कर बंशी गुर्जर को पुलिस ने एनकाउंटर में मृत बताया था, जबकि वह जीवित निकला था।

इसके बाद पूरा मामला कोर्ट तक पहुंचा था। कोर्ट ने सीबीआई को जांच के निर्देश दिए थे। सीबीआई ने मामले की जांच की तब नीमच थाने में बतौर थाना प्रभारी ग्लेडनिव पदस्थ थे। जांच में उनकी भूमिका भी संदिग्ध पाई गई थी, उनके खिलाफ सबूत मिलने के बाद टीम ने उन्हें गिरफ्तार किया। बंशी गुर्जर नीमच क्षेत्र का तस्कर है। उस पर कई मामले दर्ज हैं। वर्ष 2009 में पुलिस ने बताया था कि बंशीलाल उर्फ शिवा पिता रामलाल गुर्जर के साथ कुकड़ेश्वर थाना क्षेत्र में पुलिस के साथ मुठभेड़ हुई थी, जिसमें बंशीलाल की मौत होना बताई गई थी, लेकिन ग्रामीणों में चर्चा चलती रही कि बंशीलाल जिंदा है।

संदिग्ध हालात में मां-बेटे की मौत, ससुराल पक्ष पर हत्या का आरोप

कमरे में फंदे से लटके मिले मां-बेटे के शव

जागरण, गुना। जिले के राघौगढ़ क्षेत्र में 24 साल की महिला और उसके दो साल के बेटे की के शव फंदे से लटके मिले हैं। प्रारंभिक जांच में मामला आत्महत्या का बताया जा रहा है, मायके पक्ष ने ससुराल वालों पर हत्या का आरोप लगाया है। घटना मंगलवार देर रात की है। मृतका शिवानी की शादी तीन साल पहले रामपुरा निवासी रामेश्वर लोधा से हुई थी, उनका एक दो साल का बेटा शिवाय भी था। रामेश्वर शराब का आदी था और नशे की हालत में अक्सर पत्नी से मारपीट करता था। घटना से दो दिन पहले भी पति-पत्नी के बीच विवाद हुआ था, जिसके बाद पुलिस भी पहुंची थी। रात को फिर दोनों के बीच झगड़ा हुआ, जिसके बाद शिवानी अपने कमरे में चली गई। कुछ देर बाद जब ससुराल वालों ने कमरे का दरवाजा खोला तो मां और बेटे के शव फंदे से लटके मिले। ससुराल पक्ष का कहना है कि उन्होंने तुरंत शिवानी को अस्पताल पहुंचाया, लेकिन डॉक्टरों ने दोनों को मृत घोषित कर दिया। मृतका के पिता बुंदेल सिंह लोधा ने बेटी की मौत को आत्महत्या मानने से इनकार कर दिया है, उनका आरोप है कि शिवानी के ससुराल वालों ने उसकी हत्या की है। उन्होंने बताया कि शिवानी का पति उसे दहेज के लिए प्रताड़ित करता था और मारपीट करता था। घटना से कुछ घंटों पहले ही शिवानी ने पिता से फोन पर बात की थी और बताया था कि पति फिर से मारपीट कर रहा है। पिता ने उससे घर आने की बात कही, लेकिन उसने कहा कि जरूरत पड़ी तो खुद बुला लेगी। बुंदेल सिंह का आरोप है कि बेटी की मौत के बाद भी ससुराल वालों ने उन्हें सूचना नहीं दी। शव सीधे गुना अस्पताल लेकर पहुंचे, जबकि पहले नजदीकी राघौगढ़ अस्पताल ले जाना चाहिए था। मायके वाले घटना की सूचना पर तुरंत अस्पताल पहुंचे, लेकिन उन्हें सही जानकारी नहीं दी गई।

शव पर चोट के निशान, जांच की मांग

मृतका के परिवार का कहना है कि अगर शिवानी ने खुद फांसी लगाई होती, तो उसके गले पर स्पष्ट निशान होते, लेकिन गर्दन पर ऐसे कोई निशान नहीं थे। बल्कि, सिर पर चोट के निशान हैं, जो यह इशारा करते हैं कि उसके साथ कोई अप्रिय घटना हुई है। परिवार ने शिवानी के पति रामेश्वर लोधा, उसके ससुर चैन सिंह और अन्य ससुराल पक्ष पर हत्या का आरोप लगाते हुए सख्त कार्रवाई की मांग की है।

दस जिलों में बारिश, ओले, गाज गिरने से 2 की मौत

जागरण, ब्यूरो। प्रदेश में मौसम में एक बार फिर बदलाव आ गया है। बेमौसम बारिश के साथ ही दस जिलों में बारिश हुई। वहीं गरज-चमक के साथ आकाशीय बिजली गिरने से सिवनी और राजगढ़ के जीरापुर में दो युवकों की मौत हो गई। दिन भर तपिश के बीच प्रदेश के आधे से अधिक जिलों में शाम को मौसम बदल गया। शाम होते होते-होते छिंदवाड़ा, सिवनी, बालाघाट, मंडला, डिंडौरी, उमरिया, मंदसौर, धार, गुना, शाजापुर और राजगढ़ सहित करीब एक दर्जन जिलों में तेज बारिश हुई। जबकि कई जिलों में बूंदाबांदी ने मौसम में ठंडक घोल दी। वहीं धार के मनावर और मंदसौर के गरोठ व शामगढ़ इलाके में बड़े-बड़े ओले भी गिरे हैं। राजधानी भोपाल में दोपहर तक बादल छाए रहे। बेमौसम बारिश और ओले गिरने से किसानों की चिंता बढ़ गई है। कई जगहों पर खेतों में गेहूं की फसल तैयार होकर खड़ी है, तो कहीं कटकर खेतों में रखी है। ऐसे में किसानों को नुकसान की आशंका सताने लगी है।

दो युवकों की मौत : दो जिलों में गाज गिरने से मौत की सूचनाएं भी मिली हैं। सिवनी जिले में आकाशीय बिजली गिरने से उसकी चपेट में आए युवक की मौत हो गई। घटना बुधवार शाम 4 बजे केवलारी थाना क्षेत्र के ग्राम बिनेकी की है। अमित गुमास्ता (24) अपने खेत में गेहूं की कटाई करवा रहा था। इसी दौरान अचानक तेज बारिश शुरू हो गई। आकाशीय बिजली गिरी, जिसकी चपेट में अमित आ गया।

प्रथम पेज की खबरों का शेष ...

वक्फ पर सरकार...

कड़ा कानून लाइए और चोरी करने वालों को जेल में भेजिए। लालूजी की इच्छा इन्होंने तो पूरी नहीं की, मोदीजी ने पूरी कर दी। बिल को केंद्र की सरकार में शामिल टीडीपी, जेडीयू और एलजेपी ने समर्थन दिया। शिवसेना उद्धव के सांसद अरविंद सावंत ने अपने भाषण में यह साफ नहीं किया कि वे बिल के पक्ष में हैं या विरोध में। बहस के दौरान ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड के प्रवक्ता डॉ. सैयद कासिम रसूल इलियास ने कहा, 'अगर यह बिल संसद में पास हो जाता है, तो हम इसके खिलाफ देशव्यापी आंदोलन शुरू करेंगे। हम शांतिपूर्ण आंदोलन चलाएंगे।'

नेशनल कॉन्फ्रेंस के मियां अल्ताफ ने कहा कि यह जो बिल लाया जा रहा है वो मुस्लिमों के खिलाफ है। आपने राज्य सरकारों के अधिकारों को छीना है। इस मुल्क पर हमें फर्ख़ है। ये विशेष तबके के खिलाफ लाया गया है। हिंदुस्तान धर्मनिरपेक्षता के लिए मशहूर है, इस बिल से उस सेकुलरिज्म पर प्रश्नचिह्न लगता है। टीडीपी सांसद कृष्ण प्रसाद टेन्नाटी ने कहा, तेलुगु देशम पार्टी हमेशा मुस्लिम समुदाय की भलाई के लिए खड़ी है। केंद्र सरकार से अपील है कि वे राज्य सरकारों को अधिकारों में लचीलापन दे। मुस्लिम महिलाओं, मुस्लिम युवाओं की भलाई के लिए हम वक्फ अमेंडमेंट बिल का सपोर्ट करते हैं।

28 माह ....

मुठभेड़ में मारी गई प्रमिला छत्तीसगढ़ के सुकमा जबकि ममता महाराष्ट्र के गढ़चिरौली की निवासी है। ये दोनों भोरमदेव एरिया कमेटी की मेंबर थीं। इनके कब्जे से सुरक्षा बलों ने एक एसएलआर, 1 अन्य राइफल, भरी हुई मैगजीन, 1 वायरलेस सेट और चाकू बरामद किया है। इस मुठभेड़ के बाद अन्य नक्सली घने जंगल का फायदा उठाकर भाग गए, जिनकी तलाश में सर्चिंग की गई। इससे पहले बालाघाट में भी विगत 19 फरवरी को सुरक्षा बलों ने चार महिला नक्सलियों को एनकाउंटर में मार गिराया था।

बंदूक की नाक पर ...

परिजनों ने आरोप लगाया कि एक साल पहले बेटी की शादी कैमरा गांव के नेने नामक युवक से तय हुई थी। लड़का पसंद न आने के कारण हमने शादी से इंकार कर दिया था। वे जबरन शादी के लिए दबाव बना रहे थे। रात को घर की महिलाओं के साथ बेटी छत पर सो रही थी। इसी दौरान बोलेरो और मोटरसाइकिलों पर सवार हथियारबंद लोग पहुंचे, उनके पास 315 बोर की 6 राइफलें, कट्टे और लाठियां थीं। उन्होंने घर का दरवाजा तोड़कर परिवार के सदस्यों पर हमला कर दिया। हवाई फायरिंग भी की। लड़की के माता-पिता, चाचा और भाइयों को पीटा। इसके बाद लड़की को जबरन गोद में उठाया और बोलेरो में डालकर फरार हो गए।

एएसपी सुरेंद्र पाल सिंह दरबार ने भी कहा कि बच्ची को जबरन ले जाने का मामला सामने आया है, उसकी उम्र के संबंध में कोई स्पष्ट कागज नहीं मिले हैं। जांच की जा रही है।

दस जिलों में बारिश, ओले, गाज गिरने से 2 की मौत

संक्षिप्त समाचार

लालू यादव की तबीयत बिगड़ी, शुगर बढ़ा

पटना। राजद सुप्रीमो लालू यादव की तबीयत बीते 2 दिनों से बिगड़ गई है। बुधवार की शाम दिल्ली जाने के लिए लालू प्रसाद पटना एयरपोर्ट पहुंचे, जहां से दिल्ली रवाना हुए। उनके साथ राबड़ी देवी भी है। इससे पहले नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव को लेकर पारस हॉस्पिटल पहुंचे थे, जहां डॉक्टर्स की एक टीम ने उनका हेल्थ चेकअप किया। तेजस्वी यादव ने बताया कि आज शाम नॉर्मल फ्लाइट से ही उन्हें दिल्ली ले जाया जाएगा। दिल्ली एम्स में उनका इलाज होगा। कई दिनों से उनके कंधे और हाथ में जख्म था। लगातार इसकी मॉनिटरिंग कर रहे थे। बाद में पता चला कि बीपी काफी लो रह रहा है। दिल्ली एम्स उनको ले जाना था, लेकिन जब चेकअप हुआ तो उनका बीपी लो हो गया था।

कामरा की बढ़ेंगी मुश्किलें पुलिस ने भेजा तीसरा समन

मुंबई। मुंबई पुलिस ने स्टैंड-अप कॉमेडियन कुणाल कामरा को तीसरा समन जारी किया है। डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे पर अपमानजनक टिप्पणी करने के मामले में उन्हें 5 अप्रैल को पेश होने को कहा गया है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि उन्हें पहले दो बार पुलिस ने तलब किया था, लेकिन वे जांच में शामिल नहीं हुए। 28 मार्च को मद्रास हाईकोर्ट ने कॉमेडियन को अंतरिम अग्रिम जमानत दे दी। न्यायमूर्ति सुंदर मोहन ने खार पुलिस को भी नोटिस जारी किया और मामले की अगली सुनवाई 7 अप्रैल को तय की। मुंबई में एक शो में गाए गए एक पैरोडी गाने के बाद विवाद पैदा हुआ है। पैरोडो में कामरा ने शिंदे को निशाना बनाया गया था।

बैटमैन के अभिनेता वैल किल्मर का निधन

लॉस एंजिलिस। बैटमैन फॉरएवर में बैटमैन का किरदार निभाकर दर्शकों के चहेते बने हॉलीवुड अभिनेता वैल किल्मर का निमोनिया के कारण निधन हो गया। वह 65 वर्ष के थे। इस दौरान उनके परिवार के सदस्य उनके साथ थे। किल्मर के दो बच्चे मर्सिडीज और जैक हैं। किल्मर की बेटी मर्सिडीज किल्मर ने कहा कि मंगलवार रात लॉस एंजिलिस में उनका निधन हुआ। वह निमोनिया से पीड़ित थे। किल्मर ने टॉप गन फिल्म में भी आईसमैन का किरदार निभाकर दर्शकों का दिल जीता था। उन्होंने द डोर्स में जिम मॉरिसन के किरदार को जीवंत किया था।

भूकंप: 5 दिन बाद मलबे से जिंदा निकाले गए दो लोग

बैंकॉक। म्यामांर में पांच रोज पूर्व आए 7.7 की तीव्रता वाले विनाशकारी भूकंप से मरने वालों की संख्या बढ़कर बुधवार को 2,886 हो गई जबकि 4,639 लोग जख्मी हुए हैं। अभी भी सैकड़ों लोग लापता है। इस बीच बुधवार को बचाव कर्मियों ने मलबे में दबे दो लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला। इस बीच बुधवार को तुर्किये और स्थानीय बचावकर्मियों की टीम ने राजधानी नेपिता में मलबे में दबे निंग लिन तुन को एक एंडोस्कोपिक कैमरे का इस्तेमाल करते हुए खोज निकला। तुन एक ध्वस्त हुए होटल के निचले तल पर फंसा हुआ था। उसे लगभग 108 घंटे बाद एक होल के माध्यम से सावधानीपूर्वक सुरक्षित निकाला गया और तुरंत स्ट्रेचर पर डालकर अस्पताल भेजा गया। स्थानीय अग्निशमन विभाग की टीम ने 26 वर्षीय निंग का एक वीडियो भी जारी किया जिसमें वह बिना शर्ट के और धूल में लिपटा हुआ था। इसमें वह कमजोर मगर सचेत दिखाई दिया। एक अन्य व्यक्ति को मलेशियाई और स्थानीय बचावकर्मियों की टीम ने सागिंग टाउनशिप में एक ढही हुई इमारत से बचाया।

मध्य-पूर्व में तनातनी: हूतियों पर भीषण बमबारी, ईरान पर भी हमले की तैयारी

यमन-ईरान के मुहाने पर यूएस ने तैनात किया दूसरा युद्धपोत

वॉशिंगटन,जेएनएन। अमेरिका ने यमन में हूती विद्रोहियों के खिलाफ लड़ाई तेज करने के संकेत दिए हैं। अमेरिका अपना एक और विमान वाहक पोत लाल सागर में भेज रहा है। कार्ल विन्सन नाम का विमान वाहक पोत 24 मार्च को गुआम के नौसैनिक अड्डे पर पहुंच गया है। यहां से लाल सागर में यह पोत हैरी एस. ट्रूमैन विमान वाहक पोत के साथ मिलकर हूतियों पर हमले करेगा। हैरी एस. ट्रूमैन पहले से ही हूतियों पर हमले कर रहा है। अमेरिका के कदम से यमन के साथ-साथ ईरान से भी उसकी तनातनी बढ़ गई है। एक्सपर्ट मान रहे हैं कि अब लड़ाई का रूख ईरान की ओर हो सकता है। नई तैनाती से ईरान-अमेरिका के बीच लड़ाई छिड़ने का अंदेशा है। ईरान समर्थित यमन के हूतियों विद्रोहियों ने लाल सागर में इजरायली और अमेरिकी जहाजों पर बीते कुछ समय में लगातार मिसाइल और ड्रोन हमले किए हैं। इससे अमेरिका के समुद्री व्यापार को नुकसान हुआ है। डोनाल्ड ट्रंप ने राष्ट्रपति बनने के बाद हूतियों और ईरान पर आक्रामकता दिखाई है। अमेरिका की ओर से हूतियों पर हमले किए जा रहे हैं। अमेरिकी रक्षा सचिव ने कार्ल विन्सन और हैरी एस. ट्रूमैन की क्षेत्र में तैनाती का आदेश दिया है, ताकि हूती विद्रोहियों पर हमले बढ़ाए जा सकें। कार्ल विन्सन विमान वाहक पोत 24 मार्च को गुआम पहुंचा है। यहां से यह पोत लाल सागर जाएगा और हैरी एस. ट्रूमैन विमान वाहक पोत के साथ जुड़ेगा। हैरी एस. ट्रूमैन से हाल में हूतियों पर हवाई हमले किए गए हैं। अमेरिका के रियर एडमिरल माइकल वोजे ने कहा है कि गुआम इस क्षेत्र के लिए महत्वपूर्ण है। यह इंडो-पैसिफिक क्षेत्र को स्वतंत्र रखने में मदद करता है। गुआम में पोत का रुकना सामान्य प्रक्रिया है। इससे जहाजों को मिशन के लिए तैयार रहने में मदद मिलती है। कई रिपोर्टों के अनुसार, 15 मार्च के हवाई हमलों के बाद हाउतियों ने हैरी एस. ट्रूमैन पर जवाबी अटैक करने की कोशिश की, लेकिन सफल नहीं हुए हैं। वहीं ईरान भी अमेरिकी कार्रवाई से भड़का हुआ है। दूसरी ओर ट्रंप ने ईरान को धमकी दी है कि हूतियों की मदद करने पर उनको इसका अंजाम भुगतना होगा। ऐसे में अमेरिका और ईरान के बीच भी तनाव काफी बढ़ गया है।

इधर, फिलिस्तीनियों को घर छोड़ने का आदेश, उतारे टैंक

तेल अवीव। इजरायल के रक्षा मंत्री इजराइल कैट्ज ने बुधवार को गाजा में सैन्य अभियान के बड़े विस्तार की घोषणा की। गाजा के एक बड़े हिस्से पर कब्जा करने की योजना है, ताकि उन्हें इजरायल के सुरक्षा क्षेत्रों में शामिल किया जा सके। बयान में कैट्ज ने कहा, अभियान में युद्ध क्षेत्रों से गाजा की आबादी को बड़े पैमाने पर निकालना भी शामिल होगा। हालांकि, उन्होंने ज्यादा जानकारी साझा नहीं की। बयान के अनुसार, सैन्य अभियान का विस्तार आतंकवादियों और आतंकी ढांचे के क्षेत्र को कुचलने और साफ करने के लिए किया जाएगा, जबकि बड़े क्षेत्रों पर कब्जा किया जा सके। मंगलवार देर रात अरबी मीडिया के लिए इजरायली सेना के प्रवक्ता ने गाजा के दक्षिणी राफा क्षेत्र के निवासियों को घर छोड़ने और उत्तर की ओर जाने का आदेश दिया। रिपोर्ट में पिछले महीने ही बताया गया था कि इजरायल गाजा में बड़े जमीनी हमले की योजना बना रहा है, जिसमें एन्क्लेव के एक बड़े हिस्से को साफ करने और उस पर कब्जा करने हजारों सैनिकों को युद्ध में भेजना शामिल होगा।

गाजा पट्टी पर कब्जा करेगा इजरायल!

अमेरिका ने लगाया ईरान, यूएई और चीन की संस्थाओं पर प्रतिबंध

संयुक्त राज्य अमेरिका ने मंगलवार (स्थानीय समय) को ईरान, यूएई और चीन स्थित छह संस्थाओं और दो व्यक्तियों पर प्रतिबंध लगा दिया, जो ईरान के यूएवी और बैलिस्टिक मिसाइल कार्यक्रमों से जुड़ी संस्थाओं की ओर से प्रमुख घटकों की खरीद में शामिल रहे हैं। अमेरिकी विदेश विभाग ने एक बयान में कहा, आज की कार्रवाई, ईरानी शासन पर राष्ट्रपति ट्रंप के अधिकतम दबाव अभियान का एक हिस्सा है, ताकि अमेरिका द्वारा प्रतिबंधित ईरान स्थित कुद्स एविएशन इंडस्ट्रीज द्वारा ईरान के सैन्य-औद्योगिक परिसर और यूएवी कार्यक्रम के लिए उपकरण खरीदने के प्रयासों को बाधित किया जा सके। बयान में कहा गया, अमेरिका ईरान के बढ़ते यूएवी और मिसाइल विकास कार्यक्रमों तथा हथियारों के प्रसार को उजागर करने और बाधित करने के लिए सभी उपलब्ध साधनों का उपयोग करेगा, जो मध्य पूर्व और उससे आगे अस्थिर हो रहे हैं। विदेश विभाग ने कहा कि वे ईरान द्वारा तीसरे देशों में अपने अधिग्रहण और संवेदनशील प्रौद्योगिकी के हस्तांतरण को छिपाने के लिए इस्तेमाल की जाने वाली जटिल योजनाओं के खिलाफ कार्रवाई जारी रखेंगे।

अखिलेश की चुटकी पर शाह ने दिया जवाब

भाजपा अध्यक्ष नहीं चुन पाई: अखिलेश शाह बोले-परिवार अध्यक्ष नहीं चुनता

नई दिल्ली, जेएनएन। लोकसभा में बुवार को वक्फ संशोधन विधेयक पर बहस के दौरान सपा अध्यक्ष और कन्नौज से सांसद अखिलेश यादव ने भी चर्चा में हिस्सा लिया और बीजेपी पर तंज कसा। अखिलेश ने पूछ लिया कि भाजपा अब तक अपने अध्यक्ष को नहीं चुन पाई। अखिलेश ने जब यह बात कही तो वे मुस्कुरा रहे थे और सरकार को घेर रहे थे। सपा सुप्रीमो के बयान पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने हस्तक्षेप करते हुए कहा, चूंकि अखिलेश जी ने मुस्कुराते हुए सवाल किया है, तो मैं भी उन्हें मुस्कुराते हुए ही जवाब देना चाहूंगा। पार्टी अध्यक्ष के चयन पर गृह मंत्री ने कहा, मैं समझाता हूं तरीका। यहां सामने जितनी पार्टियां बैठी हैं, उनके परिवार के लोग ही अध्यक्ष चुनते हैं, लेकिन हमारे यहां लाखों लोगों के बीच से चुनाव होता है, तो समय लगता है। मैं कहता हूं आप अभी 25 साल तक अध्यक्ष हो जाओ। इस पर अखिलेश ने कहा कि नाकामी का ये पर्दा है वक्फ बिल। एक ये बहुत तैयारी के साथ फैसला लेकर आए थे कि आधी रात के बाद नोट नहीं चलेंगे। उस नोटबंदी नाकामी के बारे में भी तो चर्चा हो जाए कि अभी भी जाने कितना रुपया निकल के आ रहा है। नाकामी बेरोजगारी, महंगाई, किसान की आय दोगुनी नहीं कर पाए, उसकी भी है।

वक्फ के लिए पांच साल से इस्लाम को मानना जरूरी

नई दिल्ली, जेएनएन। बुधवार को लोकसभा में वक्फ संशोधन विधेयक 2024 पास हो गया है। यह विधेयक 1995 के कानून की जगह लेगा। विधेयक के संशोधन के खिलाफ अखिल भारतीय मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड देशभर में विरोध कर रहा है। सरकार का कहना है कि भारत में वक्फ की जमीन लगभग 9 लाख एकड़ है। यह कुछ मुस्लिम देशों से भी बड़ी है। इसलिए इसका सही तरीके से प्रबंधन करना जरूरी है।

विधेयक में क्या बदला

1. **'वक्फ बाय यूजर' क्लॉज को हटाना:** पहले के कानून में, अगर कोई जमीन लंबे समय से वक्फ के लिए इस्तेमाल हो रही है, तो उसे वक्फ माना जा सकता था। इसे 'वक्फ बाय यूजर' कहा जाता था। लेकिन, नए विधेयक में इस प्रावधान को हटा दिया गया है। संयुक्त संसदीय समिति ने कहा कि 'वक्फ बाय यूजर' को हटाने का नियम भविष्य में लागू होना चाहिए, पुराने समय से नहीं। मतलब, पहले से वक्फ मानी जा रही जमीनों पर यह नियम लागू नहीं होना चाहिए।
2. **कौन वक्फ बना सकता है?:** पुराने कानून में कोई भी वक्फ बना सकता था। नए विधेयक में कहा गया है कि वक्फ बनाने वाले व्यक्ति को कम से कम पांच साल से इस्लाम का पालन करना होगा। जेपीसी ने इस नियम को और भी सख्त कर दिया है। जेपीसी का कहना है कि उस व्यक्ति को यह भी दिखाना होगा कि वह कम से कम पांच साल से इस्लाम का पालन कर रहा है। मतलब, सिर्फ नाम का मुसलमान होने से नहीं चलेगा, उसे धार्मिक रीति-रिवाजों का पालन भी करना होगा।
3. **कौन तय करेगा कि क्या वक्फ है?:** पुराने कानून में वक्फ ट्रिब्यूनल को यह अधिकार था कि वह वक्फ से जुड़े मामलों पर फैसला करे। अगर किसी जमीन को लेकर विवाद है, तो ट्रिब्यूनल ही फैसला करता था कि वह जमीन वक्फ है या नहीं। नए विधेयक में कहा गया है कि अगर जमीन वक्फ है या सरकारी, इस बात पर विवाद होता है, तो जिले का कलेक्टर इस मामले पर फैसला करेगा। जेपीसी ने कहा कि डिस्ट्रिक कलेक्टर से ऊंचे पद का अधिकारी, जिसे राज्य सरकार नियुक्त करेगी, उसे मामले पर फैसला करना चाहिए।
4. **वक्फ रजिस्ट्रेशन:** नए विधेयक में कहा गया है कि सभी वक्फ संपत्तियों को नए कानून के लागू होने पर छह महीने के भीतर रजिस्ट्रेशन कराना होगा। इसके बाद, लोग इन संपत्तियों के स्वामित्व के लिए अदालत में नहीं जा पाएंगे। जेपीसी ने कहा कि कानूनी कार्रवाई और उसकी समय सीमा अदालतों के फैसले पर छोड़ दी जानी चाहिए। मतलब, अदालत को यह तय करने का अधिकार होना चाहिए कि मामले की सुनवाई कब तक चलेगी।
5. **वक्फ ट्रिब्यूनल:** पुराने कानून में वक्फ ट्रिब्यूनल का सीईओ मुस्लिम होना जरूरी था। लेकिन, नए विधेयक में गैर-मुस्लिम सीईओ की भी अनुमति है। विधेयक में यह भी कहा गया है कि बोर्ड के कुल सदस्यों में से दो सदस्य गैर-मुस्लिम होंगे। पुराने विधेयक में 'एक्स ऑफिसो सदस्यों को छोड़कर' शब्द नहीं थे। विधेयक में बोहरा और आगाखानी समुदाय के लोगों को भी प्रतिनिधित्व देने की बात कही गई है।

ट्रंप को झटका, रूस को यूक्रेन पर अमेरिकी प्रस्ताव मंजूर नहीं

रूस बोला-प्रस्ताव में मास्को की चिंताओं का हल नहीं

मॉस्को, जेएनएन। रूस ने कहा है कि वह यूक्रेन युद्ध खत्म करने को लेकर अमेरिका के मौजूदा प्रस्ताव को मंजूर नहीं कर सकता है, क्योंकि इसमें मास्को की चिंताओं का समाधान नहीं है। इससे जाहिर है कि युद्ध समाप्त कराने के प्रयास में अमेरिका-रूस के बीच वार्ता अटक गई है। रूस के उप विदेश मंत्री सर्गेई रयाब्कोव ने कहा, राष्ट्रपति पुतिन की चिंताओं को दूर करने में मॉस्को और वाशिंगटन असमर्थ रहे। मौजूदा स्वरूप में जो प्रस्ताव है, उस पर मॉस्को आगे नहीं बढ़ पाया है। अमेरिका-रूस संबंधों के विशेषज्ञ सर्गेई ने एक इंटरव्यू में यह बात कही। इसे मंगलवार को जारी किया गया। उन्होंने कहा, हम अमेरिका की ओर से प्रस्तावित मॉडलों, समाधानों को काफी गंभीरता से लेते हैं, लेकिन इसे मौजूदा स्वरूप में स्वीकार नहीं कर सकते। पुतिन कह चुके हैं कि यूक्रेन नाटो में शामिल होने की अपनी महत्वाकांक्षा को छोड़ दे।

अमेरिका के साथ काम करेगा यूक्रेन: सिबिहा

यूक्रेन के विदेश मंत्री एंड्री सिबिहा ने मंगलवार को कहा, उनका देश एक ऐसे खनिज समझौते के लिए अमेरिका के साथ काम करेगा, जो पारस्परिक रूप से स्वीकार्य हो। उन्होंने कीव में पत्रकारों से बातचीत में कहा, खनिज समझौते को लेकर एक नए मसौदा पर एक दौर का विचार-विमर्श हो चुका है। यह प्रक्रिया जारी रहेगी और हम अपने अमेरिकी साथियों के साथ मिलकर काम करेंगे।

क्या हमें 30 हजार मस्जिदें खोदनी चाहिए: होसबोले

नई दिल्ली, जेएनएन। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) ने कथित तौर पर मंदिरों को ध्वस्त करके बनाई गई हजारों मस्जिदों को वापस लेने की बढ़ती मांग पर अपना विरोध दोहराया है। आरएसएस महासचिव दत्तात्रेय होसबोले ने कहा कि संघ इस विचार के खिलाफ है। हालांकि, अयोध्या में राम मंदिर निर्माण के लिए साधुओं और संतों के आंदोलन के लिए आरएसएस के समर्थन का हवाला देते हुए कहा, संघ अपने सदस्यों को वाराणसी में काशी विश्वनाथ मंदिर, मथुरा में कृष्ण जन्मभूमि के स्थलों को पाने विश्व हिंदू परिषद (वीएचपी) के प्रयासों का समर्थन करने से नहीं रोकेगा। होसबोले ने कहा कि मंदिर स्थलों पर कथित रूप से निर्मित मस्जिदों तो तोड़ने का प्रयास एक अलग श्रेणी में आता है। होसबोले ने एक इंटरव्यू में कहा, लेकिन अगर हम अन्य सभी मस्जिदों और ढांचों के बारे में बात करें।

हरियाणा के शिक्षा मंत्री के जिले में 183 फर्जी स्कूल

पानीपत। हरियाणा के शिक्षामंत्री महिपाल ढांडा के जिले में ही 183 जाली स्कूल चल रहे हैं। इनके पास शिक्षा विभाग की मान्यता नहीं है। इनमें 54 प्राइमरी (प्लेवे से 5वीं तक) और 129 मिडिल (5वीं से 8वीं) कैटेगरी के स्कूल शामिल हैं। पानीपत के शिक्षा विभाग ने इस संबंध में एक लिस्ट जारी की है। जिसमें कहा गया कि ये स्कूल सरकार के नियम-शर्तों को पूरा नहीं करते। यह स्कूल अवैध हैं। यहां पढ़ने वाले बच्चों की पढ़ाई और उनके सर्टिफिकेट भी अवैध माने जाएंगे। हालांकि, इन पर कार्रवाई के बजाय शिक्षा विभाग ने अभिभावकों से ही अपील की है कि बच्चों का एडमिशन इन स्कूलों में न कराएं। अगर ये स्कूल विद्यार्थियों का दाखिला करते हैं तो इनके खिलाफ कार्रवाई होगी। वहीं, इस मामले पर मीडिया से बात करते हुए ढांडा ने कहा, हम हर चीज को खबर के नजरिए से नहीं देख सकते, हमने सिस्टम को ठीक करना है, सिस्टम को दुरुस्त नहीं करेंगे तो दिक्कत आ जाती है, सिस्टम दुरुस्त करें तो दिक्कत आती है। जो भी नियम के अनुसार ठीक होगा हम वो सब करेंगे। जिले में कुछ स्कूल ऐसे भी हैं, जिनके पास 5वीं कक्षा तक की मान्यता है, लेकिन वे 8वीं कक्षा तक के विद्यार्थियों के दाखिले कर रहे हैं। इसके अलावा कई स्कूलों को 10वीं तक मान्यता मिली हुई है, लेकिन वे 12वीं तक के दाखिले कर रहे हैं। इन स्कूलों के खिलाफ भी विभाग कार्रवाई करेगा। इसे लेकर ब्लॉक स्तर पर शिक्षा विभाग ने टीमें गठित की हैं। वहीं जिले के कई ष्ट्वक्चस्श्व स्कूलों में दाखिले को लेकर कंपीटिशन चल रहा है। ये स्कूल विद्यार्थियों को आकर्षित करने के लिए स्कॉलरशिप का झांसा दे रहे हैं। इसके लिए बाकायदा टेस्ट करवाए जा रहे हैं। इनसे झांसे में आकर माता-पिता अपने बच्चों का एडमिशन भी करवा रहे हैं।

बिना मान्यता चल रहे, विभाग बोला-एडमिशन लिया तो अभिभावक जिम्मेदार

ब्रिटेन जाना और वहां रहना हुआ महंगा

लंदन। ब्रिटेन के गृह मंत्रालय ने स्टूडेंट, विजिटर और इलेक्ट्रॉनिक ट्रैवल ऑथराइजेशन (ईटीए) आवेदनों सहित कई श्रेणियों में वीजा शुल्क में वृद्धि की घोषणा की है, जो 9 अप्रैल, 2025 से प्रभावी होगी। यह वृद्धि वीजा के प्रकार के अनुसार अलग-अलग है। स्टूडेंट और विजिटर वीजा में बड़ी वृद्धि देखी गई है। रिपोर्ट के मुताबिक, मुख्य आवेदकों और आश्रितों दोनों के लिए लागू स्टूडेंट वीजा फीस वर्तमान 490 पाउंड से 7 फीसदी बढ़कर 524 (भारतीय करेंसी के हिसाब से 58059.57 रुपए) पाउंड हो जाएगी। इसी तरह चाइल्ड स्टूडेंट वीजा की कीमत भी 524 पाउंड होगी। इससे पहले अक्टूबर 2023 में छात्र वीजा शुल्क में एक तिहाई से ज्यादा की वृद्धि हुई थी। छह से 11 महीने की अवधि वाले अंग्रेजी भाषा पाठ्यक्रमों के लिए अल्पकालिक अध्ययन वीजा (शॉर्ट-टर्म स्टडी वीजा) की कीमत में 7 फीसद की वृद्धि होगी, जो 200 पाउंड से बढ़कर 214 पाउंड हो जाएगी।

सिद्धिविनायक मंदिर ने कमाई में तोड़े सारे रिकॉर्ड, सालाना आय पहुंची 133 करोड़

मुंबई। मुंबई का प्रसिद्ध श्रीसिद्धि विनायक गणपति मंदिर एक बार फिर अपनी ऐतिहासिक कमाई को लेकर चर्चा में है। मंदिर ट्रस्ट ने बताया कि हाल ही में समाप्त हुए वित्तीय वर्ष 2024-25 में मंदिर की कुल आय 133 करोड़ तक पहुंच गई, जो पिछले वित्तीय वर्ष (2023-24) की तुलना में 16 फीसदी अधिक है। मंदिर की कमाई में सबसे बड़ा योगदान श्रद्धालुओं द्वारा दिए गए दान और चढ़ावे का रहा। इसके अलावा पूजा और अन्य धार्मिक अनुष्ठानों से 20 करोड़ की आय हुई। मंदिर को विभिन्न स्रोतों से आय प्राप्त होती है, जिनमें दान पेटियां, ऑनलाइन भुगतान, धार्मिक अनुष्ठान, प्रसाद बिक्री और सोना-चांदी की नीलामी शामिल हैं। ट्रस्ट के एक अधिकारी के अनुसार, पिछले वर्ष की तुलना में प्रसाद में इस्तेमाल होने वाले लड्डू और नारियल वड़ी की बिक्री में 32 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई। मंदिर प्रशासन रोजाना करीब 10,000 लड्डू भक्तों को वितरित करता है।

गुड़ी पड़वा पर सोना-चांदी से रिकॉर्ड कमाई

ट्रस्ट के अनुसार, इस वर्ष गुड़ी पड़वा के अवसर पर सोना-चांदी की नीलामी से रिकॉर्ड 1.33 करोड़ की कमाई हुई, जो पिछले वर्ष के 75 लाख की तुलना में लगभग दोगुनी है। श्रीसिद्धिविनायक गणपति मंदिर ट्रस्ट की मुख्य कार्यकारी अधिकारी वीणा पाटिल ने बताया कि मंदिर में भक्तों की बढ़ती संख्या और प्रशासनिक सुधारों के कारण आय में यह उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। उन्होंने यह भी अनुमान लगाया कि चालू वित्तीय वर्ष (2025-26) में मंदिर की कुल आय 154 करोड़ तक पहुंच सकती है।

समाज कल्याण में उपयोग

मंदिर ट्रस्ट अपनी आय का 20 फीसदी सामाजिक कल्याण कार्यों पर खर्च करता है। इसमें मेडिकल सहायता, डायलिसिस सेंटर का संचालन, 18 प्रकार की गंभीर बीमारियों से ग्रस्त मरीजों की आर्थिक सहायता जैसी सुविधाएं शामिल हैं। इसके अलावा, ट्रस्ट कॉलेज के छात्रों के लिए बुक बैंक सुविधा प्रदान करता है और मंदिर परिसर के पास एक अध्ययन कक्ष भी संचालित करता है। ट्रस्ट उन किसानों के बच्चों की शिक्षा का खर्च भी उठाता है, जिनके परिवार के सदस्य आत्महत्या कर चुके हैं। वीणा पाटिल ने कहा, हम यह सुनिश्चित करते हैं कि भक्तों द्वारा दिया गया दान और चढ़ावा समाज के कल्याण के लिए उपयोग किया जाए। ट्रस्ट को उम्मीद है कि आने वाले वर्षों में भक्तों की संख्या बढ़ेगी, जिससे आय में भी इजाफा होगा। सुधारों, तकनीकी सुविधाओं के विस्तार से मंदिर की सेवाओं को अधिक व्यवस्थित और प्रभावी बनाया जा रहा है।

रणनीति | अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के दबाव में ईवी पर आयात शुल्क घटाने की तैयारी, भारतीय बाजार में दिखेगा असर

टेस्ला को फायदा पहुंचाने भारतीय कंपनियों की अनदेखी

नई दिल्ली, जेएनएन। भारतीय ऑटोमोबाइल कपनियों की मांग की अनदेखी करते हुए केंद्र सरकार ने इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) पर आयात शुल्क घटाने की तैयारी कर ली है। दरअसल, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा लगातार बनाए जा रहे दबाव के चलते नरेंद्र मोदी सरकार अमेरिका के साथ उसकी शर्तों पर व्यापार समझौते के लिए तैयार हो गयी है, जिसके तहत ईवी पर शुल्क में कटौती होना लगभग तय हो गया है। भारतीय ऑटोमोबाइल कंपनियां इसे चार साल तक टालने की मांग कर रही थीं। घरेलू कार निर्माता कंपनियां चाहती थीं कि 2029 तक ईवी पर शुल्क में कोई बदलाव न किया जाए और उसके बाद इसे धीरे-धीरे 100 प्रतिशत से घटाकर 30 प्रतिशत किया जाए, लेकिन सरकार इस मांग को ठुकराते हुए शुल्क घटाने की तैयारी कर रही है। दो अधिकारियों ने बताया कि यह अमेरिका के साथ व्यापार समझौते का अहम हिस्सा होगा।

अमेरिका के साथ व्यापार समझौते की तैयारी: एक सरकारी अधिकारी ने कहा, हमने ऑटोमोबाइल इंडस्ट्री को बहुत ज्यादा सुरक्षा दी है, अब हमें इसे खोलना होगा। ईवी पर शुल्क को बड़े पैमाने पर घटाने की योजना है। हालांकि, इस कटौती की सटीक दरों का खुलासा नहीं किया गया है, क्योंकि अमेरिका के साथ अभी बातचीत चल रही है। भारत पर ट्रंप पहले ही टैरिफ किंग का टैग लगा चुके हैं। ऐसे में सरकार चाहती है कि शुल्क में कटौती कर अमेरिका के साथ व्यापारिक संबंध बेहतर बनाए जाएं।

टेस्ला को होगा फायदा

अगर भारत तुरंत शुल्क में कटौती करता है, तो सबसे ज्यादा फायदा अमेरिकी कंपनी टेस्ला को होगा, जिसने मुंबई और दिल्ली में शोरूम खोलने की योजना बनाई है। टेस्ला के सीईओ मस्क लंबे समय से भारत में इलेक्ट्रिक कार बेचने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन ऊंचे आयात शुल्क से वे ऐसा कर नहीं पा रहे थे। यह फैसला घरेलू कंपनियों टाटा मोटर्स, महिंद्रा एंड महिंद्रा के लिए नुकसानदायक हो सकता है। ये कंपनियां पहले से भारतीय ईवी बाजार में निवेश कर रही हैं और सस्ते आयातित ईवी आने से कारोबार पर असर पड़ना तय है।

भारतीय बाजार पर असर

2024 में भारत में 4.3 मिलियन कारों की बिक्री हुई थी, जिसमें से सिर्फ 2.5 प्रतिशत इलेक्ट्रिक वाहन थे। सरकार की योजना 2030 तक इसे 30 प्रतिशत तक ले जाने की है। घरेलू वाहन निर्माताओं ने कहा है कि वे पेट्रोल कारों पर शुल्क में कुछ तत्काल कटौती को स्वीकार कर सकते हैं, लेकिन ईवी शुल्क में जल्द कटौती से उनकी निवेश योजनाएं प्रभावित होंगी। उनका निवेश सरकार की 2029 तक चलने वाली स्थानीय उत्पादन प्रोत्साहन योजना से जुड़ा है। ऐसे में अगर जल्द ही सस्ते ईवी आयात किए जाते हैं, तो उनका मुकाबला करना मुश्किल होगा।

सितंबर से एपल यूजर्स की हेल्थ को एआई डॉक्टर करेगा मॉनिटर

यूजर्स को डाइट और नींद से जुड़े मिलेंगे टिप्स

नई दिल्ली, जेएनएन। टेक कंपनी एपल जल्द ही आईफोन के हेल्थ एप में एआई डॉक्टर का ऑप्शन लाने का प्लान कर रही है। इसके जरिए यूजर्स को एप में 24×7 पर्सनलाइज्ड हेल्थ टिप्स दी जाएंगी। नए अपडेट्स हेल्थ एप को पूरी तरह से चेंज करेंगे। इन टिप्स को एपल वॉच, बड्स और अन्य जगहों से इकट्ठा किए गए पर्सनलाइज्ड डेटा के इनपुट पर बनाया जाएगा। इसे मलबेरी प्रोजेक्ट के अंडर डेवलप किया जा रहा है। अपडेट अभी ट्रेनिंग फेज में है, सितंबर तक इसे रोल आउट किया जा सकता है। **हार्ट रेट, ब्लड प्रेशर पर मिलेंगी टिप्स:** एआई डॉक्टर यूजर्स की सेहत का डेटा एनालाइज करके सुझाव देगा। एआई आपके डेली रूटीन, हार्ट रेट, ब्लड प्रेशर जैसे डेटा को एनालाइज करेगा। इसके बाद आपको डेटा के आधार पर डाइट, एक्सरसाइज और नींद से जुड़ी सलाह देगा। एपल के डॉक्टर्स आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस को ट्रेनिंग दे रहे हैं। जल्द ही बाहर के डॉक्टर्स भी प्रोजेक्ट से जुड़ेंगे। अभी एपल का हेल्थ एप स्वास्थ्य और फिटनेस मेट्रिक्स का ट्रैक रिकॉर्ड रखता है।

बाजार पर नजर

शेयर बाजार में आज

+592

76, 617

Nifty 50 Top Gainers

Scrip	High	%Gain
TATA Cons. Prod	1,073.15	7.10%
Zomato	212.60	4.96%
Titan Company	3,105.00	3.73%
Induslnd Bank	708.40	2.89%
Tech Mahindra	1,426.05	2.00%

Nifty 50 Top Losers

Scrip	Close	%Loss
Bharat Elec	282.40	-3.29%
Ultra Tech Cement	11, 250.95	-1.12%
Nestle	2,210.70	-1.04%
Power Grid Corp	286.75	-0.88%
Larsen	3,419.90	-0.49%

फोरेक्स रेट

मुद्रा	बिक्री
डॉलर	85.50
यूरो	92.29
येन	05.71
पौंड	110.45

बाजार पर नजर

बिल गेट्स की हफ्ते में सिर्फ 2 दिन काम की भविष्यवाणी

मुंबई, जेएनएन। कई बड़े उद्योगपति और कारोबारियों का ये तर्क है कि लोगों को हफ्ते में 70 घंटे काम करना चाहिए, जबकि माइक्रोसॉफ्ट के सह-संस्थापक बिल गेट्स का इस बारे में बिल्कुल अलग मानना है। वे मानते हैं कि अगले 10 वर्षों के दौरान लोगों को हफ्ते में सिर्फ दो दिन की काम करने की जरूरत होगी। बिल गेट्स के मुताबिक, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) हमारी अधिकतर नौकरियां ले लेगा और श्रम शक्ति की जरूरत काफी कम हो जाएगी। इसके साथ ही, लोगों के काम करने का तरीका भी पूरी तरह से बदल जाएगा। उनकी ये भविष्यवाणी पारंपरिक सोच से बिल्कुल अलग है। इसके साथ ही, उनकी इस भविष्यवाणी ने उत्पादकता, रोजगार और रोजाना की लोगों की जिंदगी में एआई की भूमिका को लेकर एक नई बहस छेड़ दी है। ऐसे में सवाल उठ रहा है कि क्या लोगों की नौकरियां की जगह एआई रिप्लेस करेगा।

पीएम मुद्रा योजना के 10 साल : 52 करोड़ खाते खुले

नईदिल्ली, जेएनएन। नई दिल्ली, जेएनएन। प्रधानमंत्री मुद्रा योजना (पीएमएमवाय) अप्रैल 2015 में शुरू होने के बाद अपने 10 साल पूरे करने वाली है। इस मौके पर एसबीआई रिसर्च की एक नई रिपोर्ट सामने आई है, जो इस योजना के जमीनी स्तर पर उद्यमिता, वित्तीय समावेशन और देशभर में क्रेडिट एक्सेस पर पड़े दूरगामी प्रभाव को रेखांकित करती है। यह रिपोर्ट बताती है कि इस योजना के तहत 33 लाख करोड़ के लोन बांटे गए हैं। वहीं, 10 वर्षों में 52 करोड़ से ज्यादा खाते खोले गए हैं। रिपोर्ट में योजना की सामाजिक समावेशन को बढ़ावा देने वाली भूमिका को प्रमुखता से रेखांकित किया है।

कैग का खुलासा: बीएसएनएल ने जियो से 1,757 करोड़ नहीं वसूले

टॉवर इस्तेमाल करने का नहीं लिया कोई पैसा सरकार को 1,757.56 करोड़ का नुकसान

नई दिल्ली, जेएनएन। भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (कैग) के अनुसार सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी बीएसएनएल ने टॉवर जैसे बुनियादी ढांचे को साझा करने पर अपने समझौते के अनुसार जियो से 10 साल कोई वसूली नहीं की। जिससे सरकार को 1,757.56 करोड़ रुपए का नुकसान हुआ। ये वसूली मई 2014 से नहीं की गई है। कैग ने बयान में कहा कि बीएसएनएल को 38.36 करोड़ रुपए का नुकसान हुआ, क्योंकि वह दूरसंचार बुनियादी ढांचा प्रदाताओं (टीआईपी) को दिए जाने वाले राजस्व हिस्से से लाइसेंस शुल्क का हिस्सा काटने में विफल रही।

जियो के सबसे ज्यादा 46.51 करोड़ यूजर

टीआरएआई की तरफ से दिसंबर महीने का जो डेटा जारी किया गया है उसके मुताबिक देश में जियो के 46.51 करोड़ यूजर हैं। वहीं एयरटेल के 38.53 करोड़, वोडाफोन आइडिया के 20.72 करोड़ और बीएसएनएल के 9.17 करोड़ यूजर हैं।

रिलायंस जियो ने स्टार लिंक से मिलाया हाथ

बीते महीने रिलायंस जियो ने इलॉन मस्क की कंपनी स्टार लिंक के साथ सैटेलाइट इंटरनेट प्रोवाइड करने के लिए करार किया है। स्टारलिंक 100 से ज्यादा देशों में सैटेलाइट के जरिए इंटरनेट देती है। उसके पास पृथ्वी की निचली कक्षा में 7 हजार से ज्यादा सैटेलाइट का सबसे बड़ा सैटेलाइट नेटवर्क है। स्टारलिंक इंटरनेट के जरिए स्ट्रीमिंग, ऑनलाइन गेमिंग, वीडियो कॉल आसानी से किया जा सकता है।

जीएसटी समेत 29 करोड़ के रेवेन्यू का भी हुआ नुकसान

कैग ने कहा है कि बीएसएनएल मेसर्स रिलायंस जियो इन्फोकॉम लिमिटेड (आरजेआईएल) के साथ मास्टर सर्विस एग्रीमेंट को लागू करने में विफल रही और बीएसएनएल के साझा टावर जैसे बुनियादी ढांचे का अतिरिक्त इस्तेमाल करने के लिए बिल नहीं दिया। इसके कारण मई 2014 से मार्च 2024 के बीच सरकारी खजाने को 1,757.76 करोड़ रुपए का नुकसान हुआ। कैग ने यह भी पाया कि बीएसएनएल ने इंफ्रा शेयरिंग चार्ज का बिल भी कम बनाया। इससे जीएसटी समेत 29 करोड़ रुपए के रेवेन्यू का नुकसान हुआ।

संसद में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण बोलीं

केंद्र का राज्यों को तोहफा, 1.46 लाख करोड़ अतिरिक्त मदद जारी

नईदिल्ली, जेएनएन। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि सरकार ने पूंजीगत खर्चों में कोई कमी नहीं की है। उन्होंने आगे कहा कि केंद्र सरकार ने राज्यों को 1.46 करोड़ जारी कर दिए हैं, जो मार्च में आवंटित बजट से पच्चानवें फीसदी ज्यादा है।

केंद्रीय मंत्री ने संसद में दिए बयान में कहा कि राज्य सरकारों की तरफ से चल रही योजनाओं को जारी रखने का अनुरोध किया गया, लिहाजा केंद्र की तरफ से उस योजना के आवंटन बढ़ता रहता है। इस तरह के अनुरोध पिछले साल यानी 2024-25 के दौरान नागालैंड, मणिपुर, राजस्थान और आंध्र प्रदेश से मिले। वित्त मंत्री ने कहा कि पूंजीगत खर्चों के बहुआयामी असर होते हैं और इकॉनोमी की क्षमता बढ़ती है, यही वजह है कि हर फाइनेंशिय ईयर में इस योजना का शामिल किया गया।

राज्यों को 3,27,558 करोड़ और होंगे जारी

केंद्रीय वित्त मंत्री ने कहा कि अभी विशेष सहायता योजना के तहत इस क्रम में राज्यों को करीब 3,27,558 करोड़ रुपए और जारी किए जाने हैं। फाइनेंशियल ईयर 2025 में योजना के लिए कुल 1,53,673 करोड़ रुपए निर्धारित किए गए थे।

मार्च में 56.3 से बढ़कर 58.1 हुई पीएमआई

मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर में सुधार 8 माह के उच्चतम स्तर पर पहुंचा

मुंबई, जेएनएन। भारत की मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर की स्थिति पहले के मुकाबले मार्च के महीने में कुछ बेहतर हुई है। बुधवार को जारी हुए प्राइवेट सेक्टर के आंकड़ों से पता चला है कि फाइनेंशियल ईयर 2025 के आखिर में पीएमआई आठ महीने के उच्चतम स्तर 58.1 पर पहुंच गई। आसान भाषा में इसे ऐसे समझ सकते हैं कि भारत की मार्च के महीने में मैन्युफैक्चरिंग पीएमआई 58.1 के स्तर पर रही, जो फरवरी के महीने में 56.4 के स्तर पर थी। यहां पर ये जानना जरूरी है कि 50 से अधिक का आंकड़ा मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर में सुधार और 50 से नीचे का आंकड़ा मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर में गिरावट का एक संकेत होता है। दूसरी तरफ, सार्वजनिक क्षेत्र की कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल) ने पिछले वित्त वर्ष 2024-25 में 78.11 करोड़ टन कोयले का उत्पादन किया। यह कंपनी के वित्त वर्ष को लेकर तय किए गए लक्ष्य से लगभग सात प्रतिशत कम रहा। वित्त वर्ष 2024-25 के लिए सीआईएल का कोयला उत्पादन लक्ष्य 83.8 करोड़ टन था।

86.8 करोड़ टन कोयला उत्पादन का लक्ष्य रखा

घरेलू उत्पादन में कोल इंडिया की हिस्सेदारी 80 फीसदी से अधिक है। वित्त वर्ष 2023-24 में कोल इंडिया ने सालाना आधार पर 11 प्रतिशत वृद्धि के साथ 77.36 करोड़ टन कोयला उत्पादन किया था। कोल इंडिया लिमिटेड ने पहले ही कहा था कि वित्त वर्ष 2024-25 के लिए वास्तविक उत्पादन लक्ष्य 83.8 करोड़ टन से घटकर 80.6-81 करोड़ टन रहेगा। कंपनी ने चालू वित्त वर्ष 2025-26 के लिए 86.8 करोड़ टन कोयला उत्पादन का लक्ष्य रखा है। एनटीपीसी माइनिंग ने कहा कि उसने वित्तवर्ष 2024-25 में अपनी पांच निजी खदानों से 4.57 करोड़ टन कोयला उत्पादन किया है। एनटीपीसी के बिजलीघरों को कोयले की कुल आपूर्ति चार करोड़ 47.2 लाख टन रही, जो साल-दर-साल 26 प्रतिशत की वृद्धि है। कंपनी ने तुलनात्मक उत्पादन आंकड़े उपलब्ध नहीं कराए। एनटीपीसी माइनिंग, एनटीपीसी लिमिटेड की अनुषंगी कंपनी है।

कोयला उत्पादन सालाना आधार पर एक फीसदी बढ़ा

सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी ने शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि हालांकि समीक्षाधीन अवधि में उसका कोयला उत्पादन सालाना आधार पर एक प्रतिशत बढ़ा है, वहीं सीआईएल का कोयला उत्पादन मार्च में एक साल पहले की समान अवधि के मुकाबले 3.1 प्रतिशत घटकर 8.58 करोड़ टन रह गया। वित्त वर्ष 2023-24 के इसी महीने में कंपनी का कोयला उत्पादन 8.86 करोड़ टन रहा था। कोल इंडिया की अनुषंगी कंपनियों में सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड (सीसीएल), वेस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (डब्ल्यूसीएल) और साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (एसईसीएल) शामिल हैं।

रॉ मटेरियल की कॉस्ट बढ़ने से कंपनी ने लिया फैसला

आठ अप्रैल से 62,000 रुपए तक महंगी होंगी मारुति सुजुकी की कारें

मुंबई, जेएनएन। 8 अप्रैल से मारुति सुजुकी ने अपनी कारों की कीमतों में 62 हजार रुपए तक की बढ़ोतरी करने की घोषणा की है। यह बढ़ोतरी कंपनी के सभी मॉडल्स पर अलग-अलग होगी। कंपनी ने रॉ मटेरियल और ऑपरेशनल कॉस्ट बढ़ने से यह निर्णय लिया है। मारुति सुजुकी ने इससे पहले 1 फरवरी 2025 से कार की कीमतों में 32,500 रुपए तक इजाफा किया था। वहीं जनवरी में भी कंपनी ने अपने सभी मॉडल्स पर 4 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी की थी। तब भी मारुति ने कीमत बढ़ाने की वजह रॉ मटेरियल महंगा होना बताया था। इनमें ग्रैंड विटारा सबसे ज्यादा 62,000 रुपए तक महंगी होगी।

मॉडल	कीमत में बढ़ोतरी
ग्रैंड विटारा	62,000 रुपए तक
ईको	22,500 रुपए तक
वैगन-आर	14,000 रुपए तक
अर्टिगा	12,500 रुपए तक
एक्सएल-6	12,500 रुपए तक
डिजायर टूर एस	3,000 रुपए तक
फ्रॉन्क्स	2,500 रुपए तक

सभी मॉडल्स पर अलग-अलग होगी बढ़ोतरी, 22,500 रुपए तक महंगी होगी ईको कार

24 फरवरी 1981 को हुई थी मारुति सुजुकी की स्थापना: मारुति सुजुकी की स्थापना 24 फरवरी 1981 को भारत सरकार के स्वामित्व में मारुति इंडस्ट्रीज लिमिटेड के रूप में हुई थी। 1982 में कंपनी ने जापान की सुजुकी कॉर्पोरेशन के साथ मिलकर जॉइंट वेंचर मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड बनाई। भारतीयों के लिए पहली बजट कार 1983 में मारुति 800 लॉन्च हुई। 47,500 रुपए की एक्स शोरूम कीमत पर कंपनी ने देश के एक बड़े तबके को कार खरीदने में सक्षम बनाया था। मारुति सुजुकी पिछले 40 साल में देश में करीब 3 करोड़ गाड़ियां बेच चुकी है।

तीसरी तिमाही में मुनाफा 3,727 करोड़

मारुति सुजुकी को वित्त वर्ष 2024-25 की तीसरी तिमाही में 3,727 करोड़ का शुद्ध मुनाफा (कॉन्सोलिडेटेड नेट प्रॉफिट) हुआ था। सालाना आधार पर यह 16 प्रतिशत बढ़ा था। एक साल पहले की समान तिमाही में कंपनी को 3,206 करोड़ का मुनाफा हुआ था। ऑपरेशन से कंपनी का रेवेन्यू 38,764 करोड़ रुपए रहा। एक साल पहले की समान तिमाही में मारुति ने 33,512 करोड़ का रेवेन्यू दर्ज किया था। सालाना आधार पर यह 15.67 प्रतिशत बढ़ा है। वस्तुओं और सेवाओं को बेचने से मिली राशि को रेवेन्यू कहते हैं।

भिक्षुकों पर लगाम लगाने कैमरों से होगी निगरानी

भोपाल। भोपाल जिले में भिक्षावृत्ति पर लगाम लगाने फिर तैयारी शुरू की जा रही है। जिला प्रशासन द्वारा पुलिस के सहयोग से ट्रैफिक सिग्नल पर लगे कैमरों की मदद से भिक्षावृत्ति में लगे लोगों की पहचान की जाएगी और उन्हें भिक्षा देने वाले लोगों को भी वाहनों के नंबर से चिन्हित कर पहचाना जाएगा और भिक्षा लेने और देने वाले पर नियमों के तहत कार्रवाई की जाएगी। बुधवार को जिला पंचायत कार्यालय में भिक्षावृत्ति मामलों पर नियंत्रण के लिए बैठक आयोजित की गई, जिसकी अध्यक्षता जिला पंचायत सीईओ इला तिवारी ने की।

आयकर ने फूड एंट ग्रॉसरी डिलिवरी प्लेटफॉर्म स्विगी को जारी किया 158 करोड़ से अधिक का नोटिस

बेंगलुरू, जेएनएन। आयकर विभाग की तरफ से फूड एंट ग्रॉसरी डिलिवरी प्लेटफॉर्म स्विगी को 158 करोड़ से ज्यादा के कर वाला एक एसेसमेंट ऑर्डर नोटिस मिला है। कंपनी ने बताया कि उसे 2021 के अप्रैल से 2022 के मार्च की अवधि के दौरान के ये कर नोटिस आयकर विभाग के डिप्टी कमिश्नर, सेंट्रल सर्कल, बेंगलुरू की तरफ से दिया गया है। स्विगी ने अपने एक एक्सचेंज फाइलिंग में कहा कि कंपनी को 2021 के अप्रैल से 2022 के मार्च की अवधि के दौरान का ये एसेसमेंट ऑर्डर मिला है। इसमें 1,58,25,80,987 की अतिरिक्त आय उसमें जोड़ी गई। गौरतलब है कि ये मामले कथित उल्लंघनों से जुड़ा है, इसमें मर्चेंट्स को दिए गए कैंसलेशन चार्ज को आयकर एक्ट, 1961 की धारा 37 के तहत अस्वीकार किया जाना। इसके साथ ही, आयकर रिफंड पर प्राप्त ब्याज को टैक्स योग्य आय में शामिल न करना शामिल है। स्विगी का मानना है कि उसके पास आदेश के खिलाफ मजबूत मामला है और वह अपील के जरिए अपने हितों की रक्षा के लिए जरूरी कदम उठा रही है। कंपनी ने कहा कि इस आदेश से उसके वित्तीय और परिचालन पर कोई बड़ा प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा। स्विगी एक पॉपुलर ऑनलाइन फूड ऑर्डरिंग और डिलिवरी प्लेटफॉर्म है, जो रेस्टोरेंट से खाना ऑर्डर करने और डिलिवरी का काम करती है। 2014 में इसे प्लेटफॉर्म को बनाया गया था। शहरों की भागदौड़ की जिंदगी में स्विगी इसलिए भी काफी पॉपुलर हुआ है, क्योंकि कई बार लोग थके हुए अपना ऑफिस से आते हैं, जब उन्हें खाना बनाने का मन नहीं होता है तो इसके जरिए मिनटों में खाना हाजिर हो जाता है।

सौरभ व साथियों की जमानत निरस्त कराने लोकायुक्त नहीं करेगी अपील

मुख्य संवाददाता, भोपाल। लोकायुक्त पुलिस परिवहन विभाग के करोड़पति पूर्व आरक्षक रहे सौरभ शर्मा और उसके साथियों चेतन सिंह गौर और शरद जायसवाल की जमानत के खिलाफ अपील नहीं करेगी। आय से अधिक संपत्ति के मामले में मंगलवार को रामप्रताप मिश्रा की स्पेशल लोकायुक्त कोर्ट ने तीनों को जमानत दे दी थी। तीनों को एक-एक लाख के मुचलके पर जमानत इसी आधार पर दी गई है कि साठ दिनों के भीतर आरोपियों के खिलाफ चालान ही पेश नहीं किया। अब लोकायुक्त के

अफसरों के मुताबिक सौरभ, शरद और चेतन की जमानत निरस्त कराने के लिए हाईकोर्ट में अपील भी नहीं की जाएगी। हालांकि, लोकायुक्त के मामले में जमानत मिलने के बाद भी तीनों जेल से अभी बाहर नहीं आ सकेंगे क्योंकि स्पेशल ईडी कोर्ट के निर्देश पर तीनों 11 मार्च तक सेंट्रल जेल में न्यायिक रिमांड पर बंद हैं। अगर ईडी भी 11 मार्च तक इन तीनों के खिलाफ स्पेशल कोर्ट में चालान पेश नहीं करेगा तो ही तीनों की जमानत की राह आसान हो सकती है, हालांकि इसकी संभावना कम ही है।

पूरी नहीं हुई दस्तावेजों की जांच, जुटा रहे सबूत

लोकायुक्त पुलिस के एसपी दुर्गेश कुमार राठौर के अनुसार अभी सौरभ शर्मा के केस में जब्त किए गए दस्तावेजों का परीक्षण जारी है। इसके साथ ही तीनों के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति के सबूत भी जुटाए जा रहे हैं। लोकायुक्त एसपी के अनुसार यह बेहद संवेदनशील केस होने के कारण इसकी विवेचना में समय लग रहा है।

मिशन के तौर पर लक्ष्य को लेकर काम किया जाए: सीएस

अनुराग जैन ने मंत्रालय में की विभागों की समीक्षा

विसं, भोपाल। मुख्य सचिव अनुराग जैन ने बुधवार को मंत्रालय में वित्तीय वर्ष 2024-25 में विभागीय योजनाओं की लक्ष्य पूर्ति की समीक्षा एवं वित्तीय वर्ष 2025-26 के लक्ष्य निर्धारण को लेकर सभी विभागों की समीक्षा की। मुख्य सचिव ने वित्तीय वर्ष 2024-25 में सभी विभागों की विभागीय योजनाओं की लक्ष्य पूर्ति की अद्यतन स्थिति की जानकारी प्राप्त की। उन्होंने वित्तीय वर्ष 2025-26 के तय लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए आवश्यक क्रियान्वयन समयपूर्वक सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। जैन ने बैठक में विजन 2047 के अंतर्गत विभागीय कार्य योजनाओं की बिंदुवार समीक्षा की। शासन के महत्वाकांक्षी गरीब, अन्नदाता, युवा एवं नारी मिशन के क्रियान्वयन से संबंधित कार्य योजना पर भी व्यापक चर्चा हुई। मुख्य सचिव ने संकल्प पत्र में सभी विभागों से जुड़े समस्त संबंधित बिंदुओं पर चर्चा कर उनके पालन की स्थिति की भी समीक्षा की। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव के प्राथमिकता वाले विषयों के क्रियान्वयन समय-सीमा में सुनिश्चित किए जाएं। उन्होंने केन्द्र सरकार द्वारा प्रायोजित फ्लैगशिप योजनाओं की प्रगति की समीक्षा करते हुए, केन्द्र सरकार को भेजे जाने वाले उपयोगिता प्रमाण पत्र एवं मांग स्थिति की भी जानकारी ली। जनशिकायत निवारण, अंतर्विभागीय एवं विधानसभा से जुड़े विभिन्न विषयों पर बिंदुवार चर्चा हुई। मुख्य सचिव श्री जैन ने लंबित सीएस मॉनिट, भारत सरकार से प्राप्त अर्द्धशासकीय पत्रों की समीक्षा, पेपर कटिंग, सीएम हेल्पलाईन, ई-ऑफिस, सीपी ग्राम, विधानसभा प्रश्न एवं आश्वासन सहित कैग रिपोर्ट से संबंधित विभागीय बिंदुओं पर व्यापक चर्चा कर आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

पूनम बनीं आरबीआई की नई डिप्टी गवर्नर

नई दिल्ली, जेएनएन। सरकार ने प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद की सदस्य डॉ. पूनम गुप्ता को रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) का नया डिप्टी गवर्नर नियुक्त किया है। पूनम का कार्यकाल 3 साल का होगा। वे जनवरी में इस्तीफा दे चुके डिप्टी गवर्नर माइकल पात्र की जगह लेंगी। केंद्रीय मंत्रिमंडल की नियुक्ति समिति ने पूनम की नियुक्ति को मंजूरी दे दी है। 5 अप्रैल को होने जा रही आरबीआई की मॉनिटरी पॉलिसी कमेटी की बैठक से पहले ये नियुक्ति की गई है। पूनम अभी नेशनल काउंसिल ऑफ एप्लाइड इकॉनॉमिक रिसर्च की डायरेक्टर और 16वें वित्त आयोग की सदस्य हैं। इससे पहले वे नीति आयोग की डेवलपमेंट एडवाइजरी कमेटी और फेडरेशन ऑफ इंडियन चैंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री की एक्जीक्यूटिव कमेटी की सदस्य रह चुकी हैं।

नागपुर से विहार कर आ रहे जैन मुनि को खंडवा में ट्रक ने कुचला, मौत

हादसे के बाद चालक फरार, पुलिस कर रही तलाश

जागरण, खंडवा। खंडवा में इंदौर-ऐदलाबाद नेशनल हाईवे पर बुधवार सुबह दर्दनाक हादसे में जैन मुनि गजेंद्र मुनि महाराज की मौत हो गई। वे नागपुर से पैदल विहार करते हुए इंदौर जा रहे थे, उनके साथ दो अन्य जैन मुनि भी थे। रास्ते में ग्राम मोकलगांव टोल टैक्स के पास एक तेज रफ्तार मिनी ट्रक (आयशर वाहन) ने उन्हें रौंद दिया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, हादसा सुबह करीब 8 बजे हुआ। वाहन की टक्कर इतनी तेज थी कि जैन मुनि की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के तुरंत बाद ड्राइवर वाहन लेकर फरार हो गया। टीआई दिलीप देवड़ा ने बताया कि टोल टैक्स के सीसीटीवी फुटेज खंगाले गए, जिसमें एक आयशर वाहन हादसे के समय गुजरता दिखा। पुलिस वाहन और ड्राइवर की तलाश कर रही है। पुलिस ने शव का पोस्टमॉर्टम पंधाना में कराया, जिसके बाद जैन समाज के लोगों ने शिल्टिया गांव के मुक्तिधाम में अंतिम संस्कार किया। अंतिम संस्कार में बड़ी संख्या में समाजजन मौजूद रहे। जैन समाज के लोगों ने हादसे पर दुख व्यक्त करते हुए प्रशासन से

मांग की कि आरोपी वाहन चालक को जल्द गिरफ्तार किया जाए और सख्त कार्रवाई की जाए।

आज नागपुर में होगी श्रद्धांजलि सभा

पंडित श्री गजेंद्र मुनि महाराज म.सा. नागपुर के रहने वाले थे। वे इंदरचंद के बेटे और बसंती लाल गोलेच्छा के भाई थे। उनके दो बेटे कैलाश एवं हेमंत गोलेच्छा हैं। गुरुवार सुबह 10 बजे नागपुर के वर्धमान नगर में वर्धमान नगर स्थानक में श्रद्धांजलि सभा रखी है।

अमेरिकी अदालत ने किया खुलासा

डोभाल को समन दिया था पर तामील नहीं कराया जा सका

वॉशिंगटन, जेएनएन। न्यूयॉर्क की एक अदालत ने इस महीने की शुरुआत में एक अहम फैसला सुनाते हुए कहा कि खालिस्तानी आतंकी गुरपतवंत सिंह पन्नू द्वारा दायर एक मामले में भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल को समन जारी किया गया था, लेकिन तामील नहीं कराया जा सका, इसलिए रद्द कर दिया गया। अदालत के अनुसार, पन्नू की लीगल टीम ने डोभाल को समन देने के लिए दो लोगों को नियुक्त किया था।

इन्होंने डोभाल से दो बार समन तामील कराने की कोशिश की लेकिन वे नाकाम रहे। बता दें कि फरवरी 2020 में अजीत डोभाल वॉशिंगटन में पीएम नरेंद्र मोदी के साथ अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से मिलने गए थे, तब 12 फरवरी को ब्लेयर हाउस (जहां प्रधानमंत्री मोदी और उनका दल ठहरा था) में डोभाल को समन देने की कोशिश की गई थी। हालांकि, वहां भारत के सीक्रेट सेवा के एजेंटों ने समन देने नहीं दिया था। इसके बाद 13 फरवरी को फिर से एक और कोशिश की गई, लेकिन इस बार भी सीक्रेट सर्विस के एजेंटों ने समन को स्वीकार करने से इंकार कर दिया। इसके बाद समन को ब्लेयर हाउस के पास एक कैफे में छोड़ दिया गया।

बता दें कि 18 सितंबर, 2024 को न्यूयॉर्क की दक्षिणी जिला न्यायालय ने भारत सरकार और व्यक्तिगत रूप से डोभाल, पूर्व रॉ प्रमुख सामंत गोयल, पूर्व रॉ अधिकारी 'विक्रम यादव' के साथ-साथ हिरासत में लिए गए भारतीय नागरिक निखिल गुप्ता को पन्नू द्वारा दायर एक सिविल मुकदमे में समन जारी किया था। केवल गुप्ता को समन दिया जा सका था। गुप्ता फिलहाल जेल में बंद हैं। विक्रम यादव भी अमेरिका की किसी जेल में हैं।

यह है मामला

खालिस्तानी आतंकी पन्नू ने डोभाल और एक अन्य भारतीय नागरिक निखिल गुप्ता के खिलाफ अमेरिका में दीवानी मुकदमा दायर किया है। संघीय अभियोजकों ने गुप्ता पर आरोप लगाया है कि उसने अमेरिकी धरती पर पन्नू की हत्या की साजिश की थी जो नाकाम हो गई। अदालत ने इसी मामले में डोभाल को समन भेजा था।

मऊगंज कलेक्टर ने कोरेक्स का प्रतिबंधात्मक आदेश किया जारी

फाइल फोटो

मऊगंज ब्यूरो। समाचार पत्रों एवं अन्य माध्यमों से यह संज्ञान में आया है कि कम उम्र के बच्चों एवं युवा पीढ़ी द्वारा कॉरेक्स कफ सिरप का उपयोग नशे के रूप में किया जाता है, जो कि सामान्य उपयोग की वस्तु होने से आसानी से बाजार में सर्वसाधारण के लिए उपलब्ध हो जाती है। कम उम्र के बच्चों एवं युवाओं द्वारा अज्ञानतावश कॉरेक्स कप सिरप का सेवन किया जाता है। दैनिक समाचार पत्रों एवं अन्य माध्यमों से प्राप्त सूचनाओं के संबंध में जिला कलेक्टर का कहना है कि मुझे यह समाधान हो गया है कि नशे के रूप में नाबालिग बच्चों / कम उम्र के बच्चों एवं युवाओं द्वारा कॉरेक्स कफ सिरप जैसे उत्पाद का उपयोग नशे के लिए किया जा रहा है, जिस पर अंकुश लगाने एवं लोक सुरक्षा को दृष्टिगत रखते हुए भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 की धारा 163 के तहत प्रतिबंधात्मक आदेश लागू किया जाना आवश्यक है। कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट, मऊगंज, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा 163 के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुये सम्पूर्ण मऊगंज जिले में निम्नानुसार प्रतिबंधात्मक आदेश जारी किए जाते हैं। जिसमें मऊगंज जिले में कोई भी दुकानदार कॉरेक्स कफ सिरप पंजीकृत चिकित्सक के नवीन प्रिस्किप्शन के बिना विक्रय नहीं करेगा। यह आदेश सर्व साधारण को सम्बोधित है एवं परिस्थितियाँ ऐसी है कि समय अभाव के कारण सर्वसाधारण को सूचना तामील नहीं की जा सकती और न ही सर्व साधारण से आपत्तियों प्राप्त की जा सकती हैं। अतः यह आदेश भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 की धारा 163(2) के अन्तर्गत एक पक्षीय पारित किया जाता है। आदेश का प्रचार-प्रसार स्थानीय समाचार पत्रों/ इलेक्ट्रानिक मीडिया के माध्यम से कराया जावेगा। उक्त आदेश का उल्लंघन करने वाले व्यक्ति / दुकानदार के विरूद्ध भारतीय न्याय संहिता 2023 की धारा 223 तथा अन्य समस्त प्रावधानों के अन्तर्गत कार्यवाही की जावेगी। यह आदेश तत्काल प्रभावशील होगा।

सीएम राइज स्कूल लालगांव मे मनाया गया प्रवेशोत्सव

लालगांव, नि.प्र.। स्वर्गीय कुँवर रुक्मिणी रमण प्रताप सिंह सीएम राइज शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय लालगांव मे 1 अप्रैल को प्रवेशोत्सव का कार्यक्रम काफी हर्षोल्लास और धूमधाम के साथ मनाया गया। इस अवसर पर जनप्रतिनिधि के रूप मे लालगांव की सरपंच ज्योत्सना कोल और उप सरपंच सुधा तिवारी उपस्थित रहीं। सबसे पहले विद्यालय के प्राचार्य बालेन्दु शेखर द्विवेदी और पूरे विद्यालय परिवार ने पुष्प गुच्छ भेंट कर सरपंच और उपसरपंच का सम्मान किया। प्रवेशोत्सव कार्यक्रम मे छात्रो को पुस्तक भेंट करते हुए माथे पर तिलक लगाकर मुंह मीठा कर मुख्य अतिथि महोदय ने स्वागत किया। कार्यक्रम का संचालन राघवेंद्र तिवारी ने किया।

शा. कन्या विद्यालय हनुमना में अनुविभागीय अधिकारी राजस्व में प्रवेशोत्सव संपन्न

हनुमना, नि.प्र.। मध्य प्रदेश शासन स्कूल शिक्षा विभाग के आदेशानुसार स्कूल चले हम अभियान अंतर्गत प्रवेश उत्सव कार्यक्रम का आयोजन 01 अप्रैल को शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय हनुमना में हर्षोल्लास से मनाया गया। इस कार्यक्रम में नगर परिषद उपाध्यक्ष शरद गुप्ता मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थिति रहीं। विशिष्ट अतिथि के रूप में वार्ड क्रमांक 10 की पार्षद नवीनता गुप्ता नगर पंचायत हनुमना नगर के प्रतिष्ठित समाजसेवी जय गुप्ता एवं तारकेश्वर गुप्ता मुख्य रूप से उपस्थित रहे। द्वितीय दिवस प्रवेश उत्सव कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में अनुविभागीय अधिकारी राजस्व हनुमन कमलेश पुरी एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में विकासखंड शिक्षा अधिकारी के प्रतिनिध रहे ओपी शुक्ला उपस्थित रहे। शिक्षा जगत के विद्वान रामकृष्ण मिश्रा, सेवानिवृत्ति प्राचार्य विष्णु प्रसाद पांडे, प्रचार रामदेव वर्मा, सेवानिवृत्ति प्राचार्य मुख्य रूप से उपस्थित रहे । कार्यक्रम की शुरुआत मां वीणावादिनी सरस्वती जी की पूजा अर्चना से शुरू हुई।

अतिथियों ने बालिकाओं की शिक्षा पर दिया विशेष जोर

मुख्य अतिथि श्रीमती गुप्ता ने नारी शिक्षा पर विशेष बल दिया कार्यक्रम के दौरान छात्राओं का तिलक वंदन करके मुख्य अतिथियों द्वारा छात्राओं को निःशुल्क पाठ पुस्तक वितरित की गई। छात्राओं को अवगत कराया गया कि आज दिनांक से अनवरत अप्रैल माह तक कक्षाएं संचालित होगी सभी छात्राएं अनिवार्य रूप से समय संचालित होगी सभी छात्राएं अनिवार्य रूप से विद्यालय में पहुंचकर अध्ययन अध्यापन करें। कार्यक्रम का संचालन रण बहादुर सिंह एवं मनोज कुमार त्रिपाठी द्वारा किया गया । संस्था के विद्वान शिक्षक अरविंद कुमार पाठक द्वारा शिक्षा के गुणवत्ता पर प्रकाश डाला गया। प्रवेश उत्सव कार्यक्रम में सैकड़ों की संख्या में लोग उपस्थित रहे। संस्था के प्रचारक अमरनाथ तिवारी द्वारा सभी उपस्थित गण अतिथियों को आभार प्रेषित किया गया तथा सभी शिक्षक गणों के द्वारा प्रवेश उत्सव को सफल बनाने के लिए धन्यवाद प्रेषित किया गया। शिक्षक साथियों से अपेक्षा की गई कि छात्राओं को विद्यालय में नियमित आने के लिए प्रेरित करें।

न्यूज कार्नर

इंडिया विज़न पब्लिक स्कूल बुढ़वा का शत प्रतिशत रहा परिणाम

दुआरी, नि.प्र.। रायपुर कचुंलियान के बोर्ड पैटर्न द्वारा संचालित 5 वी 8 वीं की बोर्ड परीक्षा में इंडिया विज़न पब्लिक स्कूल के छात्रों ने प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी अच्छे अंक अर्जित किये एवं विद्यालय का 100 प्रतिशत परीक्षा परिणाम रहा। इस उपलब्धि के लिए संचालक डॉ. अवनीश कुमार एवं प्रधानाध्यापिका शीला पटेल तथा सभी स्टॉफ द्वारा छात्रों को शुभकामनाये देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की है।

तहसीलदार जवा जितेन्द्र तिवारी ने जूस पिलाकर तुड़वाया आमरण अनशन

जवा ब्यूरो। मध्य प्रदेश शासन के आधीन हजारों वर्ष पुराना शीतला माता मंदिर सितलहा पहुंच मार्ग का निर्माण कार्य कराये जाने की मांग को लेकर ग्राम सितलहा निवासी वरिष्ठ समाजसेवी महेंद्र कुमार दिक्षित तहसील कार्यालय जवा के सामने चौथे दिन भी आमरण अनशन पर बैठे थे। कलेक्टर रीवा के आदेशानुसार तहसीलदार जवा जितेन्द्र तिवारी ने आमरण अनशन कारी महेंद्र कुमार दिक्षित से मिलकर उनकी मांगों को सुना वा मौके का निरीक्षण कर शीघ्र अतिक्रमण हटाकर सड़क निर्माण कार्य कराये जाने का लिखित आश्वासन दिया। आमरण अनशनकारी महेंद्र कुमार दीक्षित को जूस पिलाकर कर आमरण अनशन तुड़वाया। उक्त अवसर पर काफी संख्या में बाजारवासी सहित गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

नशा मुक्त होने उपजेल मऊगंज में कराया मेडिटेशन

मऊगंज ब्यूरो। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय (नशा मुक्ति परामर्श केंद्र)मऊगंज के द्वारा उपजेल मऊगंज में एकदिवसीय राजयोग प्रशिक्षण का कार्यक्रम 2 अप्रैल को रखा गया जिसमें ब्रह्मकुमारी बहनों के द्वारा सभी कैदी भाइयों को तनाव मुक्त खुशनुमा जीवन, व्यसन मुक्ति जीवन कैसे जिए इस विषय पर बीके पूर्णिमा बहन के द्वारा बहुत ही सुचारु ढंग से व्याख्यान दिया गया तथा ब्रह्माकुमारी उर्मिला बहन के द्वारा राजयोग मेडिटेशन का अभ्यास कराया गया साथ ही साथ जेल अधीक्षक राकेश मेंहोरिया एवं समस्त स्टाफ उपस्थित रहे।

हिन्दू नववर्ष : खटखरी के देवरा में निकाली गई विशाल शोभायात्रा

मऊगंज ब्यूरो। विगत वर्षों की भांति इस वर्ष भी रामनवमी हिन्दू नववर्ष के उपलक्ष्य मे खटखरी के देवरा मे भव्य शोभायात्रा निकाली गई। शोभायात्रा महरानी दाई मंदिर देवरा से प्रारम्भ होकर देवरा ओवर ब्रिज होते हुए खटखरी पहुंची खटखरी बाजार होते हुए शनि धाम मंदिर पहुंची जहाँ शोभायात्रा का स्वागत गदा और त्रिशूल का पूजन कर किया गया। इसके बाद वहां प्रसाद वितरण किया गया इसके बाद यात्रा पुनः प्रारम्भ होकर खटखरी बाजार होते हुए महादेवन मंदिर देवरा पहुंची, जहाँ पर पहले गदा त्रिशूल का पूजन किया गया इसके बाद श्री राम दरबार की सामूहिक आरती के बाद शोभायात्रा का प्रसाद वितरण कर समापन हुआ। कार्यक्रम में हजारों की संख्या मे सनातनी हिंदू भईयों माताएं, बहने कार्यक्रम मे शामिल होकर पुण्य के सहभागी बने। कार्यक्रम मे मऊगंज विधायक प्रदीप पटेल, बृजेश हिन्दू, अरविन्द पटेल सहित हजारों की तादाद में युवा एवं समस्त ग्राम वासी सम्मिलित रहे।

रामनई स्कूल में मनाया गया प्रवेशोत्सव

मुख्य अतिथि रहे गुढ़ विधायक नागेंद्र सिंह

गुढ़ (नि.प्र)। गुढ़ विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत ग्राम रामनई स्थित हॉयर सेकेंडरी स्कूल में प्रवेशोत्सव का आयोजन गुढ़ विधानसभा क्षेत्र के विधायक नागेंद्र सिंह के मुख्य आतिथ्य में आयोजित किया गया। उक्त अवसर पर नए प्रवेशार्थी छात्रों का स्वागत पुष्प वर्षा से किया गया। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के तौर पर भाजपा मंडल अध्यक्ष अभिषेक सिंह एवं खंड शिक्षा अधिकारी डॉ प्रतिभा सरभाई उपस्थित रहीं। कार्यक्रम की अध्यक्षता वरिष्ट समाजसेवी व्याघ्रदेव सिंह ने की। कार्यक्रम में कई छात्रों को नया प्रवेश दिया गया साथ पाठ्य पुस्तकों का वितरण मुख्य अतिथि द्वारा किया गया। उक्त अवसर पर विद्यालय का समस्त स्टाफ सहित तीन सौ की संख्या में लोग उपस्थित रहे।

सोहागी पब्लिक स्कूल का प्रतिभा अलंकरण एवं परीक्षाफल समारोह संपन्न

त्योंथर ब्यूरो। सोहागी पब्लिक स्कूल का परीक्षाफल वितरण एवं प्रतिभा अलंकरण समारोह 30 मार्च 2025 को संपन्न हुआ। सर्वप्रथम कार्यक्रम के मुख्य अतिथि क्षेत्र के पूर्व विधायकश्याम लाल द्विवेदी द्वारा सरस्वती प्रतिमा पर पुष्पार्चन व द्वीप प्रज्वलन के साथ आरंभ हुआ। छात्र-छात्राओं द्वारा अनेक मनोहारी कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया बच्चों द्वारा योग का सुंदर एवं आकर्षक प्रस्तुत की गई संगीत शिक्षक ध्रुवनारायण द्वारा भक्ति गीत प्रस्तुत किया गया जिसमें तबले की संगत विमल भट्ट ने किया। नर्सरी से ग्यारवीं तक के प्रथम, द्वितीय, तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया गया। प्रबंधक डॉक्टर रघुराज सिंह ने अतिथियों का स्वागत करते हुए छात्र के विकास में विद्यालय व अभिभावक की संयुक्त भूमिका पर प्रकाश डाला। मुख्य अतिथि पूर्व विधायक श्री द्विवेदी ने नवरात्रि की अवसर पर कार्यक्रम की विशेषता करते हुए परिवार समाजवाद राष्ट्र के उत्थान में संस्कारी बच्चों की भूमिका पर व्यापकता से प्रकाश डाला। कार्यक्रम का संचालन डॉक्टर अभिनव सिंह व धन्यवाद ज्ञापन प्रधानाचार्य जेपी सिंह ने किया। विद्यालय, कॉलेज, व आईटीआई के शिक्षकों व कर्मचारियों का सुंदर व व्यवस्थित सहयोग रहा। क्षेत्र के वरिष्ठ नागरिक भारत सिंह भदोरिया एडवोकेट, मुद्रिका तिवारी एडवोकेट, शिलाधार सिंह समाजसेवी, प्रयागराज से आए हुए क्षेत्र के संगठन मंत्री, विद्या भारती डॉक्टर राम मनोहर, विद्या भारती काशी प्रांत के जुगुल किशोर, विक्रम बहादुर जगदीश सिंह, समिति के इंजीनियर बृजेश सिंह कर्नल विवेक सिंह, शीला सिंह, डॉक्टर प्रेम प्रभा सिंह, डॉक्टर गरिमा सिंह भी उपस्थित रहे।

ब्लॉक कांग्रेस कमेटी मझियार ने दहन किया पुतला

मझियार, नि.प्र.। मध्यप्रदेश में बहुचर्चित परिवहन घोटाले के सरगना शौरभ शर्मा को बुधवार को जमानत मिलने से मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रदेश अध्यक्ष माननीय जीतू पटवारी के निर्देशानुसार जिला कांग्रेस कमेटी रीवा के मार्गदर्शन पर बुधवार को ब्लॉक कांग्रेस कमेटी मझियार के अध्यक्ष जितेंद्र सिंह के नेतृत्व में शौरभ शर्मा को मिली जमानत के विरोध में ब्लॉक मुख्यालय मझियार पर विरोध प्रदर्शन कर मुख्यमंत्री का पुतला दहन कर विरोध जताय गया। साथ ही सरकार और प्रदेश के मुखिया डॉ मोहन यादव से मांग की गई की सौरभ शर्मा जैसे आरोपियों को जमानत दिलवा देना प्रदेश की जनता जनार्दन के बोट का अपमान है और ब्लॉक अध्यक्ष और ब्लॉक के सभी कांग्रेस जनों ने मांग की है कि सौरभ शर्मा की फिर से जमानत याचिका सरकार खारिज करवाए। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से ब्लांक प्रभारी विष्णु शुक्ला, जिला महामंत्री शिवकुमार तिवारी, राजेंद्र प्रसाद शुक्ला, अनिरुद्ध सिंह, रामराज मिश्रा, रामकुमार शुक्ला, आनंद द्विवेदी, विनोद सोधिया सहित कांग्रेस पार्टी के सभी मंडलम अध्यक्ष सेक्टर अध्यक्ष सहित कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

विधानसभा त्योंथर में सीएम का पुतला दहन कर जताया विरोध

त्योंथर ब्यूरो। ब्लाक कांग्रेस कमेटी त्योंथर, चाक,गढ़ी के संयुक्त तत्वाधान में कांग्रेस पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व प्रत्याशी कमांडो अरुण गौतम विधानसभा त्योंथर- 70 के नेतृत्व में भ्रष्टाचारी सौरव शर्मा को शासन एवं मुख्यमंत्री के द्वारा जमानत दिला दिये जाने के विरोध में त्योंथर मुख्यालय में मुख्यमंत्री डॉक्टर मोहन यादव का पुतला दहन कर विरोध जताया गया। जिसमें कांग्रेस पार्टी के सैकड़ों पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

नवरात्रि अवसर पर किन्नर आंचल ने शरीर पर उगा लिया जवा

चाकघाट, नि.प्र.। समीपस्थ ग्राम सोहागी में नवरात्रि के अवसर पर अलोपी माता मंदिर परिसर में किन्नर आंचल के द्वारा भक्ति भाव से परिपूर्ण ऐसी साधना की जा रही है जो आज के सामान्य लोगों के लिए संभव नहीं है। किन्नर आंचल ने नवरात्रि के पूरे समय के लिए अपने शरीर पर जवा का धारण कर लिया है और वह लेट कर अपने ऊपर जवा की फसल को तैयार की है। वह इस प्रकार नौ दिनों तक माता रानी की आराधना करेगी इस आराधना के दौरान वह पानी और लौंग का सेवन करेगी, अन्य खाद्य पदार्थों का सेवन उसके द्वारा नहीं किया जाएगा। किन्नर आंचल ने एक चर्चा के दौरान बताया कि यह सब देवी मां की कृपा से ही उसे शक्ति प्राप्त होती है जिसके वह कार्य को माता रानी की इच्छा से कर पा रही है। किन्नर आंचल का कहना है कि उसकी यह साधना जगत कल्याण के लिए है ताकि समस्त ब्रह्मांड में सुख शांति एवं न्याय धर्म के रास्ते पर चलने के लिए लोगों में शक्ति और साहस प्राप्त हो सके। किन्नर आंचल ने बताया की इस साधना को वह निरंतर कई वर्षों से कर रही है। सोहागी से त्योंथर मार्ग पर स्थित अलोपी माता मंदिर में 30 मार्च से 9 दिन नवरात्रि में आंचल किन्नर द्वारा माता की पूजा आराधना की जा रही है। किन्नर आंचल एवं मंदिर प्रबंध समिति के लोगों द्वारा श्रद्धालुओं से आग्रह किया गया है कि वह सोहागी त्योंथर रोड पर अलोपी माता मंदिर में नवरात्रि के अवसर पर आकर देवी का दर्शन करें तथा नवरात्रि के बाद दशमी के दिन भंडारे का प्रसाद ग्रहण करें।

पीएमश्री स्कूल गढ़ में भविष्य से भेंट कार्यक्रम हुआ आयोजित

गढ़, नि.प्र.। पीएमश्री शास. उच्च. माध्य. विद्या. गढ़ में 02 अप्रैल को भविष्य से भेट कार्यक्रम आयोजित हुआ जिसमें मुख्य अतिथि मनोज सिंह (नायब तहसीलदार वृत्त गढ़ तहसील मनगवां)के द्वारा सबसे पहले विद्या की देवी सरस्वती को दीप प्रज्वलित एवं पुष्प अर्पित कर कार्यक्रम को प्रारंभ किया गया तथा उनके द्वारा छात्रों के बीच अपने जीवन से जुड़ी विभिन्न प्रकार की गतिविधियों के बारे बताया गया एवं छात्रों को प्रमुख रूप से ईमानदार,चरित्रवान होने पर प्रकाश डाला गया एवं उनके द्वारा छात्रों से उनके लक्ष्य के बारे छात्रों से चर्चा किया गया । इस अवसर पर विद्यालय के प्राचार्य देवेश कुमार साकेत, अनिल कुमार पाण्डेय,डॉ. उमाशंकर सोनी, देवेन्द्र सिंह, आदि सैकड़ों नागरिक, स्टाफ एवं विद्यालय के बच्चे उपस्थित रहे।

जल संरक्षण एवं संवर्धन करने जलाशयों का होगा सौंदर्यीकरण

नौवस्ता नि.प्र.। ग्राम पंचायत कचूर में स्थित मडफहा नाथ तालाब का सौंदर्यीकरण जल संरक्षण एवं संधारण किया जाना है, शासन द्वारा शुरू की गई इस महत्वाकांक्षी योजना में सरकार के साथ-साथ ग्रामीण जनों की भागीदारी सुनिश्चित की गई, इस परिपेक्ष्य में वरिष्ठ समाजसेवी अन्नपूर्णा प्रसाद द्विवेदी के अगुवाई में ग्राम पंचायत कचूर सचिव अनिल कुमार मिश्रा तथा कर्मचारियों व ग्रामीणजनों में मुख्य रूप से बालगोविंद द्विवेदी, आशुतोष गर्ग, अर्जुन सिंह रोजगार सहायक, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता ममता तिवारी, अल्का मिश्रा, सहित इत्यादि लोगों ने श्रम दान किया। जल गंगा कार्यक्रम के तहत आयोजित श्रम दान में ग्राम पंचायत सचिव अनिल मिश्रा एवं ग्रामीण जनों ने श्रम दान कर अपनी सहभागिता सुनिश्चित करते हुए जल संरक्षण संवर्धन के लिए प्रेरणादाई संदेश भी दिया।

खन्धों मन्दिर में लग रही भक्तों की भारी भीड़

गोविन्दगढ़ ब्यूरो। गोविन्दगढ़ का प्रसिद्ध खन्धो में नवरात्रि के दौरान यहा भक्तों का हुजूम लगा रहता हैं। खन्धो मन्दिर के पुजारी संजय बुधौलिया ने बताया कि इन दिनों सुबह से लेकर देर रात्रि तक माता के दरबार में भक्त आते हैं। इन दिनो पूजा-पाठ, मूड़न, कनछेदन आदि शभ कार्य किए जा रहे हैं। मन्दिर परिसर का विकास भी खूब हुआ हैं और अभी विकास कार्य चालू भी हैं, मन्दिर में पुलिस प्रशासन समेत जनप्रतिनिधियों का भी विषेष सहयोग रहता हैं। मां खन्धों माता हर किसी की मनोकामना पूरी करती हैं।

भैसोखर माता देती हैं मनचाहा वरदान

गोविन्दगढ़ थाना अन्तर्गत ग्राम पंचायत टीकर में विराजमान भैसोखर माता की महिमा बड़ी ही निराली हैं। यहा पर ऐसी मन्नत हैं कि हर किसी को भैसोखर माता मनचाहा वरदान देती हैं। यही कारण हैं कि भैसोखर माता के दरबार में सुबह से ही भजन कीर्तिन का दौर चालू हो जाता हैं। भैसोखर माता मन्दिर परिसर में आठ दिवसीय मेले का भी आयोजन किया जाता हैं। मन्दिर परिसर की व्यवस्थाओं को लेकर स्थानीय लोगो में काफी उत्साह रहता हैं और यहा के लोग बड़ी ही श्रद्धा के साथ मां के सेवा भजन में लगे रहते हैं।

प्रत्येक बूथ पर भव्यता के साथ मनाया जाएगा स्थापना दिवस : डॉ राजेंद्र मिश्रा

डॉ अम्बेडकर जी के विचारों को लेकर हर गांव, गली और बस्ती तक जायेंगे भाजपा कार्यकर्ता : के के तिवारी

आंचलिक डेस्क। भाजपा जिला कार्यालय मऊगंज में आयोजित जिला पदाधिकारियों, मंडल अध्यक्ष एवं जनप्रतिनिधियों की बैठक को भाजपा जिलाध्यक्ष मऊगंज डॉ राजेंद्र मिश्रा ने सम्बोधित करते हुए पार्टी के आगामी कार्यक्रमों पर विस्तार से चर्चा की। मऊगंज जिले के सभी 518 मतदान केंद्रों में 6 अप्रैल को उत्साह के साथ पार्टी का स्थापना दिवस मनाया जाएगा। मंडल अध्यक्ष, जिलापदाधिकारी, एवं सभी श्रेणी के जनप्रतिनिधि गांव चलो बस्ती चलो अभियान के तहत 7-13 अप्रैल तक बूथ प्रवास करेंगे। प्रत्येक बूथ पर भारत रत्न डॉ भीमराव अम्बेडकर जी की जयंती 14 अप्रैल को मनाई जाएगी। बैठक में जिलाध्यक्ष डॉ राजेंद्र मिश्रा, जिला प्रभारी के के तिवारी, जिला उपाध्यक्ष विपिन मिश्रा, जयप्रकाश मिश्रा, प्रकाश चौरसिया, उर्मिला सिंह, अवध बिहारी पाण्डेय, पंकज पाण्डेय, नागेंद्र पटेल लवकुश सिंह मीडिया प्रभारी अजय मिश्रा सह प्रभारी राजाराम गुप्ता कार्यालय मंत्री भरत पाण्डेय कोषाध्यक्ष मनोज सिंह चंद्र कांत मिश्रा संतोष अवधिया नईगढ़ी नगर परिषद अध्यक्ष नागिता गुप्ता, हनुमना अध्यक्ष आशुतोष गुप्ता उपस्थित रहे।

शिक्षा से ही होगा देश का समुचित विकास : एसडीएम

सिरमौर, नि.प्र.। सीएम राइज उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय सिरमौर में अनुविभागीय अधिकारी सिरमौर आरके सिन्हा ने भविष्य से भेंट को लेकर नव प्रवेशित विद्यार्थियो को सम्बोधित करते हुये कहा कि हमें सदैव सकारात्मक सोच के साथ अपने लक्ष्य को तय कर उसकी प्राप्ति के लिए ईमानदारी से मेहनत करनी चाहिए क्योंकि मेहनत कभी व्यर्थ नहीं जाती है, वह अच्छे परिणाम ही देती है । शिक्षा से ही देश का समुचित विकास होगा । श्री सिन्हा ने मुरैना में आधारित फिल्म की कहानी से बच्चों को मोटिवेट किया। एसडीएम ने विद्यालय प्रबंधन को समुचित व्यवस्था के निर्देश दिए। इस अवसर पर विकासखंड शिक्षा अधिकारी रामराज मिश्रा ने बच्चों को शिक्षा के महत्व एवं सकारात्मक दिशा में किए जाने वाले प्रयास के परिणाम के लिए देश का सुनहरा भविष्य बताया। साथ ही प्राचार्य रजनीश मिश्रा, राजेश्वर ओझा ने शिक्षा पर प्रकाश डाला।

अंक तालिका

टीम	मैच	जीते	हारे	अंक	रन रेट
पंजाब	02	02	00	04	1.485
दिल्ली	02	02	00	04	1.320
बेंगलुरु	03	02	01	04	1.149
गुजरात	03	02	01	04	0.807
मुंबई	03	01	02	00	0.309
लखनऊ	03	01	02	02	-0.150
चेन्नई	03	01	02	02	-0.771
हैदराबाद	03	01	02	02	-0.871
राजस्थान	03	01	02	00	-1.112
कोलकाता	03	01	02	02	-1.428

ऑरेंज कैप (बल्लेबाज)

निकोलस (लखनऊ)	189
साई सुदर्शन (गुजरात)	186
जोस बटलर (गुजरात)	166
श्रेयस अय्यर (पंजाब)	149

पर्पल कैप (गेंदबाज)

नूर अहमद (चेन्नई)	09
मिचेल स्टार्क (दिल्ली)	08
हेजलवुड (बेंगलुरु)	06
साई किशोर (गुजरात)	06

बाउंड्री मीटर

275 छक्के
419 चौके
28 अर्धशतक

मोहम्मद सिराज (29) एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में दूसरे सबसे ज्यादा आईपीएल विकेट लेने वाले गेंदबाज बन गए। उन्होंने जहीर खान (28) को पीछे छोड़ दिया है। शीर्ष पर युजवेंद्र चहल हैं, जिनके नाम 52 विकेट हैं।

घरेलू पिच से असंतुष्ट होने वाली लखनऊ तीसरी टीम, जहीर ने कहा-ऐसा लगा जैसे पंजाब अपना क्यूरेटर लेकर आई थी

पंजाब ने लखनऊ को उसके घरेलू मैदान पर हराया था, सुपर जाएंट्स मुकाबले के लिए स्पिन पिच चाहती थी

जेएनएन, लखनऊ

अपने क्यूरेटर द्वारा तैयार की गई पिच से एक बार फिर घरेलू टीम संतुष्ट नहीं है। आईपीएल के 13वें मुकाबले में पंजाब किंग्स के हाथों 22 गेंद शेष रहते आठ विकेट से मिली हार के बाद लखनऊ सुपर जाएंट्स के मेंटॉर जहीर खान ने कहा कि ऐसा प्रतीत हुआ, जैसे विपक्षी टीम अपना क्यूरेटर लखनऊ लेकर आई थी। इस हार के साथ घर पर लखनऊ का जीत हार का अनुपात 1 के नीचे चला गया। यह भी विडंबना है कि आईपीएल में इस समय खेल रही टीमों में सिर्फ उनकी विपक्षी टीम पंजाब का ही घर पर जीत हार का अनुपात 1 से कम था। तेज गेंदबाजों की चोट की मार झेल रही लखनऊ को एक ऐसी पिच की जरूरत थी, जो स्पिन को मदद पहुंचाए। लखनऊ ने इस मैच में सिर्फ दो तेज गेंदबाज खिलाए थे, जिसमें शार्दुल ठाकुर को अंतिम समय में जोड़ा गया था। शामर जोसेफ के रूप में उनके दल में सिर्फ एक विदेशी तेज गेंदबाज है। अर्शदीप सिंह, लॉकी फर्ग्युसन और मार्को यानसन की तिकड़ी के साथ मार्कस स्टॉयनिस के दो उपयोगी ओवरों की बदौलत पंजाब किंग्स लखनऊ पर हावी रहा और उन्होंने 13 ओवर में 112 रन देकर कुल पांच विकेट चटकाए।

■ कोलकाता नाइट राइडर्स और चेन्नई सुपर किंग्स के बाद घरेलू परिस्थितियों के प्रति असंतोष जाहिर करने वाली लखनऊ तीसरी टीम है। केकेआर ने स्पिन को अधिक मदद मिलने की वकालत की थी, तो वहीं घर पर आईपीएल में सबसे बेहतर जीत हार का अनुपात रखने वाली सीएसके का मानना है कि पिछले दो वर्षों से उन्हें घरेलू परिस्थितियों का आंकलन करने में कठिनाई हो रही है।

होम टीम को फायदा मिलना

जहीर ने कहा, यह निराशाजनक है कि आईपीएल में टीम होम एडवांटेज का फायदा उठाने की ओर देखती हैं, लेकिन इस दृष्टि से सोचने पर ऐसा लगा नहीं कि क्यूरेटर ने ऐसा सोचा कि यह एक होम गेम है। ऐसा प्रतीत हुआ जैसे इस मैच के लिए पंजाब अपना क्यूरेटर लेकर आई थी। एक टीम के तौर पर हम आत्मविश्वास से भरे हुए हैं और घरेलू चरण में बचे छह मैचों में हम यहां अधिक से अधिक प्रभावी प्रदर्शन करने की ओर देख रहे हैं। जहीर ने पिच के गलत आंकलन का हवाला देते हुए घरेलू टीम के लिए अनुकूल परिस्थितियां मुहैया कराने की मांग की। उन्होंने कहा, हम यही कह रहे हैं, हम उसी रणनीति के साथ खेलने जाएंगे, जैसी जानकारी हमें क्यूरेटर से मिलेगी। हम इसे बहाने के रूप में इस्तेमाल नहीं कर रहे। हमने पिछले सीजन भी देखा था कि यहां पर बल्लेबाजों ने भी संघर्ष किया था। यह सब क्रिकेट में होता है, लेकिन होम टीम को फायदा मिलना चाहिए। हर किसी के योगदान की जरूरत है, लेकिन हम मैच जीतने का अन्य तरीके ढूंढेंगे।

हम यही सोच रहे थे कि हमें एक धीमी विकेट मिलेगी। हमें लगा कि यह होम गेम है, इसलिए गेंद फंस कर आएगी। मेरे ख्याल से स्टंप की लाइन में धीमी गेंद करने पर गेंद हल्का फंस जरूर रही थी, लेकिन यह पर्याप्त नहीं था। यह हमारा पहला होम गेम था और हम अभी भी यहां कि परिस्थितियों का आंकलन कर रहे हैं। हमने एम सिद्धार्थ के रूप में अतिरिक्त स्पिनर खिलाने के लिए तेज गेंदबाज प्रिंस यादव को भी बाहर बैठा दिया था।

■ ऋषभ पंत, कप्तान, लखनऊ सुपर जाएंट्स

टाइटंस ने रोका आरसीबी का विजय रथ

सिराज ने झटके तीन विकेट, बटलर ने बनाए 72 रन, गुजरात ने बेंगलुरु को 8 विकेट से हराया

बेंगलुरु, जेएनएन

जोस बटलर के नाबाद 73 रन और मोहम्मद सिराज की 19 रन देकर तीन विकेट की बेहतरीन गेंदबाजी की बदौलत गुजरात टाइटंस ने आईपीएल के 14वें मैच में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के घर पर पहले मुकाबले में उनको आठ विकेट से करारी शिकस्त दे दी। इस जीत के साथ गुजरात अंक तालिका में चौथे स्थान पर पहुंच गई है, तो वहीं आरसीबी तीसरे स्थान पर खिसक गई है। इस हार के साथ आरसीबी का विजयी रथ थम गया। गुजरात ने पहले गेंदबाजी करने का निर्णय किया। मोहम्मद सिराज और अरशद खान पावरप्ले में दोनों ओपनरों को बांधने में सफल रहे। अरशद को उनके क्रिकेट करियर का सबसे बड़ा विकेट विराट कोहली के तौर पर मिला जो पुल करने के प्रयास में डीप स्क्वायर लेग पर लपके गए। इसके बाद सिराज को गिल ने लगातार तीन ओवर का स्पेल कराया और जहां से मैच का पासा पलट गया। सिराज ने पहले देवदत्त पडिक्कल को और बाद में सॉल्ट को बोल्ड करके मैच का रूख बदल दिया। लिविंगस्टोन और जितेश शर्मा ने पारी को आगे बढ़ाना शुरू किया, लेकिन मध्य ओवरों में साई किशोर हावी रहे, जिन्होंने जितेश और क्रुणाल को कुछ ही समय के अंदर आउट कर दिया। अंत में लिविंगस्टोन ने अर्धशतक लगाया और उनका साथ टिम डेविड ने दिया, जिसकी वजह से टीम 169 रनों तक पहुंच सकी। जवाब में गुजरात की भी शुरुआत खराब रही। भुवनेश्वर और हेजलवुड की जोड़ी ने ओपनरों को बांधकर रखा।

गुजरात की आरसीबी पर यह तीसरी जीत है। दोनों के बीच 6 मैच खेले गए है, जिसमें आरसीबी ने तीन में जीत दर्ज की। पिछले सीजन दोनों टीमें दो बार आमने-सामने हुई थी, जहां दोनों मौकों पर आरसीबी को जीत नसीब हुई थी।

स्कोर बोर्ड

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु : 169/8 (20 ओवर)

	रन	गेंद	4	6
फिल सॉल्ट बो. सिराज	14	13	1	1
कोहली का. कृष्णा बो. अरशद	7	6	1	0
पडिक्कल बो. सिराज	4	3	1	0
पाटीदार पगबाधा बो. इशान	12	12	2	0
लिविंगस्टोन का. बटलर बो. सिराज	54	40	1	5
जितेश का. तेवतिया बो. किशोर	33	21	5	1
कुणाल का. एंड बो. किशोर	5	5	1	0
टिम डेविड बो. कृष्णा	32	18	3	2
भुवनेश्वर कुमार नाबाद	1	2	0	0

अतिरिक्त : 7, **कुल :** 20 ओवर में आठ विकेट पर 169 रन, **विकेट पतन :** 1-8, 2-13, 3-35, 4-42, 5-94, 6-104, 7-150, 8-169, **गेंदबाजी :** सिराज 4-0-19-3, अरशद खान 2-0-17-1, प्रसिद्ध कृष्णा 4-0-26-1, इशांत शर्मा 2-0-27-1, साई किशोर 4-0-22-2, राशिद खान 4-0-54-0.

गुजरात टाइटंस : 170/2 (17.5 ओवर)

	रन	गेंद	4	6
सुदर्शन का. जितेश बो. हेजलवुड	49	36	7	1
गिल का. लिविंगस्टोन बो. भुवनेश्वर	14	14	1	1
जॉस बटलर नाबाद	73	39	5	6
शरफेन रदरफोर्ड नाबाद	30	18	1	3

अतिरिक्त : 4, **कुल :** 17.5 ओवर में दो विकेट पर 170 रन, **विकेट पतन :** 1-32, 2-107, **गेंदबाजी :** भुवनेश्वर कुमार 4-0-23-1, जोश हेजलवुड 3.5-0-43-1, राश दयाल 3-0-20-0, रसिख सलाम 3-0-35-0, क्रुणाल पंड्या 3-0-34-0, लिविंगस्टन 1-0-12-0.

पिछले सीजन की फाइनलिस्ट टीमों के बीच मुकाबला आज

पिछले सीजन में इन दोनों टीमों के बीच फाइनल सहित तीन बार आमना-सामना हुआ था और तीनों ही बार जीत केकेआर के हाथ लगी थी।

जेएनएन, कोलकाता

कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) और सनराइजर्स हैदराबाद गुरुवार को आईपीएल के 15वें मैच आमने सामने होंगे। पिछले सीजन की दोनों फाइनलिस्ट टीमों के लिए अभियान का आगाज अच्छा नहीं रहा है, लेकिन अब दोनों टीमों की कोशिश जीत की पटरी पर लौटने की ओर होगी। डिफेंडिंग चैंपियन केकेआर को तीन में से दो मैच में हार मिली, वहीं सनराइजर्स को पहले मैच में जीत के बाद लगातार दो मुकाबले गंवाने पड़े। केकेआर के कप्तान अजिंक्य रहाणे ने सत्र के पहले मैच में आरसीबी से मिली हार के बाद कहा था कि अभी घबराने की कोई जरूरत नहीं है। लेकिन दो हार के बाद टीम का मनोबल थोड़ा गिरा होगा। पिछले सत्र में केकेआर ने सिर्फ तीन मैच गंवाए थे।

संभावित खिलाड़ी

- **कोलकाता नाइट राइडर्स :** सुनील नारायण, क्विंटन डिकॉक, अजिंक्य रहाणे (कप्तान), अंगकृष रघुवंशी, वेंकटेश अय्यर, रिंकू, आंद्रे रसल, रमनदीप सिंह, हर्षित राणा, स्पेंसर जॉनसन, चक्रवर्ती, वैभव अरोड़ा।
- **सनराइजर्स हैदराबाद:** ट्रैविस हेड, अभिषेक शर्मा, इशान किशन, नीतीश कुमार रेड्डी, अभिनव मनोहर, हेनरिक क्लासेन, अनिकेत वर्मा, पैट कमिंस (कप्तान), जीशान अंसारी, शमी, हर्षल पटेल, ऐडम जम्पा।

खेल एक नजर

नए घरेलू सत्र से पहले मुंबई छोड़कर गोवा जाएंगे यशस्वी

मुंबई, जेएनएन। भारत के सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल ने निजी कारणों से अपनी घरेलू टीम मुंबई को छोड़ने का फैसला किया है। उन्होंने मुंबई क्रिकेट संघ को मंगलवार को लिखे पत्र में कहा कि वह मुंबई छोड़कर गोवा के लिए खेलना चाहते हैं। एमसीए ने उनका अनुरोध मान लिया। वह 2025-26 सत्र में गोवा के लिए खेलेंगे। यशस्वी ने मुंबई के लिए आखिरी मैच 23 से 25 जनवरी के बीच रणजी में जम्मू-कश्मीर के खिलाफ खेला था। गोवा क्रिकेट संघ के सचिव शंबा देसाई ने कहा, वह हमारे लिए खेलना चाहता है और हम उसका स्वागत करते हैं। अर्जुन तेंदुलकर और सिद्धेश लाड के बाद मुंबई को छोड़कर गोवा जाने वाले यशस्वी तीसरे क्रिकेटर हैं।

सैमसन विकेटकीपिंग के लिए फिट, करेंगे रॉयल्स की कप्तानी

नई दिल्ली, जेएनएन। राजस्थान रॉयल्स के कप्तान संजू सैमसन को बेंगलुरु के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस से विकेटकीपिंग में वापसी की मंजूरी मिल गई है। उन्होंने आईपीएल 2025 के पहले तीन मैचों में एक विशेषज्ञ बल्लेबाज के रूप में खेला था। सैमसन की उंगली की सर्जरी पिछले महीने हुई थी। वे अब पूरी तरह से स्वस्थ हो चुके हैं। आईपीएल में रॉयल्स के लिए पहले तीन मैचों में कप्तानी रियान पराग ने की। हालांकि, अब सैमसन यह भूमिका निभाएंगे। सैमसन ने इस सीजन के पहले तीन मैचों में इम्पैक्ट प्लेयर के रूप में हिस्सा लिया था और पराग ने कप्तान की जिम्मेदारी निभाई थी, जबकि ध्रुव जुरेल विकेटकीपिंग कर रहे थे। राजस्थान ने कहा, इस सकारात्मक विकास के साथ सैमसन टीम के अगले मैच में पंजाब किंग्स के खिलाफ अपनी पूरी नेतृत्व भूमिका में लौटेंगे और फिर से कप्तानी संभालेंगे।

लखनऊ के दिग्वेश पर जुर्माना

लखनऊ, जेएनएन। लखनऊ सुपर जाएंट्स के स्पिनर दिग्वेश सिंह राठी पर मैच फीस का 25 प्रतिशत जुर्माना और एक डिमेरिट अंक लगाया गया है, जिन्होंने आईपीएल मैच में पंजाब किंग्स के बल्लेबाज प्रियांश आर्य को आउट करने के बाद 'पत्र लिखने की मुद्रा में' जश्न मनाया था। बीसीसीआइ ने राठी को पंजाब और लखनऊ के बीच इकाना स्टेडियम पर हुए मैच के दौरान आईपीएल की आचार संहिता तोड़ने के लिए दंडियत किया। पंजाब ने वह मैच आठ विकेट से जीता। आईपीएल मीडिया सूचना में कहा गया कि दिग्वेश सिंह को धारा 2.5 के तहत लेवल एक के अपराध का दोषी पाया गया। उन्होंने मैच रैफरी द्वारा सुनाई गई सजा स्वीकार कर ली है। इसमें कहा गया कि लेवल एक के अपराध में मैच रैफरी का फैसला अंतिम और सर्वमान्य होता है।

न्यूजीलैंड ने पाकिस्तान को वनडे सीरीज में हराया, दूसरा मुकाबला 84 रन से जीता

हैमिल्टन, जेएनएन। न्यूजीलैंड ने पाकिस्तान को दूसरे वनडे में 84 रनों से हराकर तीन मैचों की सीरीज में 2-0 की बढ़त हासिल कर ली। न्यूजीलैंड ने मिचेल हे के नाबाद 99 रन की पारी के दम पर आठ विकेट पर 292 रन बनाए। इसके बाद बेन सीयर्स ने 59 रन देकर पांच विकेट झटके, जिससे लक्ष्य का पीछा करते हुए पाकिस्तान की टीम 41.2 ओवर में 208 रन पर सिमट गई। वनडे सीरीज के लिए पाकिस्तान की टीम में दो दिग्गज बल्लेबाज मोहम्मद रिजवान और बाबर आजम की वापसी हुई। लेकिन ये दोनों बल्लेबाज एक बार फिर प्रदर्शन करने में असफल रहे। टीम के लिए फहीम अशरफ ने 73 और नसीम शाह ने 51 रन की अर्धशतकीय पारी खेली। दोनों का यह पहला वनडे अर्धशतक है। सीयर्स के अलावा जैकब डफी ने तीन विकेट हासिल किए।

■ तेज गेंदबाज नसीम शाह ने 11वें नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए 44 गेंदों में 51 रन बनाए। इस नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए वे अर्धशतक जड़ने वाले दूसरे प्लेयर बन गए हैं। नसीम ने शोएब अख्तर का 22 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ा है। अख्तर ने 2003 वनडे वर्ल्ड कप में इंग्लैंड के खिलाफ 11वें नंबर पर 16 गेंदों में 43 रन बनाए थे।

वेस्टइंडीज 1975 वर्ल्ड कप की मनाएगा गोल्डन जुबली

नई दिल्ली, जेएनएन। वेस्टइंडीज क्रिकेट टीम वर्ल्ड कप 1975 की गोल्डन जुबली यानी 50वीं एनिवर्सरी सेलिब्रेट करने वाला है। वेस्टइंडीज की टीम ने लंदन के लॉर्ड्स क्रिकेट ग्राउंड पर 21 जून 1975 को क्रिकेट वर्ल्ड कप जीता था। ये क्रिकेट की दुनिया में पहला वैश्विक टूर्नामेंट था। वेस्टइंडीज के कप्तान क्लाइव लॉयड ने ट्रॉफी उठाई थी। क्रिकबज को क्रिकेट वेस्टइंडीज ये सीईओ क्रिस डेहरिंग ने बताया, हां, यह (गोल्डन जुबली सेलिब्रेशन) सच है, लेकिन निश्चित रूप से हम सेलिब्रेशन की विशिष्ट तिथि और विवरण की घोषणा आने वाले समय में करेंगे। स्मृति समारोह बारबाडोस में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेले जाने वाले टेस्ट मैच के साथ मनाया जा सकता है।

वेस्टइंडीज और दक्षिण अफ्रीका की मेजबानी करेगा भारत, गुवाहाटी को मिला पहला टेस्ट

नई दिल्ली, जेएनएन। असम की राजधानी गुवाहाटी भारत में टेस्ट की मेजबानी करने वाला 30वां स्टेडियम बनेगा। यहां पर 22 से 26 नवंबर के बीच भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच दूसरा टेस्ट खेला जाएगा। बुधवार को बीसीसीआई ने 2025-26 घरेलू अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रम की घोषणा की, जहां पर भारत विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के अंतर्गत वेस्टइंडीज और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ घरेलू टेस्ट सीरीज खेलेगा। इस सीजन की शुरुआत भारत द्वारा वेस्टइंडीज के साथ दो टेस्ट मैचों की मेजबानी से होगी।

बीसीसीआई ने भारत की पुरुष टीम का घरेलू अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रम जारी किया

टेस्ट मैच अहमदाबाद में 2 से 6 अक्तूबर तक और कोलकाता में 10 से 14 अक्तूबर तक खेले जाएंगे। दक्षिण अफ्रीका के साथ घरेलू सीरीज एक महीने बाद शुरू होगी। पहला टेस्ट मैच दिल्ली में 14 से 18 नवंबर तक और दूसरा गुवाहाटी में खेला जाएगा। भारत और दक्षिणअफ्रीका इसके बाद रांची (30 नवंबर), रायपुर (3 दिसंबर) और विशाखापत्तनम (6 दिसंबर) में तीन वनडे मैच खेलेंगे। इसके बाद कटक (9 दिसंबर), मुल्लांपुर (11 दिसंबर), धर्मशाला (14 दिसंबर), लखनऊ (17 दिसंबर) और अहमदाबाद (19 दिसंबर) में पांच टी-20 मैच खेलेंगे। वनडे मैच सभी डे-नाइट होंगे, जो 1.30 बजे से शुरू होंगे और टी-20 मैच शाम 7 बजे से शुरू होंगे। इन दो अंतरराष्ट्रीय सीरीज के बीच भारत इस साल घर में महिला वनडे विश्व कप की भी मेजबानी करेगा।

सिटी स्पोर्ट्स

खेल मंत्री विश्वास सारंग ने की खेल गतिविधियों की समीक्षा

खिलाड़ियों का टैलेंट सामने लाने मप्र में खेलो-बढ़ो अभियान 1 मई से होगा शुरू

भोपाल, खेप्र। मध्यप्रदेश के खिलाड़ियों का टैलेंट सामने लाने और उन्हें बड़ा मंच प्रदान करने के लिए एक मई से खेलो-बढ़ो अभियान शुरू होने जा रहा है। इस अभियान के लिए प्रारंभ में 37 जिले चयनित किए गए हैं। खेल मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने बुधवार को खेल विभाग की गतिविधियों और इन अभियान की समीक्षा की। उन्होंने पार्थ (पीएआरटीएच) योजना और खेलो-बढो अभियान के सुव्यवस्थित क्रियान्वयन के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए है। उन्होंने कहा कि पार्थ योजना और खेलो-बढ़ो अभियान के जरिये ज्यादा से ज्यादा खिलाड़ी लाभान्वित हो, इसकी तैयारी की जाए। खेल मंत्री ने दोनों योजना और अभियान को मूर्तरूप से धरातल पर उतारने को कहा। उन्होंने कहा कि पायलट प्रोजेक्ट के रूप में 9-10 संभाग में इसको त्वरित गति से अग्रसर किया जाए। इसकी विभाग और शासन स्तर की कार्रवाई पूर्ण करें और इसका व्यापक प्रचार-प्रसार भी किया जाए। बैठक में अपर मुख्य सचिव मनु श्रीवास्तव, खेल संचालक राकेश गुप्ता, संयुक्त संचालक बीएस यादव सहित खेल अधिकारी उपस्थित थे।

सितंबर में खेलो एमपी

मंत्री सारंग ने निर्देश दिए कि सितंबर से खेलो एमपी गेम्स की शुरुआत की जाए, जिससे मध्यप्रदेश की टीम तैयार हो और वही नेशनल चैम्पियनशिप में भाग ले। बैठक में भेल स्पोर्ट्स कॉम्पलेक्स, खेलो एमपी यूथ गेम्स, प्रकाश तरुण पुष्कर, फिट इंडिया क्लब और नेशनल चैम्पियनशिप पर भी चर्चा की गई।

भोपाल की गर्ल्स टीम ने नर्मदापुरम को हराया

भोपाल, खेप्र। भोपाल की गर्ल्स टीम ने बुधवार को अंडर-18 इंडर डिविजनल क्रिकेट टूर्नामेंट में नर्मदापुरम को तीन विकेट से शिकस्त दी। फेथ क्रिकेट मैदान-2 पर टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी नर्मदापुरम संभाग की टीम ने 38.4 ओवर में सभी विकेट गंवाकर 166 रन बनाए। टीम के लिए मिहि ठाकुर ने सर्वाधिक 47 रन बनाए, जबकि अलिशा यादव ने 30 और वान्या शुक्ला ने 22 रन का योगदान दिया। भोपाल की काजल चौरसिया ने तीन विकेट झटके, जबकि समिका शुक्ला और हर्षिका किरार को दो-दो सफलता मिली। मान्या भाटी ने एक विकेट लिया। लक्ष्य का पीछा करने उतरी भोपाल की टीम ने 37.5 ओवर में सात विकेट गंवाकर मुकाबला जीत लिया। समिका ने 38 और हर्षिका किरार ने 36 रन की पारी खेली। मान्या ने नाबाद 31 और पल्लवी 14 रन बनाए।

खुशवंत के शतक से एसीई सेमीफाइनल में

भोपाल, खेप्र। प्लेयर ऑफ द मैच खुशवंत के शतक और तीन विकेट की बदौलत एसीई क्रिकेट अकादमी ने तृतीय विधायक कप अंडर-12 टूर्नामेंट में रेलवे यूथ पर 182 रनों से बड़ी जीत दर्ज कर सेमीफाइनल में प्रवेश किया। विश्वास सारंग क्रिकेट अकादमी के तत्वाधान में यह टूर्नामेंट खेला जा रहा है। गौतम नगर स्थिति खेल मैदान पर एसीई क्रिकेट अकादमी ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 35 ओवर में 265 रन का बड़ा स्कोर बनाया। टीम के लिए खुशवंत ने 100 रन बनाए। मनमोहन (55) ने अर्धशतक जड़ा। रेलवे यूथ अकादमी के शोएब विराज और विवान ने एक-एक विकेट झटका। बड़े लक्ष्य का पीछा करने उतरी रेलवे यूथ की टीम मात्र 83 रनों पर सिमट गई। टीम के लिए सार्थक ने सर्वाधिक 14 रन बनाए। वहीं खुशवंत ने गेंदबाजी करते हुए 3 विकेट भी झटके। मनमोहन और आयुष्मान को दो-दो सफलता मिली।

तीन दिनी छठवीं रग्बी 7एस प्रतियोगिता आज से

भोपाल, खेप्र। एलएनसीटी कैंपस में तीन अप्रैल से छठवीं जूनियर एंव सीनियर राज्य स्तरीय रग्बी 7एस (महिला-पुरुष) खेली जाएगी। मध्य प्रदेश रग्बी फुटबॉल एसोसिएशन द्वारा आयोजित इस प्रतियोगिता में 15 जिलों के लगभग 450 खिलाड़ी हिस्सा लेंगे। फाइनल मुकाबले 5 अप्रैल को खेले जाएंगे। मप्र रग्बी फुटबॉल एसोसिएशन के सचिव अबरार अहमद शेख ने बताया कि प्रतियोगिता में मेजबान भोपाल सहित ग्वालियर, इंदौर, मंदसौर, रायसेन जिला, रायसेन कॉर्पोरेशन, खरगोन, शाजापुर, बैतूल, नर्मदापुरम, देवास जिला, देवास कॉर्पोरेशन, जबलपुर, रतलाम, सीहोर जिला, सीहोर कार्पोरेशन की टीम हिस्सा लेगी।

मऊगंज जिले में आंगनवाड़ी संचालन का समय परिवर्तित

रीवा। ग्रीष्म ऋतु के मद्देनजर मऊगंज जिले में संचालित आंगनवाड़ी केन्द्रों के संचालन समय में परिवर्तन किया गया है। कलेक्टर संजय कुमार जैन ने एक अप्रैल से आगामी आदेश तक आंगनवाड़ी केन्द्रों का संचालन समय प्रातः 8 बजे से अपरान्ह 3 बजे तक निर्धारित किया है।

टीएल बैठक एवं राजस्व अधिकारियों की बैठक आज

रीवा। कलेक्टर प्रतिभा पाल की अध्यक्षता में 3 अप्रैल को टीएल बैठक का आयोजन किया गया है। कलेक्ट्रेट के मोहन सभागार में प्रातः 11 बजे से आयोजित बैठक में सभी जिला प्रमुखों, एसडीएम, सीईओ जनपद तथा तहसीलदारों की उपस्थिति के निर्देश दिये गये हैं। टीएल बैठक के उपरांत कलेक्टर राजस्व अधिकारियों की बैठक लेंगी।

गुढ़ रेपकांड पीड़िता को मिलेंगे 16 लाख जुर्माने की राशि से किया जायेगा भुगतान

घटना के 5 माह 12 दिन बाद आया फैसला

सजा के साथ साथ 2.3-2.3 लाख का जुर्माना

फाइल फोटो

जागरण, रीवा। गुढ़ के भैरव बाबा परिक्षेत्र के कुटकी नाला में गैंग रेप पीड़िता को 16 लाख रुपए मिलेंगे। यह राशि आरोपियों पर अधिरोपित जुर्माना राशि से किया जायेगा। उल्लेखनीय है कि न्यायालय ने आरोपियों को उम्र कैद के साथ ही अर्थदण्ड से दंडित किया गया है। घटना में पुलिस ने 8 आरोपियों के खिलाफ प्रकरण पंजीबद्ध किया था। मामले की विवेचना पूर्ण होने के बाद सुनवाई हेतु जिला न्यायाधीश रीवा के यहां 10 दिसंबर 2024 को प्रस्तुत किया गया जो सेशन ट्रायल होने के कारण कमिट होकर सुनवाई चतुर्थ अपर सत्र न्यायाधीश पदमा जाटव के न्यायालय में प्राप्त हुआ। अपर लोक अभियोजक एडवोकेट विकास द्विवेदी ने बताया कि सभी आरोपियों को उम्र कैद की सजा सुनाई और अनेकों धाराओं में मिलाकर 230000 - 230000 एवं एक अन्य आरोपी गरुड़ कोरी को 231000 के अर्थदंड से दंडित किया गया है अर्थदंड अदा न करने की स्थिति में 2-2 साल का अतिरिक्त कारावास भुगतान जाने का भी निर्णय सुनाया गया है।

इन आरोपियों को सुनाई गई सजा

गुढ़ रेप कांड मामले में न्यायालय ने आरोपी रामजी उर्फ रामकिसी कोरी पिता राजकुमार कोरी 28 वर्ष, रावेश गुप्ता पिता रामावतार गुप्ता 28 वर्ष दोनों निवासी गुढ़, गुरुण कोरी पिता रामदरस कोरी 21 वर्ष व लवकुश कोरी पिता बिहारी लाल कोरी 23 वर्ष दोनो निवासी जोरौठ नईगढ़ी, राजेंद्र कोरी पिता शिवचरण कोरी 22 वर्ष निवासी गुढ, दीपक कोरी पिता शिवचरण कोरी 20 वर्ष निवासी गुढ़, सुशील कोरी पिता गजाधर कोरी 20 वर्ष निवासी खुखड़ा थाना रामपुर बाघेलान सतना व रजनीश कोरी पिता रामभाग कोरी 20 वर्ष को सजा और अर्थदण्ड की सजा सुनाई है।

21 अक्टूबर को आरोपियों ने वारदात को दिया था अंजाम

भैरव बाबा के पास स्थित कुड़की नाला के पास 21 अक्टूबर की दोपहर 2 से 3 के बीच पीड़िता एवं उसका पति दर्शन करने के लिए गए हुए थे और एक पत्थर में बैठकर आपस में बातचीत कर रहे थे। तभी झरने में चार- पांच अज्ञात लड़के नहा रहे थे, जो एक उनके पास आकर बोला कि तुम लोग क्यों यहां बैठे हो, क्या कर रहे हो, कौन हो तब पीड़िता एवं उसका पति बताया कि हम लोग पति-पत्नी हैं, घूमने के लिए आए हैं। इतने में चार और अन्य लड़के आ गए जो उन लोगों के साथ गाली गलौज कर मारपीट करने लगे और दो लड़के पीड़िता को एक तरफ पकड़ कर के ले गए और दो-तीन लड़के उसके पति को एक तरफ पकड़ के ले गए और पीड़िता के साथ अलग-अलग आरोपियों ने दुष्कर्म किया। मामले की शिकायत 22 अक्टूबर को गुढ़ थाना में की गई थी। विवेचना पूर्ण होने के बाद चर्तुथ अपर सत्र न्यायाधीश ने प्रकरण की सुनवाई कर आरोपियों को सजा सुनाई है। पीड़िता को न्यायालय द्वारा आरोपी गणों द्वारा अर्थ दंड की राशि में से 16 लाख रुपए दिलाए जाने का भी निर्णय सुनाया गया है। अर्थ दंड अदा न करने की स्थिति में दो-दो वर्ष का अतिरिक्त कारावास भोगना पड़ेगा।

शिवजी का नाग ही चुरा ले गए चोर

रीवा। शहर में जहां घरों में चोरी होना आम बात हो गई है वहीं चोर देवालयों को भी छोड़ रहे। मंगलवार दोपहर सच्चा नगर करहिया नं. 1 परशुराम चौक मैदानी में स्थित रामेश्वरधाम मंदिर से अज्ञात चोरों ने शिवजी का नाग ही नदारद कर दिया। श्री परशुराम जनकल्याण सेवा समिति अध्यक्ष शशि कुमार मिश्रा ने बताया कि घटना मंगलवार दोपहर 12 बजे के आसपास हुई। मंदिर में उस समय तीस मिनट तक कोई नहीं था, उसी दौरान चोर भगवान शिवजी का नाग चुराकर ले गए।

आवश्यकता है सहायक पुजारी की

1. श्री ओंकारेश्वर महादेवालय गाँधी नगर रीवा में आवश्यकता है एक सहायक पुजारी की जिसे संस्कृत भाषा में पूजा-पाठ व भगवान शंकर का अभिषेक करना आता हो। वेतन 7000 रु. व रहने के कमरे का भत्ता अलग से। केवल ब्राम्हण समाज के पुजारी सम्पर्क करें।
2. मंदिर की साफ-सफाई भगवान की पूजा लगाना, सेवा आदि के लिए एक ब्राम्हण युवक की आवश्यकता है। वेतन 5000 रु.।

सम्पर्क करें :- मो.नं. : 9425056230

चर्म, सौन्दर्य, एलर्जी एवं स्कीन केयर
डॉ. सिद्धार्थ तिवारी
MBBS, MD (Dermatology & STD)
परामर्श शुल्क मात्र 300/-
मिलने का समय प्रतिदिन सुबह 10 से 2 बजे सायं 4 से 7 बजे (रविवार अवकाश)
चर्म, सौन्दर्य, नाखून, बाल, कुष्ठ, गुप्त (यौन) एवं एलर्जी रोग विशेषज्ञ
परामर्श- दाद, खाज, खुजली, मुंहासे, मस्से, अपरस, सोरायसिस, सफेद दाग, एक्जिमा, गंजापन, त्वचा की एलर्जी, नाखुनों का खराब होना, चेहरे पे दाग धब्बे, झाइयाँ, (Glow & Fairness), सेहुंआ, फोड़े, फुन्सी, गुप्त एवं यौन समस्या आदि।
कामता मेडिकल
ए-ब्लॉक समदड़िया, न्यू बस स्टैन्ड रीवा (म.प्र.)
9399312433
9981287311

GANDHI ADARSH HR. SEC. SCHOOL
Ratahara- Rewa
35 वर्षों से विश्वास का प्रतीक
ADMISSION OPEN
Session- 2025-26
ENGLISH MEDIUM
Nursery to 12th
Bio, Maths, Com.
हिन्दी माध्यम
कक्षा 6वीं से 12वीं तक
बायो, मैथ्स, कामर्स, (आर्ट) संकाय
• Bus Facility Available. • fully Smart Classes.
Cont. - 9229488345, 9893133868, 9039974644

DTE - काउंसिलिंग कोड 608
श्री रामकृष्ण
कॉलेज ऑफ फार्मेसी
पीसीआई/9649 द्वारा अनुमोदित, आरजीपीवी भोपाल द्वारा संबद्ध
डी. फार्मा
अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें-
पता- ग्राम देवरा, गुरुकुल स्कूल के पास, चोरहटा, रीवा (म.प्र.)
मो.: 9584324641,6262084843,7470944611

शो-रूम किराए से देना है
इन्द्र बली टावर
• दूसरा मंजिल- 1350 वर्ग फिट
• रुफ टाप - 1700 वर्ग फिट
संपर्क करें: SPS माल के आगे (100मी.) रिलायंस ट्रेन्ड के सामने, बरा, रीवा म.प्र.
मो.: 7987764972, 9329390790

मिनर्वा आई.व्ही.एफ. (टेस्ट ट्यूब बेबी सेन्टर)
(निः संतान दंपत्तियों के लिए)
कम खर्च बेहतर इलाज
सर्वश्रेष्ठ टेस्ट ट्यूब बेबी सुविधा
उपलब्ध सुविधाएँ
• IUI, IVF, ICSI
• फ्रोजन एंब्रिया ट्रांसफर साइकिल (FET)
• एग फ्रीजिंग
• एंब्रियो फ्रीजिंग
• स्पर्म फ्रीजिंग
डॉ. ज्योति ओझा मिश्रा
स्त्री एवं प्रसूति रोग
निःसंतानता रोग एवं टेस्टट्यूब बेबी विशेषज्ञ
MBBS, MD (ऑब्स & गायनी)
फैलोशिप इन रिप्रोडक्टिव मेडिसिन एण्ड लैप्रोस्कोपिक सर्जरी
मध्यप्रदेश की प्रथम एवं अत्याधुनिक ICSI मशीन द्वारा इलाज उपलब्ध
टोल फ्री : 18008892250, मो.: 8878819362, 9303733830
खन्ना टॉवर, पुराना बस स्टैण्ड, रीवा

नवरात्रि के शुभ अवसर पर TVS
लैण्डमार्क TVS
OFFER
से शानदार ऑफर!
5 साल की वारन्टी
हर गाडी पर पायें निश्चित उपहार और
हेल्मेट / या मैटिंग और सीट कवर /या ए.एम.सी.
बुकिंग स्टार्ट मात्र 500 रुपये से
तुरन्त लोन सुविधा उपलब्ध
कम से कम डाउन पेमेन्ट कम व्याज दर
किसी भी कम्पनी की पुरानी गाडी लाऐं और नई गाडी ले जाऐ
लैण्डमार्क TVS, युनिवर्सिटी रोड, निराला नगर गेट के सामने, रीवा 6269990115/116/117/118

LOVED IN 100 COUNTRIES
BAJAJ
THE WORLD'S FAVOURITE INDIAN
2 CRORE
pulsar CELEBRATION
SPECIAL CELEBRATION PRICES
SAVE UP TO ₹5555/-*
भारत की नंबर 1 स्पोर्ट्स मोटरसाइकिल, पल्सर ने 2 करोड़ मोटरसाइकिल की बिक्री का कारनामा कर दिखाया है और अब हम इसका जश्न मना रहे हैं! अपने ग्राहकों का आभार व्यक्त करने के लिए हम पेश कर रहे हैं ऐसे स्पेशल दाम जो पहले कभी न देखे गए. तो आइए और पल्सरमेनियाक्स की गैंग में शामिल हो जाइए.
Ogilvy HIN

	125 NEON	125 CARBON FIBRE	NS 125 BASE	N160 TWIN DISC	N160 USD
स्पेशल क़ीमत	₹83 494/-	₹92 013/-	₹99 994/-	₹1 23 720/-	₹1 37 952/-
बचत	₹2 310/-	₹2 000/-			₹5 594/-

*एक्स-शोरूम कीमत
pulsar DEFINITELY DARING
72198 21111 | BAJAJ SECURE
*नियम और शर्तें लागू. *एक्स-शोरूम कीमत दर्शाए गए पल्सर वैरिएंट्स के लिए है. कीमत संशोधन बनाम दर्शाए गए पल्सर वैरिएंट्स की एक्स-शोरूम कीमत 31 मार्च 2025 के अनुसार. बजाज ऑटो के पास बिना पूर्व सूचना के किसी भी या सभी ऑफ़र्स को रद्द करने का अधिकार सुरक्षित है. स्टंट्स, एक्सपर्ट्स द्वारा प्रोफ़ेशनल सुपरविज़न के तहत, आम जनता या आम रास्तों से हट कर नियंत्रित और बंद सीमित वातावरण में किए गए हैं. कृपया इन स्टंट्स की नकल करने का प्रयास न करें और हर समय ट्रैफ़िक तथा सुरक्षा नियमों का पालन करें. एमसी विशेष मॉडल्स और विशेष राज्यों में ही उपलब्ध है. अधिक जानकारी के लिए बजाज डीलर से संपर्क करें. रोड साइड सहायता अन्य पक्षों द्वारा उपलब्ध कराई जाती है और वह उनके नियम और शर्तों के अधीन होती है.

Authorised Dealers for Bajaj Auto Ltd.: Balaghat: SAI BAJAJ 9425822517 • **Chatarpur:** TIKARIYA BAJAJ 7470901984• **Satna:** FOUZDAR BAJAJ 223925, **8109073002,** AA Autorider: 9098500556 9098500557 **Rewa** UPPAL BAJAJ 07662-408300, 9301991092, 9424822015 • **Seoni** FRONTIER A S BAJAJ 9302893612• **Sidhi JL Motors 9303942425 6269279293• Shahdol:** JAYSHREE BAJAJ 7879858023 • **Singroli: Waidhan** JAISWAL BAJAJ 7354131415 • **Tikamgarh:** TIKARIYA BAJAJ **7999169461. Authorised Service Centre : Amanganj** 9893548076, **Anuppur** 9826688221, **Badamalehra** 9425142655, **Barghat** 9303455660, **Baihar** 9555367761, **Bijuri 8827988201, Birsinghpur Pali** 6264386139, **Chhapara** 9713908909, **Dhanpuri 7489650025, Gadimalehra 9425813772, Gunour** 9977430543, **9977430543 Jaisingh Nagar** 9425472262, **Jawa** 9229666311, 9229841089 **Kharagpur** 9893140200, **Kirnapur** 9009464748 **Kotma** 9329404241, **Lakhnadon** 9303396981, **Loundi** 9826226345, **Maihar** 8982435888, **8770913699 Manpur** 9993009143, **Nowgong** 9425404025, **Nowrozabad** 7697487999, **Palera** 9993748907, **Palari** 9165621818, **Prathvipur** 9893640577, **Raj Milan** 9977650255, **Ramnagar 8871600496 Rampur Baghelan** 9425839938, **Singroli** 9425161696, **Umaria** 9302281902, **Waraseoni** 9425822517. **Niwas 9755432031, Papaundh 9754290155, Keswahi 9669691764, Nagod 8818808182, Hanumana** 9893918391, **Rampunaikin 8461961616, Bahri** 9340485487, 9589121525 **Bargawan 8450081056, 9301456998** Mauganj 8349224040 **Unchehara 9981751821, Pawai 9981763204, Adegaon 9926964389 Chakghat 9893634134 Majhauli (Sidhi) 9755088493 Mada 7089153247 Madwas 7869015572 Panna 9424332185.**

जागरण पब्लिकेशन प्रा. लिमि. के लिए मुद्रक/प्रकाशक मदन मोहन गुप्ता द्वारा दैनिक जागरण प्रेस गांधी नगर उर्रहट रीवा (म.प्र.)से मुद्रित एवं प्रकाशित। सम्पादकः **मदन मोहन गुप्ता।** आर.एन.आई. नं- 1505/57, डाक पंजीयन क्र.- रीवा संभाग 04 /म.प्र. संस्थापक **स्व. गुरुदेव गुप्त**
कार्यालयः- मोबाइल नं रीवा- 9098357869, 9425018958 **सतना** - 9993315949 **सीधी**-7089620900 **सिंगरौली**-9424652999 E-mail: rewajagrannew2015@gmail.com